नई दिल्ली ■ सोमवार 04 मई 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 14 ■ अंक 36 ■ पृष्ठ 08

JBT जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल, करनाल एवं मुजफ्फरनगर से प्रकाशित

04 भारतः एकात्म चिंतन की जन्मभूमि | 07 शिमकेंट में उपविजेता रहे मानस धामने | सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं दीपिका सिंह 08

पूर्वी दिल्ली में एक रिहायशी इमारत में लगी आग

नौ लोगों की दर्दनाक मौत

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के विवेक विहार में रविवार तड़के एक आवासीय इमारत में आग लगने से एक बच्चे समेत दो परिवारों के कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि विवेक विहार फेज-1 में चार मंजिला इमारत में आग लगने की सूचना तड़के करीब तीन बजकर 48 मिनट पर मिली, जिसके बाद पुलिस, दमकल और आपदा प्रबंधन दल मौके पर पहुंचे।

आग ने इमारत की दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिल पर स्थित कई फ्लैट को अपनी चपेट में ले लिया, जिसके बाद अफरा-तफरी के बीच बचाव के लिए प्रयास शुरू किए गए। छत का दरवाजा बंद होने के कारण इमारत में फंसे लोगों के लिए आग से बचकर निकलना मुश्किल हो गया। आग बुझाने के लिए दमकल की कुल 12 गाड़ियां भेजी गईं तथा दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए), यातायात पुलिस और स्थानीय पुलिस के दलों ने बचाव और निकासी प्रयासों में सहायता की। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) ने बताया कि अलग-अलग मंजिलों से नौ शव बरामद किए गए। डीएफएस के एक अधिकारी ने कहा, ''एक शव पहली मंजिल से, पांच शव दूसरी मंजिल से और तीन शव सीढ़ियों से बरामद किए गए। सीढ़ियों वाले हिस्से में ताला लगा मिला।'' दूसरी मंजिल पर मृत पाए गए लोगों की पहचान अरविंद जैन (60), उनकी पत्नी अनिता जैन (58), बेटे निशांत जैन (35), बहू आंचल जैन (33) और पोते आकाश जैन के रूप में हुई है। तीसरी मंजिल पर एक परिवार के तीन सदस्य मृत पाए गए। उनकी पहचान नितिन जैन (50), उनकी पत्नी शैली जैन (48) और बेटे सम्यक जैन (25) के रूप में हुई है। पहली मंजिल पर शिखा जैन (45) नाम की महिला मृत पाई गईं, जबकि उनके पति नवीन जैन (48) घायल हुए हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''आग बुझाने के अभियान के दौरान परिसर से करीब 10 से 15 लोगों को बचाया गया।

इनमें से दो लोगों को मामूली चोटें आई हैं और उन्हें गुरु तेग बहादुर अस्पताल ले जाया गया।'' आग ने इमारत के एक बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया और घने धुएं का गुबार इलाके में फैल गया, जिससे दृश्यता कम हो गई। दमकलकर्मियों ने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए कई घंटों तक चली मशक्कत के दौरान इमारत के भीतर फंसे लोगों की चीखें सुनाई दे रही थीं। बचाव अभियान में शामिल एक दमकलकर्मी ने बताया कि इमारत के पिछले हिस्से में आग की तीव्रता काफी अधिक थी। उन्होंने कहा, ''आगे के हिस्से की तुलना में पीछे स्थित चार फ्लैट में आग अधिक भीषण थी। अब तक हमने नौ शव बरामद कर उन्हें दिल्ली पुलिस को सौंप दिया है। इस स्तर पर विवरण देना मुश्किल है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।'' दमकलकर्मी ने कहा, ''तीन शव छत के पास मिले। छत तक जाने का रास्ता बंद था और इसी वजह से वे अपनी जान नहीं बचा सके। अगर वह बंद नहीं होता तो शायद वे बच जाते।'' उन्होंने कहा, ''इमारत में आने-जाने के लिए एक ही मुख्य सीढ़ी थी। पीछे का गेट ग्रिल से ढका था, जिसे बचाव अभियान के लिए हमें औजारों की मदद से काटना पड़ा। हमने अलग-अलग दिशाओं से पांच सीढ़ियां लगाईं और करीब 15 लोगों को बचाने के लिए 'टर्नटेबल लैडर' यानी घूमने वाली ऊंची सीढ़ी से लैस वाहन का भी इस्तेमाल किया।

-विस्तृत खबर दिल्ली पेज पर

अग्निकांड पर सीएम ने जताया दुख

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विवेक विहार अग्निकांड में 9 लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि इमरात में आग लगने से हुए हादसे में 9 लोगों की मौत से मन व्यथित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हादसे में घायल हुए लोगों का नजदीकी अस्पताल में उपचार चल रहा है, उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि उन्हें यह कठिन समय सहने की शक्ति प्रदान करें। मुख्यमंत्री ने बताया कि स्थानीय प्रशासन, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए), दिल्ली फायर सर्विस और दिल्ली पुलिस के सभी आला अधिकारी राहत और बचाव कार्यों में पूरी तत्परता से जुटे हैं। उन्होंने कहा कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और प्रभावितों को हर संभव सहायता सुनिश्चित की जा रही है। हमारे स्थानीय विधायक और निगम पार्षद भी राहत कार्य में अपना सहयोग कर रहे हैं। दिल्ली सरकार इस कठिन समय में पीड़ित परिवारों के साथ हर परिस्थिति में मजबूती से खड़ी है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली फायर सर्विस को रविवार तड़के करीब 3:48 बजे विवेक विहार थाना पुलिस को आग लगने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचने पर इमारत के कई फ्लैट आग की चपेट में थे।

पांच राज्यों में मतगणना आज

बंगाल में भाजपा को जीत की उम्मीद

नई दिल्ली। देश के पांच राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव संपन्न हो चुका है। असम विधानसभा की कुल 126 सीटें, केरल विधानसभा की कुल 140 सीटें और पुडुचेरी विधानसभा की कुल 30 सीटों पर 9 अप्रैल को मतदान हुआ था। तमिलनाडु की कुल 234 सीटों पर 23 अप्रैल को वोटिंग हुई थी। पश्चिम बंगाल की कुल 294 विधानसभा सीटों पर चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल 2026 को संपन्न हुआ था। सोमवार को मतगणना होनी है। सभी की नजरें मतगणना और चुनाव के नतीजों पर लगी हुई हैं।

राजनीति में दिलचस्पी रखने वाले हर व्यक्ति के जेहन में फिलहाल एक ही सवाल है कि क्या तृणमूल कांग्रेस बंगाल में सत्ता बरकरार रख पाएगी या फिर भारतीय जनता पार्टी ऐतिहासिक जीत हासिल करके पहली बार राज्य में अपनी सरकार बनाएगी। सुबह आठ बजे मतों की गिनती शुरू होगी। राज्य में 77 केंद्रों पर मतगणना होगी। कड़े सुरक्षा इंतजामों और गरमाए राजनीतिक माहौल के बीच 294 सदस्यों वाली विधानसभा की 293 सीट के परिणाम घोषित किए जाएंगे। भारत निर्वाचन आयोग ने दक्षिण 24 परगना जिले के फाल्टा विधानसभा क्षेत्र में मतदान केंद्रों पर गड़बड़ी का हवाला देते हुए चुनाव रद्द कर दिया। इस सीट पर 21 मई को दोबारा मतदान होगा जबकि मतगणना 24 मई को होगी। राज्य में दो चरण में हुआ चुनाव 29 अप्रैल को संपन्न हुआ। निर्वाचन आयोग के अनुसार, स्वतंत्रता के बाद बंगाल में इस बार सबसे अधिक 92.47 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। अधिकारियों ने कहा कि दक्षिण 24 परगना के 15 बूथ पर पुनर्मतदान शनिवार को संपन्न हुआ, जिसमें लगभग 87 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। चुनाव समाप्त होने के बाद भी राज्य का राजनीतिक माहौल गर्माया रहा, जिसकी वजह से परिणामों की घोषणा से पहले उत्सुकता और बढ़ गई है। दोनों प्रमुख दलों टीएमसी और भाजपा अपनी-अपनी जीत को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हैं।

पुणे में बच्ची से दुष्कर्म-हत्या मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे जिले में चार साल की बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या की जांच के लिए एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित की गई है। इस जघन्य अपराध को लेकर व्यापक पैमाने पर आक्रोश फैल गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को कहा, ''दो महिलाओं सहित छह पुलिस अधिकारियों की एक विशेष जांच टीम (एसआईटी)गठित की गई है। जांच की प्रगति के आधार पर हम और अधिक अधिकारियों और कर्मियों को शामिल करेंगे। यह टीम मामले की गहन जांच करेगी।'

राजस्थानः 30 वर्षीय महिला के सिर से निकला चार किलोग्राम का ट्यूमर

जयपुर। राजस्थान के जयपुर स्थित सवाई मानसिंह अस्पताल के प्लास्टिक सर्जरी विभाग ने एक जटिल ऑपरेशन के जरिये 30 वर्षीय एक महिला के सिर से चार किलोग्राम वजनी ट्यूमर निकालने में सफलता हासिल की। चिकित्सकों ने रविवार को यह जानकारी दी। प्लास्टिक सर्जरी विभाग के अध्यक्ष डॉ. आर.के. जैन ने बताया कि यह ऑपरेशन ट्यूमर के असाधारण आकार, जटिल स्थिति, मस्तिष्क और महत्वपूर्ण नसों से जुड़े होने के कारण अत्यंत चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने बताया कि कृष्णा नाम की महिला लंबे समय से इस ट्यूमर से पीड़ित थी, जिसका आकार उसके सिर से लगभग दोगुना हो चुका था। चिकित्सकों ने बताया कि ट्यूमर के कारण उसे चलने-फिरने में भी कठिनाई हो रही थी।

राजस्थान रॉयल्स 15,660 करोड़ में बिकी

मित्तल परिवार ने राजस्थान रॉयल्स में 75 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी

नई दिल्ली। जाने-माने उद्योगपति लक्ष्मी एन मित्तल और उनके बेटे आदित्य मित्तल ने अदार पूनावाला के साथ मिलकर 1.65 अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग 15,600 करोड़ रुपये) की बोली लगाकर राजस्थान रॉयल्स में सबसे अधिक हिस्सेदारी हासिल कर ली है। उन्होंने कल सोमानी-रॉब वाल्टन-शीला फोर्ड हैम्प के समूह के दौड़ से हटने के बाद यह सौदा किया। इस सौदे में दी गई राशि (1.65 बिलियन अमेरिकी डॉलर) राजस्थान रॉयल्स

की पुरुष फ्रेंचाइजी पार्ल रॉयल्स और बारबाडोस रॉयल्स के उद्यम मूल्य को दर्शाती है। यह सौदा बीसीसीआई, सीसीआई, आईपीएल संचालन परिषद और अन्य लागू नियामक प्राधिकरणों के अनुमोदन सहित अन्य शर्तों के अधीन है। यह सौदा 2026 की तीसरी तिमाही में पूरा होने की उम्मीद है। इससे पहले सोमानी के नेतृत्व वाले अमेरिका स्थित समूह ने 1.63 बिलियन अमेरिकी डॉलर की पेशकश की थी, लेकिन सूत्रों के अनुसार कई मुद्दों के कारण यह उचित जांच प्रक्रिया में खरा नहीं उतर पाया।

-विस्तृत खबर खेल पेज पर

विनेश ने जताई राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनिशप में पक्षपात की आशंका

नई दिल्ली। सीनियर महिला पहलवान विनेश फोगाट ने रविवार को चेतावनी दी कि गोंडा में आगामी राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट के दौरान उनके या उनकी टीम के सदस्यों के साथ कुछ भी अप्रिय घटना होने पर भारत सरकार जिम्मेदार होगी। इसके साथ ही उन्होंने प्रतियोगिता में ''पक्षपातपूर्ण फैसलों'' की आशंका भी जताई। विनेश ने लगभग 18 महीनों के बाद वापसी करने से पहले एक वीडियो संदेश में आरोप लगाया कि बृज भूषण शरण सिंह से जुड़े स्थल पर होने वाली प्रतियोगिता के परिणामों पर भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख के करीबी व्यक्ति प्रभाव डाल सकते हैं। विनेश ने कहा, ''प्रतियोगिता के दौरान अगर मेरे, मेरी टीम या समर्थकों के साथ कोई अप्रिय घटना घटती है तो इसके लिए भारत सरकार जिम्मेदार होगी।'' उन्होंने प्रतियोगिता के

दौरान पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मीडिया और खेल समुदाय से आयोजन स्थल पर उपस्थित रहने का आग्रह किया। विनेश ने कहा, ''यह टूर्नामेंट ऐसी जगह आयोजित किया जा रहा है जहां उनका (बृज का) काफी प्रभाव है।

-विस्तृत खबर खेल पेज पर

विमान का इमरजेंसी गेट खोलने पर यात्री गिरफ्तार

चेन्नई। चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के 'टैक्सीवे' पर चल रहे विमान का आपातकालीन निकास द्वार एक यात्री द्वारा खोल दिए जाने के कारण कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। एयर अरबिया का एक विमान 231 यात्रियों को लेकर रविवार तड़के शारजाह से चेन्नई पहुंचा था। विमान जब टैक्सीवे यानी रनवे और टर्मिनल को जोड़ने वाले निर्धारित मार्ग पर आगे बढ़ रहा था, तभी उसमें सवार पुडुकोट्टई निवासी 34 वर्षीय युवक ने एक आपातकालीन निकास द्वार खोल दिया। पायलट ने विमान को तुरंत रोक दिया और प्राधिकारियों को इसकी सूचना दी। इसके बाद बम निरोधक विशेषज्ञों और सशस्त्र अधिकारियों समेत केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के कर्मी तुरंत उस स्थान पर पहुंचे, जहां विमान रुका था। पायलट ने घटना को लेकर तत्काल औपचारिक शिकायत दर्ज कराई।

ईरान ने अमेरिका को भेजा नया शांति प्रस्ताव

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि नहीं बनेगी बात

लाहौर। ईरान ने शांति वार्ता में गतिरोध तोड़ने के लिए वाशिंगटन को "बहु-स्तरीय प्रस्ताव" भेजा है। इस घटनाक्रम से अवगत एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह ईरान के नए प्रस्ताव से अभी संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने संकेत दिया कि अमेरिका किसी ऐसे प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करेगा जिसमें तेहरान को परमाणु हथियार विकसित करने से रोकने की ठोस गारंटी शामिल न हो। अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमले किए थे, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच युद्ध शुरू हो गया था। हालांकि, यह संघर्ष आठ अप्रैल से रुका हुआ है। इस दौरान पाकिस्तान की मध्यस्थता में इस्लामाबाद में एक दौर की शांति वार्ता हो चुकी है। पाकिस्तानी

अधिकारी के अनुसार, ईरान का नया प्रस्ताव तनाव को चरणबद्ध तरीके से कम करने पर आधारित है, जिसमें उसके परमाणु कार्यक्रम से जुड़े जटिल मुद्दों को अलग-अलग रखने की कोशिश की गई है। प्रस्ताव के तीन प्रमुख हिस्से हैं। पहला हिस्सा तत्काल तनाव कम करने के उपायों पर केंद्रित है। ईरान ने संकेत दिया है कि वह रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास तनाव कम करने को तैयार है, बशर्ते अमेरिका भी अपनी सैन्य मौजूदगी कम करे और आर्थिक दबाव- खासतौर पर ईरानी तेल निर्यात पर लगे प्रतिबंधों में ढील दे। दूसरा हिस्सा समुद्री व्यापार और तेल आपूर्ति को परमाणु वार्ता से अलग करने से जुड़ा है। ईरान का तर्क है कि आर्थिक सामान्यीकरण पहले होना चाहिए, उसके बाद ही परमाणु गतिविधियों पर किसी बाध्यकारी समझौते पर बात होनी चाहिए। तीसरा हिस्सा परमाणु मुद्दे पर "सशर्त लचीलेपन" से संबंधित है। ईरान ने परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण इस्तेमाल के अपने अधिकार को दोहराते हुए यूरेनियम संवर्धन की सीमा और कड़े निगरानी तंत्र पर चर्चा की इच्छा जताई है, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि यह तभी संभव होगा जब व्यापक समझौते के तहत प्रतिबंधों से राहत सुनिश्चित की जाए।

हमारी जनगणना हमारा विकास

गृह मंत्रालय भारत सरकार

(जनगणना 2027 का पहला चरण)
स्व-गणना (Self Enumeration) से जुड़े सामान्य प्रश्न और उत्तर (भाग-2)

स्व-गणना क्या है?

स्व-गणना एक ऑनलाइन प्रक्रिया है जिसमें आप प्रगणक की प्रतीक्षा किए बिना, स्वयं SE पोर्टल (se.census.gov.in) पर अपने परिवार की जानकारी भर सकते हैं

स्व-गणना के क्या लाभ हैं?
- अपनी सुविधा से जानकारी भर सकते हैं
- गोपनीयता सुनिश्चित
- जनगणना प्रक्रिया को तेज़ और कुशल बनाती है

स्व-गणना पोर्टल में लॉग-इन कैसे करें?
- राज्य / संघ राज्य क्षेत्र चुनें
- मुखिया का नाम, मोबाइल नंबर और ईमेल (वैकल्पिक) भरें
- OTP द्वारा सत्यापन करें
- स्व-गणना शुरू करें

अपने घर का सही स्थान कैसे चिन्हित करें?
- जिला / पिनकोड चुनें
- क्षेत्र / लैंडमार्क दर्ज करें
- मैप पर ज़ूम करें और घर के पास लोकेशन मार्क करें (सटीक पता न दिखने पर घबराएं नहीं)
- सही लोकेशन चिन्हित करना आवश्यक है

क्या मैं अपनी जानकारी बाद में संशोधित कर सकता / सकती हूँ?
- सबमिट करने से पहले एडिट कर सकते हैं
- सबमिशन के बाद, प्रगणक के आने पर ही बदलाव संभव होगा

क्या स्व-गणना (SE) पोर्टल को भारत के बाहर से एक्सेस किया जा सकता है?

नहीं, यह सुविधा केवल भारत की भौगोलिक सीमा के भीतर उपलब्ध है

यदि सबमिशन के बाद गलती पता चले तो क्या करें?

प्रगणक के आने पर SE ID के साथ सुधार करवाया जा सकता है

क्या मैं फॉर्म सेव करके बाद में पूरा कर सकता / सकती हूँ?

हां, आप प्रोग्रेस सेव कर सकते हैं और निर्धारित समय के भीतर फॉर्म पूरा कर सकते हैं

CBC 19108/13/0066/2627

टोल फ्री - 1855

चलो निभाएं अपनी ज़िम्मेदारी, करें जनगणना में भागीदारी CensusIndia2027

संक्षिप्त खबरें

एटीएस होमक्राफ्ट नोबिलिटी सोसाइटी में एओए चुनाव हुआ

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट की एटीएस होमक्राफ्ट नोबिलिटी सोसाइटी में रविवार को अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन (एओए) का चुनाव हुआ। मतदान सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक हुआ।चुनाव में कुल 24 उम्मीदवार उतरे हैं। निवासी पंकज भाटी ने बताया कि चुनाव सोसाइटी के बेहतर प्रबंधन और भविष्य के विकास के लिए कराया जा रहा है। एक मजबूत और जिम्मेदार एओए के गठन से सोसाइटी की व्यवस्था मजबूत होगी और विकास होगा। रात 9 बजे के बाद मतगणना शुरू हुई।

बैठक कर किसानों ने आंदोलन पर की चर्चा

ग्रेटर नोएडा । किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक रविवार को सेक्टर चाई-4 स्थित दफ्तर में हुई। इसमें किसानों की समस्याओं पर आंदोलन किए जाने पर चर्चा की गई। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आलोक नागर और राष्ट्रीय प्रवक्ता बृजेश भाटी ने कहा कि ग्रेटर नोएडा, यमुना प्राधिकरण और अन्य संबंधित विभागों में किसानों की समस्याओं को लेकर जल्द बड़ा आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन सौंपकर चेतावनी दी जाएगी कि यदि समस्याओं का समाधान न हुआ तो आंदोलन उग्र रूप लेगा। बैठक में मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव कृष्ण नागर को अनुशासनहीनता के आरोप में पदमुक्त कर दिया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विकास प्रधान ने कहा कि संगठन में कार्यकर्ताओं को गुमराह करने वाले किसी भी व्यक्ति को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

फायर सेफ्टी ड्रिलः आग से निपटने के तरीके सीखे

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट की ला रेजिडेंसिया सोसाइटी के सेंट्रल पार्क में रविवार सुबह 10:30 बजे फायर सेफ्टी ड्रिल का आयोजन किया गया। उसमें बड़ी संख्या में निवासियों ने भाग लिया और आपातस्थिति में आग पर काबू पाना सीखा। सोसाइटी के आग लगने की गई घटना होने के बाद निवासियों को यह प्रशिक्षण दिया गया है। ड्रिल का संचालन फायर सेफ्टी विशेषज्ञ बिजॉय त्रिपाठी ने किया। उन्होंने डेमोंस्ट्रेशन और प्रैक्टिकल अभ्यास भी कराया गया। कार्यक्रम में महिलाओं और बच्चों की भागीदारी रही।

उपचुनावः कर्मचारियों का प्रशिक्षण आज, मतदान कल

यमुना सिटी। नगर पंचायत जेवर के वॉर्ड-12 में होने वाले उप चुनाव के लिए मतदान मंगलवार को सुबह 7 से शाम 5 बजे तक होगा। 7 मई को मतगणना होगी। पोलिंग पार्टियां रात में भी केंद्रों पर पहुंच जाएंगी और सुबह से केंद्रों पर मतदान की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। इसके लिए चुनाव अधिकारियों और प्रशासन ने अपनी सारी तैयारियां पूरी कर ली हैं। वहीं चुनाव ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों को भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सोमवार को अंतिम प्रशिक्षण दिया जाएगा। जेवर तहसील के देवेश गोयल, पराग और मोहित ने सभासद पद के लिए नामांकन कराया था। इन्हीं तीनों प्रत्याशियों के बीच चुनावी मुकाबला होगा। चुनाव आयोग की गाइडलांइस न के अनुसार मतदान के 48 घंटे पहले प्रचार प्रचार बंद हो चुका है। अब प्रत्याशी और उनके समर्थन लोगों के घर-घर जाकर उनसे मतदान करने की अपील कर रहे हैं।

पीएचसी-सीएचसी में नहीं होगी दवा की कमी

यमुना सिटी। गर्मी के मद्देनजर स्वास्थ्य विभाग ने जेवर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में दवा की उपलब्धता के लिए तैयारी पूरी कर ली है। विभाग ने समय रहते दवाइयों की डिमांड भेज दी है ताकि मरीजों को परेशानी का सामना न करना पड़े। अधिकारियों के अनुसार गर्मी के मौसम में मरीजों की संख्या बढ़ने की संभावना को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त स्टॉक भी रखा जाएगा। सीएचसी अधीक्षक डॉ. सरफे जेया ने बताया कि गर्मी में आमजनों को किसी तरह की परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

बेमौसम बरसात बढ़ा रही किसानों की चिंता

यमुना सिटी। बेमौसम बारिश किसानों के लिए परेशानी बन गई है। फसलें कटने के बाद मंडियों में बिकने के लिए पहुंच चुकी हैं। बड़ी संख्या में किसानों की फसलें खुले में रखी हैं जिनके भीगने के कारण खराब होने का डर है। दनकौर, बिलासपुर, रबूपुरा और जेवर में शनिवार रात आंधी और बरसात आई। बीते तीन-चार दिनों से मौसम में लगातार बदलाव हो रहा है और बारिश हो रही है। फसलों की कटाई के दौरान मार्च में भी लगातार बारिश हुई थी और ओलावृष्टि हुई थी। जिसके कारण खेत में पककर खड़ी फसल को काफी नुकसान हुआ था और किसानों ने सरकार से उनके नुकसान का मुआवजा देने की मांग की थी। किसानों ने बताया कि फसल को सुरक्षित रखने के लिए मंडियों में तिरपाल की व्यवस्था की गई है।

ऑनलाइन निवेश पर भारी मुनाफे का झांसा देकर रिटायर्ड इंजीनियर से 75 लाख रुपये की ठगी

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा में शेयर मार्केट में निवेश पर भारी मुनाफे का झांसा देकर साइबर अपराधियों ने टेलीकॉम विभाग से सेवानिवृत 71 वर्षीय एक इंजीनियर से 75 लाख रुपए ऐंठ लिये। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित ने साइबर अपराध थाने में शनिवार रात को ठगी के संबंध में शिकायत दर्ज करायी और जिन खातों में ठगी की रकम अंतरित हुई है, उनकी जांच की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (साइबर अपराध) शैव्या गोयल ने बताया कि सेक्टर-104 स्थित 'एटीएस वन हैमलेट सोसाइटी' में रहने वाले बुजुर्ग आलोक सहदेव ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 25 फरवरी को उन्हें व्हाट्सऐप पर एक निवेश ग्रुप में जोड़ा गया था। उन्होंने बताया कि इस ग्रुप का नाम 'वेल्थ एलायंस' था और इसमें शेयर बाजार और आईपीओ में निवेश कर भारी मुनाफे का दावा किया जा रहा था। शिकायतकर्ता ने बताया कि ग्रुप में मौजूद लोगों द्वारा लगातार मुनाफे के स्क्रीनशॉट और ट्रेडिंग की जानकारी साझा की जाती थी, जिससे उन्हें भरोसा हुआ। पीड़िता ने आरोप लगाया कि ग्रुप से जुड़े लोगों ने उनसे एक ट्रेडिंग ऐप

डाउनलोड करवाया और बताया कि इसके जरिए भारतीय शेयर बाजार और विदेशी बाजार में निवेश किया जा सकता है। शिकायतकर्ता ने बताया कि शुरु में उन्होंने छोटी राशि निवेश की और उन्हें आठ हजार रुपये का लाभ मिला, जिससे उनका विश्वास और बढ़ गया। उन्होंने बताया कि इसके बाद आरोपियों ने उन्हें बड़ी रकम निवेश करने के लिए प्रेरित किया और धीरे-धीरे उनसे अलग-अलग बैंक खातों में पैसे अंतरित करवाए। शिकायतकर्ता ने बताया कि आरोपियों ने यह भी झांसा दिया कि उनके शेयर ज्यादा मात्रा में अलॉट हो गए हैं और अगर अतिरिक्त पैसा जमा नहीं किया गया तो खाते में लेन-देन पर रोक लगाई जा सकती है।

पीड़ित ने बताया कि जब उन्होंने रुपये देने से मना किया, तो उनका ऐप अकाउंट ब्लॉक कर दिया गया, व्हाट्सऐप ग्रुप से हटा दिया गया और दिखाया जा रहा पूरा मुनाफा भी गायब हो गया। शिकायतकर्ता ने बताया कि इस तरह उनसे 75.64 लाख रुपये की ठगी की गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि साइबर अपराध पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि किन-किन खातों में रकम अंतरित की गई। उन्होंने बताया कि संदिग्ध खातों में लेन-देन पर रोक लगाई जाएगी।

निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए यमुना सिटी के सेक्टरों में चार बिजली उपकेंद्र बनेंगे

ग्रेटर नोएडा। यमुना सिटी के सेक्टर-18, 20 और 24ए में निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए 33/11 और 11/0.415 केवी के चार उपकेंद्र बनेंगे। इसके अलावा मेडिकल डिवाइस पार्क और नई औद्योगिक इकाई के लिए भूमिगत लाइन बिछेगी। इससे उद्योगों में उत्पादन और निवेश को बढ़ावा मिलेगा। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में यमुना सिटी तेजी से विकसित हो रहा है। यहां वर्तमान में 38 औद्योगिक इकाइयों में उत्पादन शुरू हो गया है।

नोएडा एयरपोर्ट से शहर में देशी-विदेशी कई नई इकाइयां निवेश के लिए तैयार हैं। शहर में 220 केवी के बिजलीघर बनकर तैयार हैं, लेकिन सेक्टरों में आपूर्ति के लिए उपकेंद्रों का निर्माण किया जाना है। आवासीय के तौर पर विकसित सेक्टर-18, 20 और 24ए में 30 हजार से ज्यादा आवासीय प्लॉट का आवंटन किया जा चुका है। यहां 1200 से अधिक लोगों को कंप्लीशन दिया जा चुका है। घरों तक बिजली पहुंचाने के लिए इन सेक्टरों के अलग-अलग पॉकेट में विद्युत उपकेंद्र बनाए जाएंगे। इनमें सेक्टर-18 के पाकेट 5ए व सेक्टर-24ए में 33/11 केवी का उपकेंद्र बनेगा। इसके अलावा सेक्टर-18 के पॉकेज 6ए और 6बी और सेक्टर-20 के पॉकेट- ई में 11/0.415 के उपकेंद्र बनेंगे। उपकेंद्रों के निर्माण के लिए टेंडर जारी किए गए हैं।

रोलबॉल स्पर्धा में जिले की टीम तीसरे स्थान पर

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश स्टेट रोलबॉल चैंपियनशिप अंडर-14 में जिले की बालिका वर्ग की टीम तीसरे स्थान पर रही। इसका आयोजन गाजियाबाद स्थित कोलंबिया इंस्टीट्यूट में किया गया। कोच रविकांत ठाकुर ने बताया कि प्रथम सब जूनियर रोलबॉल स्पर्धा एक से तीन मई तक हुई। इसमें 10 मंडलों की टीम ने भाग लिया। अलीगढ़ मंडल की तरफ से खेलते हुए गौतमबुद्ध नगर की बालिका वर्ग की टीम ने तीसरे स्थान पर रही। इसमें सुरभि प्रिया, पावनी बेलानी, इधिका अग्रवाल, गौरंगी कसाना, तन्वी, सारण्य आर्य, आराध्या सिंह, धितिका भारद्वाज,प्रगति सिंह, नियति सिंह, आरायण शर्मा, अहाना सैनी ने हिस्सा लिया।

आपदा से बचाने के लिए ग्रेनो में एनडीआरएफ तैनात होगी

ग्रेटर नोएडा। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम अगले कुछ महीनों में ग्रेटर नोएडा में रहना शुरू कर देगी। टीम के जवानों को आवास उपलब्ध कराने के लिए सेक्टर ओमिक्रोन-1ए की बहुमंजिला ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी में फ्लैटों की मरम्मत का काम चल रहा है। जिले में आपदा की स्थिति में जवान जल्द मौके पर पहुंच जाएंगे। ग्रेटर नोएडा बोर्ड ने एनडीआरएफ के लिए सेक्टर ओमीक्रॉन-1ए स्थित बहुमंजिला इमारत लोहिया आवास में 20 एलआईजी और 10 एमआईजी फ्लैट किराये पर देने की अनुमति प्रदान कर दी है। सभी फ्लैट किराये पर दिए जाएंगे। जवानों को जितना एचआरए मिलता है, उतना जमा करना होगा। इससे आवास की किल्लत दूर होगी। साथ ही आवश्यकता होने पर सामान रखने के लिए भी जमीन उपलब्ध कराई जा सकती है। हालांकि, विभाग की ओर अभी इसकी मांग नहीं की। प्राधिकरण के एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव ने बताया कि एनडीआरएफ को दिए जाने वाले फ्लैटों की मरम्मत का काम चल रहा है।

भाकियू की किसान संगोष्ठी में उमड़ी भीड़ संगठन विस्तार के साथ नई नियुक्तियां

नोएडा। नोएडा के ग्राम इलाहाबास सामुदायिक केंद्र में भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) की किसान संगोष्ठी एवं संगठन विस्तार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सलारपुर स्थित शिव मंदिर और गुर्जर सम्राट मिहिर भोज चौक, सेक्टर-81 मेट्रो स्टेशन से जिलाध्यक्ष अशोक भाटी के नेतृत्व में ट्रैक्टरों के काफिले के साथ हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेंद्र प्रधान ने की, जबकि संचालन महेश खटाना ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुभाष चौधरी, जिलाध्यक्ष अशोक भाटी, विकास गुर्जर, श्रीपाल कसाना, सुभाष भाटी और रविंद्र भगत सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

हजारों किसानों की भीड़ को देखते हुए प्रशासन भी सतर्क नजर आया। मौके पर एडिशनल डीसीपी नोएडा आरके गौतम, थाना फेस-2 प्रभारी राघवेंद्र सिंह, चौकी प्रभारी विकास सिंह, एलआईयू टीम और पीएसी बल तैनात रहा। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुभाष चौधरी ने पुलिस प्रशासन

से वार्ता करते हुए स्पष्ट किया कि यह आंदोलन नहीं बल्कि किसानों की समस्याओं पर चर्चा के लिए आयोजित संगोष्ठी है। उन्होंने कहा कि यदि किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आगे पंचायत की जाएगी। वहीं जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने किसानों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्राधिकरण से वार्ता कर निस्तारण कराया जाएगा।

संगठन विस्तार अभियान के तहत करीब 100 लोगों ने भाकियू की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान अनिल खारी को जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। नए सदस्यों को टोपी, माला और सदस्यता पर्ची देकर संगठन में शामिल किया गया।

जरूरतमंद बच्चों को पुस्तकें दीं

ग्रेटर नोएडा। उम्मीद संस्था ने सदस्यता अभियान के अंतर्गत शिक्षा सभी का अधिकार विषय पर दुजाना गांव में जागरुकता गोष्ठी की। इस अवसर पर 20 जरूरतमंद बच्चों को उनके कोर्स की पुस्तकें निशुल्क उपलब्ध कराई गई। संस्था के संस्थापक डॉ. देवेंद्र कुमार नागर ने कहा कि शिक्षा हर बच्चे का मूल अधिकार है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति का यह कर्तव्य है कि कोई भी बच्चा इससे वंचित न रहे। इस अवसर पर गांव बमबावड निवासी डॉ. अरुण नागर को उम्मीद संस्था की सदस्यता प्रदान कर पगड़ी बांधकर सम्मानित किया गया।

मोबाइल टावर उपकरण चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

नोएडा। थाने की सेक्टर-113 पुलिस और क्राइम रिस्पांस टीम ने मोबाइल टावरों से महंगे उपकरण चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो आरआरयू मशीनें, दो चाकू और बाइक बरामद की। आरोपी दो वर्षों से चोरी कर रहे थे। पूछताछ में उन्होंने अपने दो और साथियों के नाम बताए। एसीपी राकेश प्रताप सिंह ने बताया कि थाने की टीम शनिवार को सेक्टर-122 कट के पास चेकिंग कर रही थी।

इस दौरान संदिग्ध हालत में दो युवकों को रोका गया। पूछताछ और तलाशी के दौरान उनके पास से मोबाइल टावरों से चोरी की गई आरआरयू मशीनें बरामद हुईं। इसके साथ ही दोनों के पास चाकू भी मिले, जिससे स्पष्ट हुआ कि वे आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय हैं और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए हथियार साथ रखते थे। बदमाशों की पहचान अमरोहा निवासी 24 वर्षीय इमरान और गाजियाबाद के निवाड़ी निवासी 21 वर्षीय दीपांशु के रूप में हुई। पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपी सुनसान स्थानों और ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में लगे मोबाइल टावरों को निशाना बनाते थे। वे विशेष रूप से उन टावरों को चुनते, जहां सुरक्षा व्यवस्था कमजोर होती या निगरानी कम रहती।

दोनों रात के समय या कम आवाजाही वाले समय में टावरों पर लगे आरआरयू जैसे महंगे उपकरण चोरी कर लेते। इसके बाद चोरी किए गए सामान को दिल्ली के कबाड़ी बाजार में बेच देते। बरामद की गई दोनों आरआरयू मशीनें भी आरोपियों ने दो से तीन दिन पहले ही अलग-अलग स्थानों से चोरी की थीं। जब वे इसे बेचने जा रहे थे, तभी पुलिस के हत्थे चढ़ गए।

विश्व हास्य दिवस पर जेवीसीसी लॉन में गूंजे ठहाके, तनावमुक्त जीवन का दिया संदेश

नोएडा। सेक्टर-21 स्थित जेवीसीसी लॉन में विश्व हास्य दिवस बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में 550 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर हँसी योग, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और स्वास्थ्य जागरूकता गतिविधियों का आनंद लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सर गंगाराम अस्पताल, दिल्ली के अध्यक्ष डॉ. अजय स्वरूप रहे। आयोजन की शुरुआत पारंपरिक शंख ध्वनि से हुई, जिसके बाद इंडियन नेवी से सेवानिवृत्त कमोडोर अशोक साहनी ने 20 मिनट का हास्य योग सत्र कराया।

हर वर्ष मई के पहले रविवार को मनाए जाने वाले 'वर्ल्ड लाफ्टर डे' का उद्देश्य लोगों को तनाव और अवसाद से दूर कर मुस्कुराने के लिए प्रेरित करना है। इसी उद्देश्य के साथ नोएडा के जल-वायु विहार स्थित लाफ्टर क्लब पिछले कई वर्षों से लोगों के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा भरने का कार्य कर रहा है। कमांडर नरेंद्र महाजन (सेवानिवृत्त) ने बताया कि वर्ष 2014 में 10-15 सदस्यों से शुरू हुआ यह क्लब आज सैकड़ों लोगों का परिवार बन चुका है। विश्व हास्य दिवस के अवसर पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और ठहाकों के साथ तनावमुक्त जीवन का संदेश दिया। क्लब की सदस्य किरन बुद्धिराजा ने बताया कि हँसी उनके लिए तनाव दूर करने का सबसे बड़ा माध्यम बनी है। वहीं सदस्य ज्ञान आदित्य ने कहा कि लाफ्टर क्लब से जुड़ने के बाद उनकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में काफी सुधार हुआ है। कमोडोर अशोक साहनी ने कहा कि बड़े होने के साथ लोग हँसना भूल जाते हैं, जबकि स्वस्थ रहने के लिए हँसी उतनी ही जरूरी है जितनी सांस लेना। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिक शोधों में यह सिद्ध हो चुका है कि शरीर नकली और असली हँसी में फर्क नहीं कर पाता और दोनों से समान लाभ मिलते हैं। कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षणों में ग्रेडिएंट लाफ्टर, बॉलीवुड लाफ्टर डांस, आभार गीत प्रस्तुति तथा जेएलसी सदस्यों और साई स्कूल के छात्रों की रंगारंग प्रस्तुतियां शामिल रहीं। इस अवसर पर डॉ. अजय स्वरूप ने "विश्व हास्य दिवस 2026" ब्रोशर का विमोचन भी किया।

ब्रोशर में क्लब की गतिविधियों और सदस्यों के अनुभवों का संकलन प्रस्तुत किया गया है। इसे कमांडर नरेंद्र महाजन ने प्रबंध संपादक के रूप में तैयार किया, जबकि बीबी मेनन और नेहा ने संपादन में सहयोग दिया। स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम के तहत सर गंगाराम अस्पताल के उपाध्यक्ष डॉ. तरुण तनेजा ने मोटापा और स्वस्थ जीवनशैली पर व्याख्यान दिया। अस्पताल की टीम ने निःशुल्क स्वास्थ्य जांच के साथ आहार एवं पोषण संबंधी परामर्श भी उपलब्ध कराया।

विवेक विहार अग्निकांड: बंद छत, लोहे की ग्रिल और धुएं के बीच बुझ गई नौ जिंदगियां

नई दिल्ली। दिल्ली के विवेक विहार में रविवार तड़के जो हुआ, उसने राजधानी को भीतर तक हिला दिया। रात की खामोशी में अचानक उठी चीखें, धुएं से भरी सीढ़ियां, खिड़कियों से मदद के लिए पुकारते लोग और कुछ ही मिनटों में आग की लपटों में बदलती चार मंजिला इमारत यह मंजर इतना भयावह था कि जिसने भी देखा, सिहर उठा। इस अग्निकांड में डेढ़ साल के मासूम समेत नौ लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि 12 लोग गंभीर रूप से झुलस गए।

पुलिस अधिकारी के अनुसार हादसा सुबह करीब 3:47 बजे हुआ, जब विवेक विहार फेस-1 स्थित बी-13 नंबर की चार मंजिला इमारत की दूसरी मंजिल पर लगे एसी में कथित शॉर्ट सर्किट के बाद धमाका हुआ और आग भड़क उठी। कुछ ही मिनटों में लपटों ने पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय लोगों ने दमकल विभाग को सूचना दी, जिसके बाद 14 फायर टेंडर और दिल्ली पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। यह बिल्डिंग बाहर से जितनी सामान्य दिख रही थी, अंदर उतनी ही खतरनाक साबित हुई। कुल आठ फ्लैटों वाली इस इमारत में हर मंजिल पर दो फ्लैट थे, लेकिन बाहर निकलने के लिए सिर्फ एक संकरी सीढ़ी और एक लिफ्ट थी। आग लगते ही बिजली गुल हो गई और लिफ्ट बंद पड़ गई। धुआं और लपटें सीढ़ियों में भर गईं, जिससे लोगों के लिए बाहर निकलना लगभग असंभव हो गया।

कई फ्लैटों में लगी लोहे की ग्रिल मौत का फंदा बन गई। लोग चाहकर भी खिड़की या बालकनी से बाहर नहीं निकल सके। सबसे भयावह स्थिति तब बनी जब जान बचाने के लिए कई लोग छत की ओर भागे, लेकिन वहां पहुंचकर पता चला कि छत का दरवाजा बंद है। यह बंद दरवाजा उन लोगों के लिए मौत की दीवार साबित हुआ, जो ऊपर जाकर अपनी जान बचाना चाहते थे। बाद में दमकलकर्मियों को तीसरी मंजिल की सीढ़ियों के पास से तीन शव मिले, जो इसी बंद दरवाजे के पास पड़े थे। दमकल विभाग के अनुसार, एक शव पहली मंजिल से, पांच शव दूसरी मंजिल से और तीन शव तीसरी मंजिल की सीढ़ियों के पास से बरामद किए गए। मृतकों में दो महिलाएं, एक बच्चा और छह पुरुष शामिल हैं। हादसे में जिन लोगों की जान गई। उनमें दूसरी मंजिल पर रहने वाले अरविंद जैन, उनकी पत्नी अनीता जैन, पुत्र निशांत जैन, बहू अंचल जैन और मासूम आकाश जैन शामिल हैं। पहली मंजिल की निवासी शिखा जैन भी आग की चपेट में आकर दम तोड़ गईं। वहीं तीसरी मंजिल पर रहने वाले नितिन जैन, उनकी पत्नी शैले जैन और पुत्र सम्यक जैन की भी इस हादसे में मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक अरविंद जैन पेशे से फाइनेंसर थे, उनकी पत्नी गृहिणी थीं और बेटा निशांत जैन कंपनी सेक्रेटरी के रूप में कार्यरत था। एक ही परिवार के कई सदस्यों की मौत ने पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया है।

इस त्रासदी के बीच कुछ ऐसे पल भी सामने आए, जो इंसानियत और बहादुरी की मिसाल बन गए। इमारत के अपर ग्राउंड फ्लोर पर रहने वाले मयंक जैन ने बताया कि आग सबसे पहले दूसरी मंजिल पर लगी। "करीब 3:15 बजे निशांत जैन आग के बीच से भागते हुए हमारे दरवाजे तक पहुंचे। उन्होंने जोर-जोर से बेल बजाई और दरवाजा पीटकर हमें जगाया। अगर वह हमें नहीं जगाते तो शायद हम भी नहीं बचते।" मयंक ने बताया कि परिवार के नीचे आते ही सभी लोग मिलकर ऊपर फंसे लोगों को बचाने में जुट गए। "हमने नीचे गद्दे बिछाए और ऊपर से कूद रही दो बच्चियों को पकड़कर उनकी जान बचाई। पुलिस, दमकल और स्थानीय लोगों ने मिलकर 15 से ज्यादा लोगों को बाहर निकाला।" मंयक के उनके अनुसार, आग इतनी तेजी से फैली कि दूसरी मंजिल से शुरू होकर कुछ ही देर में चौथी मंजिल तक पहुंच गई। हालांकि अपर ग्राउंड फ्लोर तक आग नहीं पहुंची, जिससे वहां रहने वाले लोगों की जान बच गई। दमकल कर्मियों को रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान कई फ्लैटों की ग्रिल काटनी पड़ी। धुएं और गर्मी के कारण अंदर जाना बेहद मुश्किल था, लेकिन टीमों ने घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और लोगों को बाहर निकाला। कई घायल अभी भी अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं। अब इस हादसे के बाद कई गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। क्या इमारत में पर्याप्त फायर सेफ्टी इंतजाम थे? क्या बिल्डिंग निर्माण नियमों का पालन किया गया था? अगर छत का दरवाजा खुला होता, तो क्या कई जानें बच सकती थीं? क्या लोहे की ग्रिल लगाना सुरक्षा नहीं, बल्कि मौत का कारण बन गया? प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। दमकल विभाग, नगर निगम और पुलिस संयुक्त रूप से यह पता लगा रहे हैं कि बिल्डिंग में अग्निशमन के जरूरी इंतजाम मौजूद थे या नहीं, और निर्माण के दौरान किसी नियम का उल्लंघन तो नहीं हुआ। वहीं जांच और जवाबदेही से इतर, विवेक विहार की गलियों में मातम पसरा है।

नौ लोगों की मौत पर केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह और हर्ष मल्होत्रा ने जताया शोक

नई दिल्ली। दिल्ली के विवेक विहार इलाके में रविवार तड़के एक चार मंजिला रिहायशी इमारत में भीषण आग लगने से नौ लोगों की मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और कॉर्पोरेट मामलों के राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने गहरा दुख व्यक्त किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, "दिल्ली के विवेक विहार में हुए भीषण अग्निकांड में जानमाल की हानि से मैं अत्यंत व्यथित हूं। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। साथ ही, मैं इस हादसे में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।" वहीं, केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने जानकारी दी कि हादसे में मामूली रूप से घायल लोगों का इलाज जारी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी घायलों को आज शाम तक अस्पताल से छुट्टी मिल सकती है।

दिल्ली के उपराज्यपाल ने अग्निकांड पीड़ितों को जल्द राहत पहुंचाने का निर्देश दिया

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने विवेक विहार अग्निकांड पीड़ितों के परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करते हुए जल्द राहत पहुंचाने का निर्देश दिया। उल्लेखनीय है कि रविवार तड़के विवेक विहार में एक इमारत में आग लगने नौ लोगों की मौत हो गई है। उपराज्यपाल ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि इस अग्निकांड से उनका मन अत्यंत व्यथित है। उन्होंने इस अग्निकांड में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति संवेदनाएं जताई। उपराज्यपाल ने अधिकारियों को घायलों को आवश्यक चिकित्सा सहायता प्रदान करने और प्रभावित लोगों को तत्काल राहत और सहायता पहुंचाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली अग्निशमन सेवा के कर्मी और आपातकालीन दल स्थिति को संभालने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। उपराज्यपाल ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने और शोक संतप्त परिवारों को इस कठिन समय में शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

मृतकों के परिजनों से मिले दिल्ली भाजपा अध्यक्ष

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने विवेक विहार अग्निकांड के मृतकों के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए हादसे पर दुख जताया और कहा कि यह बेहद दुखद घटना है। सचदेवा ने कहा कि अभी प्राप्त जानकारी के मुताबिक, एसी में विस्फोट के बाद इमारत में आग लगने की बात सामने आ रही है। पुलिस को सुबह 3:45 बजे पहली सूचना मिली और करीब 3:52 बजे दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि करीब 14 दमकल गाड़ियां आग बुझाने में जुटीं और 20 लोगों की जान बचाई गई, जबकि 9 लोगों की मौत हो गई। सचदेवा ने बताया उन्होंने मृतकों के परिजनों से मुलाकात की और दृश्य बेहद मार्मिक है। मामले की जांच की जाएगी। पुलिस का कहना है कि एक डिलीवरी बॉय ने एसी में चिंगारी देखी, जिसके कारण यह घटना घटी इसके अलावा मृतकों के परिजनों से भी यही बात कह रहे हैं।

नशे की लत पूरी करने को करता था चोरी-झपटमारी, गांजा व चोरी की बाइक सहित दबोचा आरोपित

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के मधु विहार थाना पुलिस ने नशा तस्करी और सड़क अपराधों के खिलाफ अभियान के तहत एक युवक को गांजा और चोरी की मोटरसाइकिल समेत गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान कल्याणपुरी निवासी 22 वर्षीय शिवा उर्फ जीवा के रूप में हुई है। उसके कब्जे से 50.88 ग्राम गांजा तथा चोरी की एक होंडा शाइन मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, 30 अप्रैल को कांस्टेबल परमोद और कांस्टेबल वीरेंद्र क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान आईपी एक्सटेंशन स्थित मेयो पब्लिक स्कूल के पास उत्सव ग्राउंड के निकट एक युवक संदिग्ध हालत में दिखाई दिया। पुलिस को देखकर वह घबराने लगा, जिस पर उसे रोककर तलाशी ली गई। तलाशी में उसके पास से पॉलिथीन में रखा गांजा बरामद हुआ। इलेक्ट्रॉनिक मशीन से तौलने पर इसकी मात्रा 50.88 ग्राम निकली। जांच में पता चला कि आरोपित जिस मोटरसाइकिल पर सवार था, वह बिना नंबर प्लेट की चोरी की होंडा शाइन है, जो रानी बाग थाने में दर्ज वाहन चोरी के एक मामले से संबंधित निकली। पुलिस ने बाइक को भी जब्त कर लिया। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि वह गांजा और स्मैक का आदी है तथा नशे की जरूरत पूरी करने के लिए चोरी और झपटमारी की वारदात करता है। उसने करीब नौ महीने पहले रानी बाग इलाके से यह मोटरसाइकिल चोरी की थी और उसी का इस्तेमाल आवाजाही के लिए कर रहा था। उसने यह भी बताया कि वह गाजीपुर लैंडफिल के पास एक स्थानीय सप्लायर से गांजा खरीदता था। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मधु विहार थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही चोरी की बाइक बरामद होने के संबंध में अलग से कानूनी कार्रवाई की गई है। पुलिस अब गांजा सप्लाई करने वाले नेटवर्क और आरोपित के अन्य साथियों की तलाश कर रही है।

दिल्ली पुलिस ने 26 साल पुराना हत्या का केस सुलझाया, मुख्य आरोपी बिहार से गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के मुखर्जी नगर इलाके में करीब 26 साल पुराने एक सनसनीखेज मर्डर-कम-लूट केस का आखिरकार खुलासा हो गया है। यह मामला इतना पुराना था कि कई लोग मान चुके थे कि अब शायद इसका कोई सुराग नहीं मिलेगा, लेकिन पुलिस की लगातार कोशिशों और तकनीकी जांच के चलते मुख्य आरोपी को बिहार से गिरफ्तार कर लिया गया। यह मामला साल 2000 में दर्ज हुआ था, जब एक महिला की बेरहमी से हत्या और लाखों रुपये की लूट की वारदात सामने आई थी। इस केस में आरोपी नरेश मुखिया उर्फ नागेश्वर मुखिया लंबे समय से फरार था और अदालत ने उसे पहले ही 'घोषित अपराधी' घोषित कर दिया था। घटना उस समय की है जब नरेश मुखिया दिल्ली में एक मकान में काम करता था। उसी बिल्डिंग में दूसरी मंजिल पर एक परिवार रहता था, जहां महिला आशा छाबड़ा रहती थीं। बताया जाता है कि आरोपी को यह जानकारी मिली थी कि महिला ने घर बेचकर करीब 35-40 लाख रुपये कैश अपने घर में रखा हुआ है। इसके बाद उसने अपने साथियों के साथ मिलकर लूट की योजना

बनाई। एक दिन जनवरी के महीने में वे सभी मौके पर पहुंचे। उस वक्त घर का दरवाजा खुला हुआ था। आरोपी चुपचाप अंदर घुस गया और अलमारी खोलने लगा। तभी महिला अचानक वहां आ गईं और शोर मचा दिया। इसी दौरान आरोपियों ने मिलकर महिला को पकड़ लिया और फोन के तार से गला घोंटकर उनकी हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी और उसके साथी अलमारी से करीब 8 लाख रुपये और अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गए। इसके बाद यह मामला सालों तक अनसुलझा रहा। पुलिस ने कई बार जांच की कोशिश की, लेकिन आरोपी लगातार अपनी लोकेशन बदलता रहा। कभी वह सिलिगुड़ी में रहा, फिर कोलकाता में कुछ साल गुजारे, उसके बाद अहमदाबाद में लंबे समय तक रहा और बाद में बिहार के समस्तीपुर जिले में वापस आ गया। हाल ही में पुलिस की एक विशेष टीम, जिसका नेतृत्व इंस्पेक्टर पुखराज सिंह कर रहे थे, ने इस पुराने केस को फिर से खंगालना शुरू किया। एएसआई प्रदीप और हेड कांस्टेबल नरेंद्र की सूचना के आधार पर टीम ने तकनीकी सर्विलांस और लोकल इंटेलिजेंस की मदद से आरोपी की लोकेशन ट्रेस की। इसके बाद 2 मई 2026 को एक संयुक्त टीम बनाई गई, जिसमें एसआई निरंजन, एएसआई पवन, हेड कांस्टेबल सचिन, मुकेश, विक्रांत और कांस्टेबल मनोज शामिल थे। टीम ने बिहार के समस्तीपुर जिले के सिंधिया थाना क्षेत्र के ममूरपुर गांव में छापा मारा और आरोपी को सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के समय आरोपी एक साधारण जीवन जी रहा था। वह पहले मजदूरी करता था और पिछले कुछ समय से अपने गांव में छोटी सी किराना दुकान चला रहा था। जांच में यह भी सामने आया कि वह शराब का आदी था और पिछले कई सालों में उसने अपनी पहचान बदलने की पूरी कोशिश की ताकि पुलिस उसे पकड़ न सके।

फर्जी निवेश ऐप से रिटायर्ड अफसर से 45 लाख की ठगी, बैंक अधिकारी समेत 3 गिरफ्तार

नई दिल्ली। शेयर बाजार में मोटा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर रिटायर्ड सरकारी अधिकारी से 45.33 लाख रुपये की ठगी करने वाले निवेश धोखाधड़ी गिरोह का दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने उत्तराखंड के उधम सिंह नगर से बैंक अधिकारी समेत तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब तक कुल पांच आरोपितों की गिरफ्तारी हो चुकी है। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त आदित्य गौतम ने रविवार को बताया कि पीड़ित रिटायर्ड सरकारी अधिकारी को आरोपितों ने शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर एक फर्जी मोबाइल एप डाउनलोड कराया था, जिसे असली ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म जैसा दिखने के लिए तैयार किया गया था। एप के जरिये अधिक और सुनिश्चित रिटर्न का झांसा देकर उनसे 45.33 लाख रुपये विभिन्न खातों में ट्रांसफर करा लिए गए। जांच के दौरान साइबर सेल ने तकनीकी निगरानी और बैंक ट्रांजैक्शन के विश्लेषण के आधार पर दो आरोपितों की पहचान की। पूछताछ में उनकी निशानदेही पर एक बैंक अधिकारी को भी गिरफ्तार किया गया, जो गिरोह की गतिविधियों में सक्रिय सहयोग कर रहा था। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान उधम सिंह नगर निवासी 25 वर्षीय कपिल, 26 वर्षीय मनोज शर्मा और 24 वर्षीय कमल पांडे के रूप में हुई है। कमल पांडे एक बैंक में सहायक प्रबंधक के पद पर

कार्यरत है। पुलिस उपायुक्त के अनुसार पुलिस जांच में सामने आया है कि कपिल और मनोज अपने बैंक खातों को म्यूल अकाउंट के रूप में इस्तेमाल करने देते थे। ठगी की रकम इन खातों में आते ही उसी दिन चेक के माध्यम से निकाल ली जाती थी। वहीं बैंक अधिकारी कमल पांडे फर्जी खातों को खुलवाने, लेनदेन की गोपनीय जानकारी उपलब्ध कराने तथा बैंक परिसर में नकदी निकासी में मदद करता था। पुलिस के मुताबिक, गिरोह खुद को प्रतिष्ठित निवेश कंपनियों का प्रतिनिधि बताकर लोगों को आईपीओ और शेयर बाजार में निवेश का लालच देता था। इसके लिए पेशेवर तरीके से डिजाइन की गई फर्जी वेबसाइट और मोबाइल एप का इस्तेमाल किया जाता था, ताकि पीड़ितों को प्लेटफॉर्म वास्तविक लगे।

सत्ता का दुरुपयोग कर हुई प्राथमिकी, आधिकारिक जानकारी मिलने पर देंगे जवाब : संदीप पाठक

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी छोड़ भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए राज्यसभा सांसद संदीप पाठक ने रविवार को कहा कि पंजाब में सत्ता का दुरुपयोग कर उनके खिलाफ प्राथमिक की दर्ज की गई है और आधिकारिक एवं अन्य माध्यम से जानकारी मिलने पर वे उपयुक्त उत्तर दे पाएंगे। सांसद संदीप पाठक ने अपने आवास के बाहर पंजाब में उनके खिलाफ दर्ज दो प्राथमिकी के बारे में मीडिया से बातचीत की। कल पंजाब पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने उनके आवास पर पहुंची थी और वह अपना आवास छोड़ कर कहीं चले गए थे। आज उन्होंने अपने आवास पर दिल्ली पुलिस की मौजूदगी में अपनी बातचीत रखी। पाठक ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कल से न्यूज़ चैनल उनके खिलाफ पंजाब में दो प्राथमिकी दर्ज होने की खबरें चला रहे हैं। इसके बारे में अभी तक उनके पास औपचारिक और अनौपचारिक दोनों रूप से कोई

जानकारी उपलब्ध नहीं है। हो सकता है कि सत्ता का दुरुपयोग कर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई हों। उनकी जानकारी मिलने पर वह इस बारे में स्पष्ट उत्तर दे पाएंगे। इसके साथ ही पाठक ने अपने साफ-सुथरे राजनीतिक कैरियर का उल्लेख किया और कहा कि आम आदमी पार्टी में वे नीति और धर्म के अनुसार काम करते रहे और अब भारतीय जनता पार्टी में भी इसी तरह काम करेंगे। उनके लिए राजनीति में सफलता और असफलता बल्कि उनका राजनीतिक धर्म ज्यादा महत्व रखता है। पाठक ने कहा कि आम आदमी पार्टी उन्होंने व्यक्तिगत नहीं बल्कि सैद्धांतिक और कार्यशैली कारणों से छोड़ी थी।

दिल्ली सरकार लाई ट्रैफिक चालान निपटारे की नई व्यवस्था

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि अब ट्रैफिक चालान निपटाने के लिए सरकार एक नई, तय समय में पूरी होने वाली और व्यवस्थित प्रक्रिया शुरू कर रही है। सड़कों पर अब लापरवाही और नियमों की अनदेखी के लिए कोई जगह नहीं बचेगी। नई व्यवस्था के तहत ट्रैफिक चालान से बचना अब संभव नहीं होगा और तय समय में उसका निपटारा करना हर नागरिक के लिए जरूरी होगा। यह कदम सड़क सुरक्षा बढ़ाने, अनुशासन लाने और डिजिटल पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा बदलाव है। नए नियमों के अनुसार चालान को चुनौती देने के लिए सीधे कोर्ट का दरवाजा नहीं खटखटाया जा सकेगा। दिल्ली सरकार ने रविवार को विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय मोटर वाहन नियम 1989 में किए गए संशोधनों को जल्द लागू करने जा रही है। अब चालान की पूरी प्रक्रिया को अधिक सख्त, पारदर्शी और डिजिटल बनाया गया है। नई व्यवस्था के तहत अब अगर कोई व्यक्ति एक वर्ष के भीतर 5 या उससे अधिक बार ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करता है तो उसे गंभीर श्रेणी में माना जाएगा। संशोधित नियमों के अनुसार यदि कोई व्यक्ति

एक वर्ष में पांच या उससे अधिक ट्रैफिक उल्लंघन करता है तो यह उसके ड्राइविंग लाइसेंस के निलंबन या अयोग्यता के लिए आधार बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब चालान जारी करने की प्रक्रिया पूरी तरह आधुनिक होगी। पुलिस अधिकारी या अधिकृत अधिकारी चालान को फिजिकल या इलेक्ट्रॉनिक दोनों रूपों में जारी कर सकेंगे। साथ ही, इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली यानी कैमरों और डिजिटल सिस्टम के माध्यम से चालान स्वतः भी जनरेट किए जा सकेंगे। जिनका चालान कटा है और उनका मोबाइल नंबर विभाग के पास है, उन्हें ऑनलाइन चालान तीन दिनों के भीतर और फिजिकल नोटिस 15 दिनों के भीतर संबंधित व्यक्ति तक पहुंचा दिए जाएंगे। सभी चालानों का रिकॉर्ड ऑनलाइन पोर्टल पर क्रमवार दर्ज किया जाएगा, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रहेगी। विभाग की सभी वाहन चालकों को सलाह है कि वे अपने लाइसेंस और आरसी पर अपना मोबाइल नंबर और घर का पता दुरस्त करवा लें, वरना उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। मुख्यमंत्री ने बताया कि चालान मिलने के बाद व्यक्ति के पास 45 दिनों का समय होगा। इस अवधि में वह या तो चालान का भुगतान कर सकता है या फिर पोर्टल पर दस्तावेजी साक्ष्यों के साथ शिकायत निवारण अधिकारी के सामने उसे चुनौती दे सकता है। अगर 45 दिनों के भीतर कोई कार्रवाई नहीं की जाती तो चालान स्वतः स्वीकार माना जाएगा। ऐसी स्थिति में व्यक्ति को अगले 30 दिनों के भीतर भुगतान करना अनिवार्य होगा अगर प्राधिकरण द्वारा चुनौती खारिज कर दी जाती है तो व्यक्ति के पास दो विकल्प होंगे, या तो वह 30 दिनों के भीतर चालान भर दे या फिर चालान की राशि का 50 प्रतिशत जमा कर न्यायालय में मामला ले जाए। अगर इस समय सीमा में वह कार्रवाई नहीं करता है तो चालान स्वीकार माना जाएगा और उसे 15 दिन के भीतर भुगतान करना होगा। उसके पास इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से भुगतान का विकल्प होगा। नई व्यवस्था के तहत 30 दिन के भीतर शिकायत निवारण अधिकारी पोर्टल पर अपना आदेश अपलोड करेगा। यह अनिवार्य है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि इसके अलावा, समय सीमा पार होने के बाद हर दिन इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से नोटिस भेजे जाएंगे। अगर चालान का भुगतान नहीं किया जाता है तो संबंधित व्यक्ति के सरकार को वाहन संबंधी टैक्स देने के अलावा ड्राइविंग लाइसेंस या वाहन पंजीकरण से जुड़े सभी कार्य रोक दिए जाएंगे। वाहन को पोर्टल पर 'नॉट टू बी ट्रांजैक्टेड' के रूप में चिन्हित कर दिया जाएगा, जिससे वह किसी भी प्रकार की प्रक्रिया में इस्तेमाल नहीं हो सकेगा, जब तक चालान का भुगतान नहीं किया जाता।

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि आवश्यक होने पर, न्यायालय के आदेश के अधीन पुलिस या अधिकृत अधिकारी नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन को जब्त भी कर सकते हैं। अब सभी चालान वाहन के रजिस्टर्ड मालिक के नाम पर जारी किए जाएंगे और इसके साथ एसएमएस, ईमेल या अन्य माध्यमों से अपराध की सूचना भी दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह नई प्रणाली पूरी तरह डिजिटल, समयबद्ध और जवाबदेही तय करने वाली है।

संपादकीय

लापरवाही के लिए जिम्मेदार कौन

जबलपुर में बरगी बांध में एक क्रूज के डूबने से कुल 13 पर्यटकों की मौत हो गई। हालांकि पहले दिन केवल 9 लोगों के मरने की सूचना मिली थी। इसके लिए जिम्मेदार महकमों और प्रशासन ने इसे हादसा बताया। लेकिन इसे हादसे की संज्ञा देना उचित नहीं है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि पर्याप्त सतर्कता बरती गई होती तो जनहानि से बचा जा सकता था। बताया गया कि यह क्रूज आंधी आने से असंतुलित हो गया था। इसकी वजह से वह डूबा। यहां यह सवाल जरूर उठेगा कि खराब मौसम की सूचना के बाद भी क्रूज का संचालन क्यों किया गया। इससे अलावा दूसरा प्रश्न यह भी है कि क्रूज की सुरक्षा के न्यूनतम उपाय भी क्यों नहीं किए गए थे। बताया गया कि क्रूज में लाइफ जैकेट होते हुए भी पर्यटकों को पहनने के लिए निर्देशित ही नहीं किया गया। हादसे के दौरान क्रूज पर मौजूद रहे लोगों की मानें तो लाइफ जैकेट तब दी गईं, जब क्रूज डूबने लगा। यहां यह बात साफ हो जाती है कि अफरातफरी के माहौल में लोगों ने लाइफ जैकेट नहीं पहना। बाकी जिन लोगों ने जैकेट पहनने की कोशिश की वह ठीक ढंग से पहन नहीं पाए। इसका प्रमाण क्रूज पर ही बचाव दले के लोगों को मिला। घटनास्थल पर पहुंचे बचाव दल को लाइफ जैकेट एक बंडल में बंधे मिले। गंभीरता से देखा जाय तो आखिर यह लापरवाही नहीं तो और क्या है। बरगी बांध में डूबा क्रूज का संचालन मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड की ओर से किया जा रहा था। इसलिए संबंधित विभाग को जवाबदेह बनाना होगा। केवल घटना पर शोक जताने या फिर मारे गए लोगों के परिवार वालों को मुआवजा देने की घोषणा मात्र से इस तरह की घटनाएं नहीं रूकने वाली। प्रदेश सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि जबलपुर हादसे के लिए जिम्मेदार लोग किसी भी सूरत में बचने न पाए। प्रदेश सरकार को सभी पर्यटन स्थलों में पर्यटकों की सुरक्षा के पर्याप्त उपाय करने चाहिए। इसकी अनदेखी न की जाए। पर्यटकों की सुरक्षा के मामले में केवल मध्य प्रदेश सरकार को ही नहीं, अन्य राज्य सरकारों को भी सतर्क रहना चाहिए। ऐसे स्थलों में सुरक्षा की कमी के चलते आए दिन दुर्घटनाएं होती ही रहती हैं। अभी कुछ दिन पहले मथुरा में यमुना में स्टीमर के पलटने से पंद्रह श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। इसके अलावा हिमाचल के कुल्लू में पर्यटकों से भरी ट्रैवलर नाले में गिरने से चार लोगों की जान गई थी। खराब सड़कों और खतरनाक ढंग से ड्राइविंग के चलते तो प्रायः ही वाहन खाई में गिरते रहते हैं।वास्तव में अपने देश में कहीं पर कभी भी हादसा होने की आशंका बनी ही रहती है। ऐसा आम तौर पर सुरक्षा उपायों की अनदेखी और सतर्कता के अभाव के चलते होता है। भारत में हर स्तर पर सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर लापरवाही बरतने का सिलसिल हर हाल में रोकना होगा।

भारत: एकात्म चिंतन की जन्मभूमि

ऋग्वेद के एक ऋषि देवताओं के भी पहले का विचार करते हैं कि "देवताओं के पहले युग समय में असत से सत का जन्म हुआ।" (10.72) यह युग विचारणीय है। तब देवता भी नहीं हैं लेकिन 'समय' है। ऋग्वेद में सत का अर्थ व्यक्त है और असत का अव्यक्त। नासदीय सूक्त (10.129) में प्रकृति सृष्टि के सम्बंध में और भी गहन चिन्तन हैं "तब न सत था और न असत। आकाश से परे भी कुछ नहीं था-नो व्योमा परो यत। अंधकार था।" यहां अंधकार प्रकाश का अभाव नहीं है। अंधकार का अस्तित्व है। इसी तरह एक और महत्वपूर्ण अस्तित्व 'वह एक' था। ऋषि के अनुसार वह एक-तत एकं अपनी शक्ति के दम पर वायुहीन दशा में भी प्राण ले रहा था। ऋग्वेद का 'वह एक' सृष्टि के पहले भी है। उस समय जल भी है-अप्रकेत सलिलं। फिर काम उत्पन्न हुआ। इसके बाद प्रकाश की दीप्ति चारों ओर फैल गयी। फिर विसृष्टि हुई।" फिर कहते हैं "क्या पता ऊंचे आकाशें में बैठा सृष्टि का अध्यक्ष सृष्टि रचना की बात जानता है? या वह भी न जानता? यह विवरण रोमांचक है। यहां शुद्ध वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाया गया है।

हृदयनारायण दीक्षित

हम सब सोचते हैं। अनेक प्रश्न उठते हैं। प्रश्न स्वयं को जानने का भी है। संसार और स्वयं का बोध जरूरी है। प्रश्न बड़ा है- कैसे जानें इस असीम संसार को। समझ छोटी अति अल्प और संसार बड़ा। प्रश्न और भी हैं। जैसे सृष्टि क्या है? सृष्टि का कोई निर्माता भी है क्या? यह सृष्टि नहीं थी तो क्या था? जो था वह क्या था? क्या शून्य था? क्या सृष्टि ऊर्जा का खेल है? पृथ्वी जल, अग्नि और आकाश प्रत्यक्ष है। इनका सारभूत क्या हैं? सूर्य चन्द्र और तारागण कहां से प्रकाश पाते हैं? सृष्टि निर्माण का आदि तत्व क्या है? कोई परमतत्व है क्या? क्या एक तत्व से ही यह सृष्टि बनी? या सबका साझा प्रयास यह सृष्टि है? सृष्टि और हमारे सम्बंध क्या हैं? आदि।

आखिरकार अस्तित्व को कैसे जाने? कैसे शांत करें जिज्ञासा को? कठिनाई दूसरी भी है- जितना देखते हैं, उतने का सार तत्व कैसे ग्रहण करें? हमारी जीवन दृष्टि क्या हो? इंटरनेट ने लाखों-करोड़ों सूचनाएं भर दी हैं। किसे छोडें.? किसे पढ़ें? क्या शास्त्र पढें.? पढ़ें तो विवेचन विश्लेषण कैसे करें? जानने के लिए सोचना जरूरी है और सोचने के पहले ठीक से देखना भी। देखने की एक दृष्टि वैदिक पूर्वजों ने दी है। बाद के इतिहास और दर्शन में प्रायः उसी विवेक को आधार बनाया गया है। इस समझ को प्राप्त करने का दुनिया का सबसे पुराना ग्रंथ है ऋग्वेद। भारत के लोगों ने ऋग्वेद की रचना के पहले ही वैज्ञानिक चिन्तन प्रारम्भ कर दिया था। ऋग्वेद में इसी सोच-विचार के दर्शन हैं। चिंतन की यह दृष्टि निर्णयात्मक नहीं है। दर्शन और विज्ञान निर्णयात्मक नहीं होते। जहां तक जान लिया, वहीं रूक जाना उचित नहीं होता।

सामान्य धारणा है कि विश्व किसी शक्ति द्वारा बनाया गया है। सृष्टि निर्माण 'विश्वकर्म' है। सृष्टि निर्माता को विश्वकर्मा कहा गया है। ऋग्वेद के एक दार्शनिक सूक्त (10.81) के

देवता विश्वकर्मा हैं। ऋषि पूछते हैं "सृष्टि निर्माण के पहले वे कहां पर बैठे?" प्रश्न उचित है। जब पृथ्वी, आकाश आदि थे ही नहीं तो विश्वकर्मा ने कहां बैठकर यह सृजन कर्म पूरा किया? पूछते हैं कि "सृष्टि निर्माण का मूल द्रव्य क्या था? वह वन, वृक्ष कौन-सा था? जिससे विश्वकर्मा ने सामग्री ली और विराट विश्व बनाया? यह सब मनीषी लोग जानने का प्रयास करें।" स्तुति है कि "वे विश्वकर्मा मित्र भाव से हमें ज्ञान दें।"

ऋग्वेद के एक ऋषि देवताओं के भी पहले का विचार करते हैं कि "देवताओं के पहले युग समय में असत से सत का जन्म हुआ।" (10.72) यह युग विचारणीय है। तब देवता भी नहीं हैं लेकिन 'समय' है। ऋग्वेद में सत का अर्थ व्यक्त है और असत का अव्यक्त। नासदीय सूक्त (10.129) में प्रकृति सृष्टि के सम्बंध में और भी गहन चिन्तन हैं "तब न सत था और न असत। आकाश से परे भी कुछ नहीं था-नो व्योमा परो यत। अंधकार था।" यहां अंधकार प्रकाश का अभाव नहीं है। अंधकार का अस्तित्व है। इसी तरह एक और महत्वपूर्ण अस्तित्व 'वह एक' था। ऋषि के अनुसार वह एक-तत एकं अपनी शक्ति के दम पर वायुहीन दशा में भी प्राण ले रहा था। ऋग्वेद का 'वह एक' सृष्टि के पहले भी है। उस समय जल भी है-अप्रकेत सलिलं। फिर काम उत्पन्न हुआ। इसके बाद प्रकाश की दीप्ति चारों ओर फैल गयी। फिर विसृष्टि हुई।" फिर कहते हैं "क्या पता ऊंचे आकाशें में बैठा सृष्टि का अध्यक्ष सृष्टि रचना की बात जानता है? या वह भी न जानता? यह विवरण रोमांचक है। यहां शुद्ध वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाया गया है।

क्या अंधकार होता है? या प्रकाश के अभाव का नाम ही अंधकार है। अंधकार सृष्टि के पूर्व भी है। संभवतः आकाश या प्रकाश का सूक्ष्म रूप। 'वह एक' बिना वायु ही प्राण ले रहा था। क्या प्राण का विकास वायु हो सकती है। काम का जन्म भी सृष्टि के साथ हुआ। यह ताप या अग्नि ऊर्जा का सूक्ष्म रूप हो सकता है। सबसे अंत में है-विसृष्टि। विसृष्टि-सृष्टि है, इसमें पृथ्वी भी है। भारतीय चिंतन में आकाश सूक्ष्मतम है। आकाश से वायु, वायु के बाद अग्नि, इसके बाद जल और फिर पृथ्वी। सृष्टि का विकास किसी एक तत्व से हुआ है। यहां आकाश प्रमुख तत्व है। कपिल के सांख्य दर्शन में आकाश प्राचीनतम है। भारतीय चिन्तन के पांच महाभूतों में से प्रथम।

भारतीय दर्शन में असीम आकाश का गुण शब्द है। आकाश का अस्तित्व है। छान्दोग्य उपनिषद् के अनुसार "सभी भूत आकाश से पैदा होते हैं और आकाश में ही विलीन हो जाते हैं।" आकाश से आना और आकाश में ही लौटना विचारणीय है। ऋग्वेद में ठीक ही आकाश पिता है। ऋग्वेद के पुरूष सूक्त में 'पुरूष' का वर्णन है। यह 'पुरूष' देश-काल की सीमा का अतिक्रमण करता है। उसका सिर आकाश है और सहस्त्रशीर्षा है। इस पुरूष के प्राण का विस्तार वायु है। पुरूष समूचे अस्तित्व को घेरता है। दश अंगुल इसके बाहर भी हैं। संपूर्ण संसार इसका एक चरण है। इसके तीन चरण अन्य लोकों में हैं। यहां जो कुछ चेतन या अचेतन मनुष्य, पशु, कीट, पतिंग, नदी, समुद्र या वन है। पुरूष सब में व्याप्त है। यहां तक हुआ दिक या दिशा का अतिक्रमण। अब काल। बताते हैं कि यह पुरूष ही सब कुछ है-पुरूष एवेदं सर्वं। जो भूतकाल में हो गया है और जो आगे भविष्य में होगा वह सब पुरूष ही है-यद् भूतं यच्च भव्यं।

ऋग्वेद के एक देवता हैं अदिति। अदिति भी सर्वस्व धारण करते हैं। वह अंतरिक्ष है, पृथ्वी हैं। पिता-माता और पुत्र हैं। वे पांच जन हैं। अब तक जो हो चुका है और जो भविष्य में होगा वह सब अदिति ही हैं। समूचे अस्तित्व को एक देखना और स्वयं को उसी का भाग जानना भारतीय चिंतन की मूल भूमि है। यहां अस्तित्व या सृष्टि का कोई निर्माता नहीं। प्रकृति के गोचर प्रपंच गतिशील हैं। सम्यक गति से प्रगति होती है। प्रकृति का वैज्ञानिक अध्ययन भी मूलतः गति का ही अध्ययन है। प्राचीन यूनानी दार्शनिक थेल्स (लगभग 500 ई0पूर्व) जल को सृष्टि का आदि तत्व मानते थे। इसके हजारों वर्ष पहले ऋग्वेद के नासदीय सूक्त में "अप्रकेत सलिल"-जल है। जल से सृष्टि का जन्म हुआ तो जल को माता कहना ही चाहिए।

ऋग्वेद में जल को "बहुवचन रूप में आपः मातरम्-जल माताएं कहा गया है। स्थावर जंगम को जन्म देने वाली यही जल माताएं ही हैं।" थेल्स जल सम्बंधी चिन्तन ऋग्वेद के संगत है। वैसे ऋग्वेद में अनेक विचार हैं। एक यूनानी दार्शनिक अनक्सिमेनेस 'वायु' को सृष्टि का मूल तत्व बताते थे। ऋग्वेद (10.168) में ऋतावा-नियम वायु है। यहां वायु जलों के मित्र कहे गये हैं-अपां सखा। ऋग्वेद के जल और वायु आदि तत्व इसी रूप में उपनिषदों में भी हैं। हिराक्लिटस अग्नि को प्रधान तत्व जानते थे। अग्नि ऋग्वेद के प्रधान देवता हैं। अग्नि सब जगह हैं। वे जलों में हैं। मनुष्य के भीतर हैं। यत्र-तत्र सर्वत्र हैं। कठोपनिषद् में यम ने नचिकेता को अग्नि विज्ञान समझाया था। यहां अग्नि ही प्रत्येक जगह उपस्थित होकर रूप-रूप प्रतिरूप होते हैं-अग्निर्यथैको भुवनं प्रविष्टो रूपं रूपं प्रतिरूपों वभूवाः। जानने और गहराई से देखने-समझने के एकात्म चिंतन की जन्मभूमि भारत ही है।

बारात, संस्कार और बदलता समाज

– डॉ. प्रियंका सौरभ

एक समय था जब बारात का आना केवल एक परिवार का दूसरे परिवार तक पहुँचना नहीं, बल्कि पूरे गाँव का उत्सव माना जाता था। घर-आँगन सजते थे, पंगत लगती थी, गीत गाए जाते थे, बुजुर्ग आशीर्वाद देते थे और मेहमानों की आवभगत को सम्मान का प्रश्न समझा जाता था। आज वही बारात कई जगहों पर समय की घड़ी में इतनी सिमट गई है कि पूरा आयोजन "फटाफट जाओ, गटागट खाओ, सटासट लिफाफा पकड़ाओ और झटाझट वापस आओ" की शैली में बदलता दिखता है।

यह बदलाव केवल खानपान या आयोजन की शैली का नहीं है; यह सामाजिक संबंधों, सामूहिकता और भारतीय विवाह-संस्कृति की आत्मा में आए परिवर्तन का संकेत है। पहले विवाह एक लंबी सामाजिक प्रक्रिया हुआ करती थी, जिसमें रिश्ते बनते थे, पड़ोस जुड़ता था और संस्कार पीढ़ी-दर-पीढ़ी स्थानांतरित होते थे। अब बहुत-सी शादियाँ एक दिन के कार्यक्रम, होटल या गेस्ट हाउस और सीमित औपचारिकताओं में पूरी हो जाती हैं, जिससे परंपरा का विस्तार सिकुड़कर रस्म-अदायगी में बदलने लगा है।

भारतीय विवाह केवल दो व्यक्तियों का निजी समझौता नहीं रहा है; वह हमेशा से परिवार, समुदाय और संस्कृति का साझा आयोजन रहा है। ग्रामीण समाज में बारात का अर्थ था मेहमानों का खुला स्वागत, सामूहिक भोजन, लोकगीत, हँसी-मज़ाक और रिश्तों की गरिमा का सार्वजनिक प्रदर्शन। भोजन का पंगत में परोसा जाना, दूल्हे का पारंपरिक वेश, समधी की पगड़ी, घर के आँगन में बनी अस्थायी सजावट और रात भर का ठहराव—ये सब विवाह को संस्कार बनाते थे, साधारण समारोह नहीं। इसी सामाजिक ढाँचे में मेहमान का मान बढ़ाना, उसे ठहराना, उसकी देखभाल करना और उसके साथ अपनापन बाँटना एक नैतिक कर्तव्य समझा जाता था। बाराती केवल खाने वाले आगंतुक नहीं थे; वे आने वाले नए रिश्ते के प्रतिनिधि थे। इसलिए उनका स्वागत भी उतना ही आत्मीय और विस्तृत होता था जितना स्वयं विवाह का अर्थ। यही कारण है कि पुराने लोग आज की जल्दी-जल्दी निपटने वाली शादियों को देखकर अक्सर कहते हैं—"अब शादी रही कहाँ, बस कार्यक्रम रह गया।" इस भावना में केवल शिकायत नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक सच भी छिपा है। समय बदला है, जीवन-शैली बदली है और विवाहों पर भी उसका असर पड़ा है। शहरीकरण, महँगाई, नौकरीपेशा जीवन, सीमित अवकाश, यातायात और आयोजन-व्यवस्था की नई सुविधाओं ने शादियों को छोटा और नियंत्रित बनाया है। आज कई परिवार बड़े आयोजन के बजाय कम समय में सब कुछ निपटाना चाहते हैं, ताकि मेहमानों पर बोझ न पड़े और मेज़बान पर आर्थिक दबाव भी कम रहे। यह व्यावहारिक दृष्टि है, लेकिन इसके साथ परंपरागत आत्मीयता का कुछ हिस्सा खो भी जाता है। गेस्ट हाउस, बैंक्वेट हॉल, कैटरिंग और तयशुदा टाइम-स्लॉट ने विवाह को अधिक व्यवस्थित तो बनाया है, पर अधिक औपचारिक भी। पहले जहाँ बाराती रुकते थे, अब वे भोजन करके लौट जाते हैं। पहले जहाँ रस्मों के साथ गीत और सामूहिक सहभागिता होती थी, अब कई जगह DJ, फोटो-सत्र और स्टेज-इवेंट मुख्य आकर्षण बन गए हैं। विवाह की जीवंतता बनी रहती है, लेकिन उसकी आत्मीयता कम होने लगती है।

आज की शादी पर सबसे बड़ा दबाव खर्च और प्रदर्शन का है। बहुत-से परिवार संस्कारों से अधिक "लोग क्या कहेंगे" की चिंता में रहते हैं। सजावट, कपड़े, मंच, खाने का मेन्यू, गाड़ियों का काफिला और सोशल मीडिया पर छपने वाली छवि—इन सबके बीच विवाह का मूल संदेश पीछे छूट जाता है। जहाँ पहले सादगी में गरिमा थी, वहाँ अब कई बार भव्यता में खोखलापन दिखाई देता है।

यह प्रवृत्ति केवल शहरी नहीं है; गाँवों में भी इसका असर दिख रहा है। पालकी की जगह लग्जरी कार, पारंपरिक गीतों की जगह तेज़ संगीत और सामूहिक बैठकी की जगह अलग-अलग टेबलों पर भोजन—ये बदलाव अपने-आप में बुरे नहीं हैं। समस्या तब होती है जब सुविधा-संस्कृति, संस्कार-संस्कृति को पूरी तरह विस्थापित कर देती है। तब शादी एक पवित्र मिलन की जगह सामाजिक प्रदर्शन बन जाती है। यही वह बिंदु है जहाँ आधुनिकता उपयोगी होने के बजाय विघटनकारी हो सकती है। विवाह भारतीय परंपरा में केवल उत्सव नहीं, एक संस्कार है। संस्कार का अर्थ है ऐसा आयोजन जो व्यक्ति को नैतिक, पारिवारिक और सामाजिक जीवन से जोड़ता है। जब विवाह केवल मनोरंजन, खानपान और फोटो के लिए रह जाए, तो वह संस्कार की जगह उत्सवी उपभोग में बदल जाता है। इससे नई पीढ़ी को यह संदेश मिलता है कि रिश्तों की गहराई नहीं, उनके आयोजन की चमक अधिक महत्वपूर्ण है। इसी कारण बुज़ुर्ग पीढ़ी को आज की शादियाँ अक्सर अपरिचित लगती हैं। वे कहते हैं कि पहले मेहमान परिवार का हिस्सा बनता था, अब वह सूची में दर्ज एक नाम भर है। पहले शादी में समय लगता था, इसलिए रिश्तों को समझने और निभाने का अवसर मिलता था। अब सब कुछ जल्दी हो जाता है, और जल्दी होने के साथ गहराई भी कम हो जाती है। समाज अगर अपने अनुष्ठानों को केवल औपचारिकता मानने लगे, तो धीरे-धीरे वे अर्थहीन होने लगते हैं। फिर भी इस बदलाव को पूरी तरह नकारना सही नहीं होगा। हर परंपरा को ज्यों-का-त्यों बचाना न संभव है, न हमेशा आवश्यक। समय के साथ कुछ परिवर्तन स्वाभाविक होते हैं। सवाल यह नहीं है कि शादी पहले जैसी ही हो; सवाल यह है कि क्या हम उसमें अपनापन, मर्यादा और सामाजिक संवेदना बचाए रख पा रहे हैं या नहीं। यदि विवाह छोटा हो, लेकिन आत्मीय हो; सरल हो, लेकिन सम्मानपूर्ण हो; आधुनिक हो, लेकिन संस्कारयुक्त हो—तो वही बेहतर संतुलन होगा।

समाज को यह समझना होगा कि शादियों का उद्देश्य केवल रस्म पूरी करना नहीं, बल्कि रिश्तों को जोड़ना, संस्कृति को आगे बढ़ाना और पीढ़ियों के बीच संवाद बनाना है। बच्चों को यह दिखना चाहिए कि विवाह एक सामूहिक मूल्य है, न कि केवल खर्च का आयोजन। घर-आँगन, पंगत, लोकगीत, आशीर्वाद और मेहमाननवाज़ी—ये सब केवल पुरानी बातें नहीं, बल्कि सामाजिक स्मृति के जीवित सूत्र हैं। इसलिए आज की सबसे बड़ी चुनौती शादी को आधुनिक सुविधा और पारंपरिक गरिमा के बीच संतुलित रखना है। न तो हर बारात को पहले की तरह तीन दिन चलाना अनिवार्य है, न ही हर रस्म को भागदौड़ में निपटाना उचित है। विवाह को इतना संक्षिप्त न बनाया जाए कि वह केवल रस्म लगे, और इतना दिखावटी भी न बनाया जाए कि वह संस्कार ही न रहे। असली बात यह है कि बारात आए तो केवल पेट भरकर न जाए, बल्कि रिश्तों में कुछ गर्माहट, कुछ स्मृति और कुछ मानवीयता छोड़ जाए। आज की दुनिया में यही सबसे कठिन, लेकिन सबसे जरूरी काम है—आधुनिकता को अपनाते हुए परंपरा की आत्मा को बचाए रखना। जब शादी में मेहमान केवल भोजन-ग्राहक नहीं, बल्कि परिवार के सम्मानित सहभागी बने रहेंगे, तभी हम कह सकेंगे कि बदलते समय में भी हमारी संस्कृति जीवित है।

विष्णु के अनन्य भक्त हैं नारद मुनि

नारद मुनि हिंदू शास्त्रों के अनुसार ब्रह्मा के सात मानस पुत्रों में से एक माने गए हैं। ये भगवान विष्णु के अनन्य भक्तों में से एक माने जाते हैं। ये स्वयं वैष्णव हैं और वैष्णवों के परमाचार्य तथा मार्गदर्शक हैं। ये प्रत्येक युग में भगवान की भक्ति और उनकी महिमा का विस्तार करते हुए लोक-कल्याण के लिए सर्वदा सर्वत्र विचरण किया करते हैं। भक्ति तथा संकीर्तन के ये आद्य-आचार्य हैं। इनकी वीणा भगवन जप 'महती' के नाम से विख्यात है। उससे 'नारायण-नारायण' की ध्वनि निकलती रहती है। इनकी गति अव्याहत है। ये ब्रह्म-मुहूर्त में सभी जीवों की गति देखते हैं और अजर-अमर हैं। भगवद-भक्ति की स्थापना तथा प्रचार के लिए ही इनका आविर्भाव हुआ है। उन्होंने कठिन तपस्या से ब्रह्मर्षि पद प्राप्त किया है। देवर्षि नारद धर्म के प्रचार तथा लोक-कल्याण के लिए सदैव प्रयत्नशील रहते हैं। इसी कारण सभी युगों में, सब लोकों में, समस्त विद्याओं में, समाज के सभी वर्गों में नारद जी का सदा से प्रवेश रहा है। मात्र देवताओं ने ही नहीं, वरन् दानवों ने भी उन्हें सदैव आदर दिया है। समय-समय पर सभी ने उनसे परामर्श लिया है... खड़ी शिखा, हाथ में वीणा, मुख से नारायण शब्द का जाप, पवन पादुका पर मनचाहे वहां विचरण करने वाले नारद से सभी परिचित हैं। श्रीकृष्ण देवर्षियों में नारद को अपनी विभूति बताते हैं। वैदिक साहित्य, रामायण, महाभारत, पुराण, स्मृतियां, सभी शास्त्रों में कहीं न कहीं नारद का निर्देश निश्चित रूप से होता ही है। ऋग्वेद मंडल में 8-9 के कई सूक्तों के दृष्टा नारद हैं। अथर्ववेद, ऐतरेय ब्राह्मण, मैत्रायणी संहिता आदि में नारद का उल्लेख है। नारद के अगणित कार्य हैं। उन्होंने भृगु कन्या लक्ष्मी का विवाह विष्णु के साथ करवाया। इंद्र को समझा-बुझाकर उर्वशी का पुरुरवा के साथ परिणय सूत्र कराया। महादेव द्वारा जलंधर का विनाश करवाया। कंस को आकाशवाणी का अर्थ समझाया। वाल्मीकि को रामायण की रचना करने की प्रेरणा दी। व्यास जी से भागवत की रचना करवाई। प्रह्लाद और ध्रुव को उपदेश देकर महान् भक्त बनाया। बृहस्पति और शुकदेव जैसों को उपदेश दिया और उनकी शंकाओं का समाधान किया। इंद्र, चंद्र, विष्णु, शंकर, युधिष्ठिर, राम, कृष्ण आदि को उपदेश देकर कर्त्तव्याभिमुख किया। भक्ति का प्रसार करते हुए वे अप्रत्यक्ष रूप से भक्तों का सहयोग करते रहते हैं। ये भगवान के विशेष कृपापात्र और लीला-सहचर हैं।

धर्म कर्म

आज का इतिहास

- 1854 - भारत की पहली डाक टिकट को औपचारिक तौर पर जारी किया गया।
- 1896 - लंदन डेली मेल का पहला संस्करण प्रकाशित।
- 1897 - फ्रांस के पेरिस बाजार में आग लगने से करीब 200 लोगों की मौत हुई।
- 1924 - पेरिस में आठवें ओलिम्पिक खेलों की शुरुआत।
- 1927 - अमेरिका में फिल्म कला अकादमी (मोशन पिक्चर आर्ट्स एकेडेमी) की स्थापना, जिसने 'ऑस्कर' पुरस्कार देने शुरू किए।
- 1945 - जर्मनी की सेना ने नीदरलैंड, डेनमार्क और नार्वे में आत्मसमर्पण किया।
- 1959 - पहले ग्रैमी अवॉर्ड्स का आयोजन।
- 1975 - 'द किड' और 'ग्रेट डिक्टेटर' जैसी मूक फिल्मों के स्टार चार्ली चैपलिन को बकिंघम पैलेस में नाइट की उपाधि प्रदान की गई।
- 1979 - मार्गरेट थैचर ब्रिटेन की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं। पूरे यूरोप में वह यह पद संभालने वाली पहली महिला थीं।
- 1980 - कोल माइंस डे की घोषणा हुई।
- 1980 - यूगोस्लाविया में मार्शल टीटो का निधन।
- 1980 - जिम्बाब्वे के राष्ट्रपति नेता रॉबर्ट मुगाबे ने चुनाव में भारी जीत हासिल की और प्रथम अश्वेत राष्ट्रपति बने।
- 1983 - चीन ने परमाणु परीक्षण किया।
- 1994 - काहिरा में इस्त्रायल एवं फ़िलिस्तीनी नेताओं द्वारा फ़िलिस्तीनी स्वायत्तता से संबंधित ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर।
- 1999 - भूमिगत बारूदी सुरंगों के उत्पादन पर प्रतिबंध लगाने के लिए ओटावा संधि के सभी हस्ताक्षरकर्ता देशों की पहली बैठक मापूतो (मोजाम्बिक) में शुरू।
- 2003 - मैक्सिको की अन्ना गुएवेरा ने 35.30 सेकेण्ड का समय लेकर ग्रांप्री मीटर की 300 मीटर दौड़ में विश्व रिकार्ड बनाया।
- 2006 - नेपाल के माओवादी विद्रोहियों ने देश की नई सरकार के साथ शांति वार्ता में भाग लेने पर सहमति जताई।
- 2007 - बैंकॉक में ग्लोवल वार्मिंग पर बैठक सम्पन्न।
- 2008 - सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनी 'सेल' ने भारतीय इस्पात गठबंधन से अपने को अलग किया।

पर्यटन स्थलों पर कौन पूरा करेगा मानक

मनोज कुमार अग्रवाल

इसे हादसा कहें या बदहाल और गैर जिम्मेदार भ्रष्ट व्यवस्था की हद दर्जे की लापरवाही जिसके चलते करीब पन्द्रह हंसती खेलती जिंदगी मौत के आगोश में समा गयीं और दर्जन भर परिवारों को कभी न भूलने वाला दुख दे गयीं। 30 अप्रेल गुरुवार को मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले से एक बड़े हादसे की खबर सामने आई है।जबलपुर जिले के बरगी बांध क्रूज हादसे को तीन दिन से अधिक समय बीत चुका है। लेकिन अब भी कुछ लोग लापता हैं। उनके जिंदा मिलने की उम्मीद कम है, लेकिन अपनों की उम्मीद है कि टूटती नहीं। आंखें टकटकी लगाए उनका इंतजार देख रही हैं।

आपको बता दें जबलपुर मप्र के खास पर्यटन स्थल बरगी डैम में गुरुवार 30 अप्रेल की शाम पर्यटकों की खुशियां मातम में बदल गईं। डैम के खमरिया टापू के पास एक क्रूज अचानक आए तेज तूफान के कारण अनियंत्रित होकर पानी में डूब गया। हादसे के वक्त क्रूज पर करीब 30 से 40 लोग सवार थे। बताया जा रहा है कि ये सभी लोग यहां घूमने के लिए निकले थे। अचानक हुए इस हादसे से मौके पर चीख पुकार मच गई।शुरुआती जानकारी के अनुसार, हादसे के समय क्रूज नर्मदा नदी के बैकवाटर में मौजूद था। इस बीच तभी अचानक मौसम बदला गया और तेज हवाओं के साथ तूफान आने लगा। ये तूफान इतना जबरदस्त था कि क्रूज अपना संतुलन खोने लगा और कुछ ही समय में पानी में पलट गया। जानकारी के अनुसार, पर्यटकों से भरा क्रूज अचानक नर्मदा में पलट गया। पानी से लबालब बांध में जब लोग डूबे तो हर किसी की आंखें सिर्फ अपनों को ढूंढ रही थीं। किसी ने आंखों के सामने पत्नी खो दी तो किसी ने मां और भाई। इस हादसे में अब तक 9 लोगों की मौत हो चुकी है। ये लोग किसी के मां-बाप, भाई, बहन थे। सोचिए उन लोगों पर क्या बीत रही होगी, पलक झपकते ही जिसके अपने आंखों से ओझल हो गए। उनके अपने डूबते रहे और वे बेबस होकर देखते रहे। चीख-पुकार और मदद की गुहार भी काम नहीं आई।

जबलपुर क्रूज हादसे ने दिल्ली के एक परिवार की खुशियां उजाड़ दीं। पति, पत्नी, एक बेटा और एक बेटी पिकनिक मनाने क्रूज पर चढ़े। हादसे के दौरान पिता और बेटी किसी तरह सुरक्षित बच गए, लेकिन मां और बेटा क्रूज के भीतर ही फंस गए थे। आज सुबह मां का अपने बेटे को सीने से चिपकाए हुए शव मिला। मानो आखिरी पल तक उसे बचाने की कोशिश कर रही हो। यह दृश्य देख वहां मौजूद हर शख्स की आंखें भर आईं। जबलपुर के सिविल लाइन इलाके के रहने वाले सैयद रियाज हुसैन की पत्नी, नाती और समधन लापता हैं। वह परिवार के साथ क्रूज की सवारी का आनंद लेने गए थे। वो कहां जानते थे कि डैम में मौत दस्तक दे रही है। सैयद तो बच गए, लेकिन उनके परिजन अभी भी लापता हैं। वह बेबस और लाचार हैं और किसी चमत्कार की उम्मीद लगाए बैठे हैं। एक छोटी सी बच्ची मां-पिता और भाई के साथ कुछ देर पहले जो हंसी के ठहाके लगा रही थी उसकी आंखों में सिबाय दर्द के कुछ दिखाई नहीं दे रहा। बच्ची बुरी तरह डरी, सहमी और घबराई हुई है। पापा तो मिल गए लेकिन मम्मी, भाई और नाना का कुछ अता-पता नहीं है। वहीं नानी की डूबने से मौत हो गई है। पल भर में उसकी खुशियां मातम में बदल गईं। जबलपुर क्रूज हादसे ने एक हंसते-खेलते परिवार को उजाड़ दिया।

घटना की जानकारी मिलते ही बरगी थाना पुलिस और प्रशासन की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीआरएफ की टीम को रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए रवाना किया गया है। टीम लगातार लापता लोगों की तलाश में जुटी और पानी के भीतर सर्च ऑपरेशन चलाया गया।

सवाल यह है कि यह हादसा अनगिनत लापरवाही और अव्यवस्था का ईशारा करता है जब मौसम विभाग की पचास किमी प्रति घंटा की रफ्तार से आंधी तूफान आने की चेतावनी जारी थी तब क्रूज का नदी में संचालन क्यों किया गया? जानकारी के अनुसार क्रूज का संचालन मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग करता है बताया गया है कि इस बीस साल पुरानी क्रूज में वैध तौर पर तीस पर्यटक लिस्टेड थे लेकिन कुछ लोग स्टाफ की कृपा पर भी सवार थे जो लिस्टेड नही थे। बचाव दल 28 लोगों को बचाने का दावा कर रहा है जबकि नौ शव निकाले जा चुके हैं इस तरह 37 सवारियों की पुष्टि हो जाती है। इसके अलावा नियमानुसार सबको लाइफ जेकेट पहनना अनिवार्य था लेकिन तूफान आने पर अफरा-तफरी मचने पर लाइफ जेकेट दी गयी उन्हें पाने के लिए सभी सवार पर्यटकों के क्रूज पर एक तरफ आने से संतुलन बिगड़ गया और क्रूज एक ओर झुकते ही नदी में समा गया। जाहिर है कि यह क्रूज नियमों की घोर अनदेखी कर मनमानी ढंग से बिना अनुभवी व अल्पप्रशिक्षित परिचालन टीम के भरोसे नर्मदा की छाती पर संचालित किए जा रहे थे। इस सबके लिए खुद सरकार अपनी जिम्मेदारी से नही बच सकती है सरकार चाहे उत्तराखंड की हो यूपी की या मध्यप्रदेश की सब जगह ग्रीष्म शीत अवकाश अथवा धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटकों श्रद्धालुओं की सुरक्षा को दरकिनार किया गया है सरकार का रवैया सिर्फ पर्यटकों को प्रचार के बूते पर आकर्षित कर राजस्व और स्थानीय रोजगार बढाने का है लेकिन श्रद्धालुओं पर्यटकों के जीवन की सुरक्षा कौन करेगा? इसकी चिंता सरकार या सरकारी अमले को कतई नहीं है। व्यवस्था में जुड़े सरकारी अधिकारी कर्मचारी अपनी कमीशन खोरी और किसी न किसी तरह जेब भरने में जुट जाते हैं। मौसम की चेतावनी को दरकिनार कर पर्यटकों को जान की कीमत पर धार्मिक या मौज मस्ती का पर्यटन कराना कौन सी नैतिकता है? उत्तराखंड जैसे संवेदनशील प्राकृतिक वातावरण वाले प्रदेश में चारधाम यात्रा के लिए क्षमता से अधिक पर्यटकों को विभिन्न माध्यमों से लुभाना कहां तक उचित है? यूपी में बीते साल कुम्भ स्नान के लिए ऐसा प्रचार किया गया कि श्रद्धालुओं का इतना सैलाब आ गया कि व्यवस्था लडखडा गयी भगदड़ में सैकड़ों जान गयीं। इसी तरह उत्तराखंड सरकार भलीभांति जानती है कि 2013 की केदारनाथ या 2024 की चमोली रैणी गाँव ग्लेशियर फटने और धराली में बादल फटने से जनहानि जैसी आपदा में बचाव की कोई समुचित व्यवस्था उसके पास मौजूद नहीं है तब भी लोगों को मीठे मीठे सपने दिखा कर चारधाम पर्यटन के नाम पर उनके जीवन से खिलवाड़ का सिलसिला जारी है। हर सरकार दलील देती है कि पर्यटन ही स्थानीय लोगों की अर्थव्यवस्था का आधार है। ऐसे हालात में सुधार की बड़ी जरूरत है कम से कम नियमों का कड़ाई से पालन करना चाहिए ताकि मानवीय भूल से होने वाली दुर्घटनाओं को तो रोका जा सके। आपको बता दें बरगी डैम हादसे में अब तक नौ लोगों के शव मिलने की पुष्टि हो चुकी है। वहीं आधिकारिक जानकारी के अनुसार अब भी करीब छह लोग लापता बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश जारी है। मौके पर मौजूद स्थानीय लोग भी राहत कार्यों में पुलिस की मदद कर रहे हैं। फिलहाल प्राथमिकता लापता लोगों को जल्द से जल्द खोजने की है। प्रशासन ने पूरे इलाके में चौकसी बढ़ा दी है।अब लापता लोगों के जीवित बचने की संभावना बहुत कम है। सरकार अनुग्रह राशि देकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। जिम्मेदार अधिकारी और मंत्री अभागी माँ व बच्चे की मार्मिक मौत पर चंद आंसू बहाने की रील बनवा कर अपनी संवेदना प्रकट करने का नाटक कर रहे हैं लेकिन इस और ऐसे ही तमाम हादसों के मूल में छिपी अक्षम्य लापरवाही और अव्यवस्था के जिम्मेदार लोग कभी सामने नही आएंगे नहीं उनको उनके अपराध के लिए दंडित किया जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर-7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 संपादक - आदित्य वशिष्ठ कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

राज्यव्यापी यात्रा शुरू करने के लिए पश्चिमी चंपारण रवाना हुए निशांत

पटना। जद (यू) प्रमुख नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार रविवार को बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के लिए रवाना हुए, जहां से वह अपने जनसंपर्क अभियान के तहत 'सद्भाव यात्रा' की शुरुआत करेंगे। तुरही की ध्वनि तथा शंखनाद के बीच निशांत कुमार यहां पार्टी मुख्यालय से एक सजे-धजे वाहन में सवार होकर जिले के लिए रवाना हुए। इस दौरान समर्थकों ने उन पर फूल बरसाए।

पश्चिम चंपारण के लिए रवाना होने से पहले उन्होंने पत्रकारों से कहा, ''मेरी पहली राजनीतिक यात्रा 'सद्भाव यात्रा' आज से शुरू हो रही है। 'सद्भाव' शब्द प्रेम और सकारात्मक भावनाओं का प्रतीक है। मैं सबको साथ लेकर चलूंगा, किसी को भी पीछे नहीं छोडूंगा।'' पिछले महीने ही पार्टी में शामिल हुए 45 वर्षीय कुमार पश्चिम चंपारण जिले के वाल्मीकि नगर से अपनी ''सद्भाव यात्रा'' शुरू करने वाले हैं। बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में लगभग दो दशक लंबे कार्यकाल के दौरान उनके पिता ने कई बार इस स्थान को अपनी कई यात्राओं के आरंभिक बिंदु के रूप में चुना था। निशांत कुमार ने बताया कि यात्रा पर निकलने से पहले उन्होंने अपने पिता से आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा, ''पश्चिम चंपारण वह भूमि है जहां महात्मा गांधी ने 1917 में दौरा किया था और अपना सत्याग्रह शुरू किया था। मेरे पिता ने भी अपनी सभी महत्वपूर्ण यात्राओं की शुरुआत यहीं से की।'' जद (यू) नेता ने कहा कि वह पिछले दो दशकों में अपने पिता द्वारा किए गए कार्यों का प्रचार करेंगे और जो भी कार्य अब तक पूरे नहीं हुए हैं, उन्हें पूरा करने का काम करेंगे। कुमार ने कहा, ''मैं जद (यू) के वरिष्ठ नेताओं से बातचीत करूंगा, पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलूंगा और पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए उनकी राय लूंगा।''

वहीं, कुमार और अन्य वरिष्ठ पार्टी नेताओं के साथ पहुंचे जद (यू) विधायक दल के नेता श्रवण कुमार ने कहा कि ''जमीनी स्तर पर लोगों से जुड़ने'' के उद्देश्य से आयोजित इस यात्रा के माध्यम से ''प्रेम, एकता और भाईचारे का संदेश'' फैलाया जाएगा। नीतीश कुमार के अचानक मुख्यमंत्री पद छोड़ने के बाद उनके बेटे निशांत कुमार का देर से ही सही, लेकिन पार्टी में आना आशा की किरण लेकर आया है। अचानक राज्यसभा जाने के नीतीश कुमार (75) के फैसले से लगे झटके से पार्टी अभी उबरने का प्रयास कर रही है। कुमार के बिहार की सत्ता छोड़ने से पार्टी के राजनीतिक प्रभाव में कमी आने की आशंका पैदा हो गई थी, हालांकि अब निशांत कुमार के रूप में उनके उत्तराधिकारी के आगमन ने पार्टी को राहत दी है। उनकी इस यात्रा को लेकर पार्टी ने एक आकर्षक नारा भी गढ़ा है। ''जय निशांत, तय निशांत'' का नारा अब जद (यू) के पोस्टरों के साथ-साथ सोशल मीडिया हैंडल पर भी छाया हुआ देखा जा सकता है।

'सद्भाव यात्रा' की शुरुआत की पूर्व संध्या पर जद (यू) के प्रवक्ता और विधान परिषद के सदस्य (एमएलसी) नीरज कुमार ने पश्चिम चंपारण के मुख्यालय बेतिया में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि ''निशांत का संबंध उस भूमि से है जहां सम्राट अशोक का जन्म हुआ था।'' उन्होंने कहा कि अपने पिता की तरह वह भी ऋषि वाल्मीकि की भूमि से यात्रा शुरू कर रहे हैं। नीरज कुमार ने कहा, ''वाल्मीकि और अशोक दोनों ने त्याग का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया। हमारे सर्वोच्च नेता नीतीश कुमार ने भी सत्ता त्यागकर अपने सिद्धांतों पर चलने का निर्णय लेकर त्याग की यही भावना दिखाई।'' उन्होंने कहा, ''सत्ता के प्रति वही त्याग का भाव निशांत ने भी दिखाया है। वह किसी भी समय नए मंत्रिमंडल या राज्य विधानमंडल में स्थान प्राप्त कर सकते थे। लेकिन उन्होंने शॉर्टकट से बचने और जनसंपर्क के आजमाए हुए तरीके से अपनी पहचान बनाने का विकल्प चुना।'' जद (यू) प्रमुख के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद बिहार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता सम्राट चौधरी के नेतृत्व में नयी सरकार का गठन हुआ है। नीरज कुमार ने कहा, ''नीतीश कुमार हमेशा से अपराध, भ्रष्टाचार और सांप्रदायिकता के प्रति 'कतई बर्दाश्त नहीं' की नीति का पालन करते आए हैं।

स्वतंत्र पत्रकारिता को दंडित और सरकार के अनुरूप चलने वालों को पुरस्कृत किया जा रहा: खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रेस की स्वतंत्रता के मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि उनका संदेश स्पष्ट है कि स्वतंत्र पत्रकारिता को दंडित किया जाएगा और सरकार के हिसाब से चलने वालों को पुरस्कृत किया जाएगा। खरगे ने आरोप लगाया कि मीडिया के एक वर्ग को सत्तारूढ़ प्रतिष्ठान की बात दोहराने तक सीमित कर दिया गया है, जबकि सवाल पूछना जारी रखने वालों को ''लगातार निशाना'' बनाया जा रहा है। खरगे ने विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत की स्थिति 2014 से लगातार गिरी है। उन्होंने आरोप लगाया कि संघ परिवार ने समाचार कक्षों को चुप कराने के लिए कानूनी ढांचों का ''हथियार'' के रूप में तेजी से इस्तेमाल किया है। खरगे ने कहा कि देश को इस कठोर और निर्विवाद वास्तविकता का सामना करना होगा कि भाजपा के शासन में 2014 से विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत की स्थिति लगातार गिरकर 157वें स्थान पर पहुंच गई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने 'एक्स' पर कहा, ''सही अर्थ में स्वतंत्र प्रेस का काम सरकार की बात को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करना या उसकी नाकामियों को छिपाना नहीं होता। उसका काम सत्ता से सवाल करना, सत्ता की पड़ताल करना और पद पर बैठे लोगों को जवाबदेह ठहराना है।'' खरगे ने कहा कि मीडिया सत्ता और लोगों के बीच लोकतांत्रिक संतुलन को बनाए रखता है। उन्होंने कहा, ''पत्रकार सार्वजनिक सत्य के संरक्षक होते हैं। पंडित नेहरू ने कहा था, 'प्रेस की स्वतंत्रता केवल एक नारा नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया का एक आवश्यक गुण है।' मौजूदा शासन में यह आवश्यक गुण गंभीर रूप से कमजोर हुआ है।'' खरगे ने कहा, ''संघ परिवार ने समाचार कक्षों को चुप कराने के लिए कानूनी ढांचों को हथियार के रूप में तेजी से इस्तेमाल किया है। मानहानि कानूनों, राष्ट्रीय सुरक्षा प्रावधानों और व्यापक आपराधिक कानूनों का इस्तेमाल न्याय के माध्यम के रूप में नहीं, बल्कि डराने-धमकाने के औजार के रूप में किया जा रहा है।'' उन्होंने दावा किया कि 2014 से 2020 के बीच 135 से अधिक पत्रकारों को गिरफ्तार किया गया, हिरासत में लिया गया या उनसे पूछताछ की गई। उन्होंने कहा कि 2014 से 2023 के बीच 36 पत्रकारों को जेल में डाला गया। खरगे ने कहा कि कई पत्रकारों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) जैसे कठोर कानूनों के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। उन्होंने कहा, ''इस बीच, हिंसा और दंडमुक्ति का एक कहीं अधिक चिंताजनक चलन सामने आया है। भाजपा-शासित राज्यों में पत्रकारों की अपना काम करने के लिए हत्या की जा रही है।'' उन्होंने कहा, ''उत्तर प्रदेश में राघवेंद्र बाजपेयी, छत्तीसगढ़ में मुकेश चंद्राकर, उत्तराखंड में राजीव प्रताप सिंह और हरियाणा में धर्मेंद्र सिंह चौहान- ये सभी भ्रष्टाचार और जनहित से जुड़े मुद्दों पर रिपोर्टिंग कर रहे थे। आज वे सत्ता के सामने सच बोलने की भयावह कीमत के कड़वे उदाहरण बनकर खड़े हैं।'

ग्रेट निकोबार परियोजना पर कांग्रेस ने फिर उठाए सवाल

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने ग्रेट निकोबार द्वीप विकास परियोजना को लेकर केंद्र सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि इससे जुड़े पर्यावरणीय, सामाजिक और पारदर्शिता संबंधी मुद्दों पर सरकार जवाब देने से बच रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि 28 अप्रैल को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की ग्रेट निकोबार यात्रा के बाद सरकार ने प्रेस बयान जारी कर ध्यान भटकाने का प्रयास किया। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर जारी विस्तृत बयान में कहा कि सरकार द्वारा 01 मई को जारी प्रेस नोट में उन गंभीर चिंताओं का समाधान नहीं किया गया है, जो पहले से ही स्थानीय समुदायों, पर्यावरणविदों, मानवविज्ञानियों और विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा उठाई जा चुकी हैं। इन मुद्दों को लेकर उन्होंने स्वयं पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री को सितंबर 2024 में पत्र लिखकर अवगत कराया था। रमेश ने कहा कि यह द्वीप जैव विविधता के दृष्टिकोण से अत्यंत संवेदनशील और विशिष्ट है। पिछले पांच वर्षों में यहां लगभग 50 नई प्रजातियों की पहचान की गई है, जिनमें पक्षी, सरीसृप और समुद्री जीव शामिल हैं। प्रस्तावित परियोजना स्थल गैलाथिया खाड़ी तटीय विनियमन क्षेत्र-1ए के अंतर्गत आता है, जहां बंदरगाह निर्माण की अनुमति नहीं होती। इस क्षेत्र में 20,000 से अधिक प्रवाल संरचनाएं मौजूद हैं और यह उत्तरी हिंद महासागर में विशाल लेदरबैक कछुओं के प्रजनन का प्रमुख स्थल माना जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि पर्यावरणीय मंजूरी प्रक्रिया में शामिल संस्थानों की भूमिका पर भी प्रश्न उठते हैं। वन्यजीव संस्थान और प्राणी सर्वेक्षण जैसे संस्थानों को परियोजना से जुड़े अध्ययन और निगरानी कार्य दिए गए, जबकि इन्हीं संस्थानों की भूमिका मंजूरी प्रक्रिया में भी रही है, जिससे हितों के टकराव की स्थिति बनती है। कुछ स्वतंत्र संस्थानों को, जिन्होंने परियोजना पर आलोचनात्मक रुख अपनाया था, उन्हें प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया।

विधानसभा चुनाव : आज राज्य के 62 केंद्रों पर त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरे में होगी मतगणना

मतदान केंद्रों पर रहेगी तीन-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था, सभी तैयारियां पूरी

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव की सोमवार को होने वाली मतगणना की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मतगणना के लिए राज्यभर में 62 केंद्र बनाए गए हैं। राज्य के सभी मतदान केंद्रों पर तीन-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई। चुनाव परिणाम जानने के लिए न केवल तमिलनाडु बल्कि पूरा देश उत्सुकता से इंतजार कर रहा है। तमिलनाडु की मुख्य निर्वाचन अधिकारी अर्चना पटनायक ने रविवार को एक बयान जारी कर बताया कि तमिलनाडु विधानसभा के लिए 23 अप्रैल को हुए चुनाव की मतगणना 4 मई को होगी। राज्य के 75,064 मतदान बूथों के वोटों और प्राप्त डाक मतपत्रों की गिनती के लिए बनाए गए 62 मतगणना केंद्र बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) में दर्ज वोटों की गिनती के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। डाक मतपत्र और इलेक्ट्रॉनिक रूप से भेजे गए डाक मतपत्रों (ETPBs) की गिनती और ईवीएम के वोटों की गिनती के लिए कुल 3,324 टेबल लगाई गई हैं। डाक मतपत्रों की गिनती के लिए प्रत्येक 500 मतपत्रों पर एक मतगणना टेबल लगाई गई है। इसके लिए 1,135 अतिरिक्त सहायक निर्वाचन अधिकारियों को तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि मतगणना का कार्य निर्वाचन अधिकारियों और सहायक निर्वाचन अधिकारियों की सहायता से किया जाएगा। मतगणना के लिए कुल 10,545 कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। साथ ही प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए 4,624 माइक्रो ऑब्जर्वर भी तैनात किए गए हैं। उन्होंने बताया कि मतगणना प्रक्रिया की निगरानी करने और चुनाव आयोग के निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए एक-एक करके कुल 234 मतगणना पर्यवेक्षकों की नियुक्ति किया है।

उन्होंने बताा कि निर्बाध मतगणना के लिए सभी केंद्रों पर व्यापक तीन-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। पहली परत के तहत बाहरी घेरा में प्रत्येक मतगणना केंद्र के चारों ओर 100 मीटर की दूरी तक सुरक्षा घेरा बनाया गया है। इस क्षेत्र में केवल अधिकृत व्यक्तियों को ही प्रवेश की अनुमति होगी। पहचान पत्रों की जांच और शारीरिक तलाशी के लिए प्रवेश द्वारों पर पर्याप्त संख्या में पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। दूसरी परत में मध्य क्षेत्र) में मतगणना परिसर के प्रवेश द्वारों की सुरक्षा राज्य सशस्त्र बल तैनात रहेंगे। इस इलाके में किसी भी अनधिकृत आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी और मोबाइल फोन और अन्य संचार उपकरणों के उपयोग की अनुमति केवल निर्धारित स्थानों पर ही होगी। इसके अलावा तीसरी परत यानी आंतरिक क्षेत्र में मतगणना कक्षों और ईवीएम सुरक्षा कक्षों के प्रवेश द्वार पर स्थित यह सबसे महत्वपूर्ण सुरक्षा परत केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल द्वारा संभालेगी। सुरक्षा व्यवस्था के लिए स्थानीय पुलिस और राज्य सशस्त्र बलों के अलावा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 65 कंपनियां मतगणना केंद्रों पर तैनात की गई हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अर्चना पटनायक ने बताया कि मतगणना सुबह 8 बजे पहले डाक मतपत्रों की गिनती से शुरू होगी। इसके बाद सुबह 8:30 बजे ईवीएम में दर्ज वोटों की गिनती होगी। सभी विधानसभा क्षेत्रों के राउंडवार परिणाम संबंधित निर्वाचन अधिकारियों द्वारा मतगणना केंद्रों में लगे सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से घोषित किए जाएंगे।

मतगणना से पहले मोथाबाड़ी मामले में तृणमूल नेताओं को एनआईए का समन

मालदा। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों से ठीक पहले मोथाबाड़ी कांड ने नया मोड़ ले लिया है। न्यायिक अधिकारियों के साथ कथित बदसलूकी मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने तृणमूल कांग्रेस के कई प्रभावशाली नेताओं और कार्यकर्ताओं को तलब किया है। उन्हें रविवार को कालियाचक थाने में पेश होने का निर्देश दिया गया है। समन पाने वालों में सुजापुर की तृणमूल उम्मीदवार सबीना यास्मीन के चुनावी एजेंट अब्दुल रहमान शामिल हैं, जो जिला परिषद में वन एवं भूमि विभाग के कर्माध्यक्ष भी है। इसके अलावा कालियाचक एक ब्लॉक के तृणमूल अध्यक्ष मोहम्मद सरिउल को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया है। शनिवार देर रात इन नेताओं को नोटिस दिया गया। गौरतलब है कि, पिछले महीने मोथाबाड़ी में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त न्यायिक अधिकारियों को घेरकर विरोध प्रदर्शन किया गया था। आरोप है कि सूची से नाम हटने को लेकर नाराज भीड़ ने सात अधिकारियों को देर रात तक रोके रखा और उनके साथ दुर्व्यवहार किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्चतम न्यायालय ने जांच एनआईए को सौंपने का आदेश दिया था। इससे पहले क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) इस मामले में मुख्य आरोपित मोफक्केरुल इस्लाम समेत 52 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है, जिनमें से कई फिलहाल एनआईए की हिरासत में हैं। मतगणना से कुछ घंटे पहले सत्ताधारी दल के नेताओं को तलब किए जाने से मालदा जिले में राजनीतिक माहौल गरमा गया है। अब देखना होगा कि इस कार्रवाई का चुनावी परिणामों पर क्या असर पड़ता है।

पश्चिम बंगाल चुनाव में केंद्रीय बलों ने सराहनीय कार्य किया है : अधीर रंजन चौधरी

कोलकाता। वरिष्ठ कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में केंद्रीय बलों की भूमिका की खुलकर सराहना की है। शनिवार देर शाम पत्रकारों से बातचीत करते हुए अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि केंद्रीय अर्द्धसैनिक बलों की मौजूदगी के कारण आम मतदाता बिना डर के मतदान केंद्रों तक पहुंच सके और अपेक्षाकृत भयमुक्त माहौल में मतदान हुआ। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्रीय बलों की तारीफ का मतलब यह नहीं है कि वह भाजपा या चुनाव आयोग का समर्थन कर रहे हैं, बल्कि उनका कहना है कि सुरक्षा व्यवस्था बेहतर होने से लोगों को अपने मताधिकार का उपयोग करने में सहूलियत मिली। राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाते हुए अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ दल के मुंह से धर्म की बात करना उचित नहीं लगता। उन्होंने आरोप लगाया कि पंचायत चुनाव से लेकर नगर निकाय चुनाव तक में विपक्षी दलों को नामांकन दाखिल करने से रोका जाता है। उनके मुताबिक, कई मामलों में पुलिस और सत्तारूढ़ दल के कार्यकर्ता मिलकर विपक्ष की भागीदारी को बाधित करते हैं, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया प्रभावित होती है। उन्होंने यह भी दावा किया कि चुनाव जीतने के बाद भी कई उम्मीदवारों को प्रमाणपत्र देने में बाधाएं उत्पन्न की जाती हैं। हालांकि, इस बार के चुनावी अनुभव का जिक्र करते हुए पश्चिम बंगाल में चुनाव के दौरान हिंसा और धांधली के आरोप पहले भी लगते रहे हैं। इस बार भी विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच बयानबाजी जारी है, जिससे राज्य की सियासत में तनाव बना हुआ है।

गुजरात भाजपा अध्यक्ष के कथित बयान पर राहुल-प्रियंका ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली। गुजरात भाजपा अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा के बनासकांठा में एक सभा के दौरान कांग्रेस सांसद गेनीबेन ठाकोर पर दिए कथित बयान पर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस ने इस टिप्पणी की निंदा करते हुए इसे महिलाओं के प्रति अपमानजनक बताया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अपने फेसबुक पोस्ट में कहा कि यह टिप्पणी न केवल शर्मनाक है बल्कि पार्टी की महिला-विरोधी सोच को भी दर्शाती है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सम्मान की बात करने के बावजूद इस तरह की घटनाओं पर प्रधानमंत्री की चुप्पी चिंताजनक है। वहीं, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी इस कथित टिप्पणी की निंदा करते हुए इसे शर्मनाक और अपमानजनक बताया। उन्होंने कांग्रेस सांसद गेनीबेन ठाकोर के समर्थन में कहा कि वह उनके संघर्ष से परिचित हैं और इस मुद्दे पर उनके साथ खड़ी हैं। महिलाओं के सम्मान से जुड़े ऐसे मामलों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

पहलगाम हमले के बाद से बगलिहार बांध के सभी गेट बंद, क्षेत्र में जल प्रबंधन पर असर

रामबन। रामबन जिले में चिनाब नदी पर बने बगलिहार बांध के सभी गेट सिंधु जल संधि के निलंबन के एक साल बाद भी बंद हैं। पहलगाम हमले के बाद से फाटकों के लगातार बंद रहने से क्षेत्र में जल प्रबंधन और जलविद्युत संचालन पर असर पड़ रहा है। बगलिहार जलविद्युत परियोजना चिनाब नदी पर एक प्रमुख बुनियादी ढांचा हमले के मद्देनजर निर्णय लिए जाने के बाद से कड़ी निगरानी में है।

जम्मू और कश्मीर के रामबन जिले में स्थित बगलिहार बांध चिनाब नदी पर जलविद्युत उत्पादन और जल विनियमन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके गेट बंद करने को संधि निलंबन से जुड़े व्यापक उपायों के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है। शत्रुता की समाप्ति पर एक समझौते पर पहुंचने के बावजूद सिंधु जल संधि पर भारत सरकार की स्थिति अपरिवर्तित बनी हुई है। सिंधु प्रणाली में मुख्य सिंधु नदी, झेलम, चिनाब, रावी, ब्यास और सतलज शामिल हैं। बेसिन मुख्य रूप से भारत और पाकिस्तान द्वारा साझा किया जाता है, चीन और अफगानिस्तान के लिए एक छोटा सा हिस्सा है। 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच हस्ताक्षरित सिंधु जल संधि के तहत तीन नदियों अर्थात रावी, सतलज और ब्यास (पूर्वी नदियां) का औसत लगभग 33 मिलियन एकड़ फीट (एमएएफ) पानी भारत को विशेष उपयोग के लिए आवंटित किया गया था। लगभग 135 एमएएफ का औसत प्रवाह ले जाने वाली पश्चिमी नदियां सिंधु, झेलम और चिनाब पाकिस्तान को आवंटित की गईं, जबकि भारत ने संधि के तहत निर्दिष्ट घरेलू, गैर-उपभोग्य और कृषि उपयोग के लिए सीमित अधिकार बरकरार रखे।

भारत को पश्चिमी नदियों पर रन-ऑफ-द-रिवर (आरओआर) परियोजनाओं के माध्यम से पनबिजली उत्पन्न करने का अधिकार भी दिया गया है। अपने लिए आवंटित पूर्वी नदी जल का पूरी तरह से उपयोग करने के लिए भारत ने सतलज पर भाखड़ा बांध, ब्यास पर पोंग और पंडोह बांध और रावी पर थीन (रंजीत सागर) बांध सहित प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाएं विकसित की हैं। इन भंडारण कार्यों ने ब्यास-सतलज लिंक, माधोपुर-व्यास लिंक, इंदिरा गांधी नहर परियोजना आदि जैसे अन्य कार्यों के साथ मिलकर भारत को पूर्वी नदियों के अधिकांश पानी का उपयोग करने में मदद की है।

मप्र के बरगी क्रूज हादसे में आखिरी शव भी मिला

मृतकों की संख्या बढ़कर 13 हुई

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में नर्मदा नदी पर बने बरगी बांध में हुए क्रूज हादसे के बाद से चल रहे राहत एवं बचाव कार्य के बीच रविवार को एक और लापता व्यक्ति का शव भी बरामद कर लिया गया। इसके बाद हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। बरगी सिटी सीएसपी अंजुल अयंक मिश्रा ने बताया कि जबलपुर के बरगी क्रूज हादसे में रविवार सुबह 9.40 बजे कामराज आर. का शव निकाला गया। इससे पहले सुबह करीब 6 बजे उनके 8 साल के भतीजे मयूरन की शव मिला था। वह त्रिची (तमिलनाडु) से आया था। हादसे में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है। हादसे के पहले दिन 30 अप्रैल को 4 शव, दूसरे दिन 5, तीसरे दिन 2 और रविवार को चौथे दिन दो शव मिले। मृतकों में चार बच्चे और आठ महिलाएं शामिल हैं। सीएसपी अंजुल अयंक मिश्रा ने बताया कि एहतियात के तौर पर आज दिनभर सर्चिंग अभियान चलाया जाएगा। गौरतलब है कि बाते गुरुवार (30 अप्रैल) को शाम तेज आंधी-तूफान के चलते मप्र टूरिज्म का पर्यटकों से भरा क्रूज बरगी डैम में डूब गया था। क्रूज में करीब 47 पर्यटक सवार थे। जानकारी मिलते ही पुलिस और जिला प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की मदद से शुरुआत दो दिनों में तक चले राहत एवं बचाव अभियान के दौरान 29 लोगों को बचा लिया गया था। कुछेक पर्यटक तैरकर भी किनारे आ गए थे। इस दौरान नौ लोगों के शव बरामद हुए थे। इसके बाद शनिवार (2 मई) शाम 6 बजे दो बच्चों के शव मिले थे। भारी बारिश और आंधी तूफान की वजह से शनिवार को राहत एवं बचाव कार्य रोक दिया गया था। एनडीआरएफ-एसडीआरएफ के साथ सेना के जवानों ने रविवार सुबह पुनः सर्चिंग शुरू की। इस दौरान सुबह करीब 6 बजे घटना स्थल से कुछ दूर पर एक और बच्चे का शव मिला है। मृतक का नाम मयूरन है, जो कि त्रिची (तमिलनाडु) का रहने वाला था। इसके बाद सुबह 9.40 बजे कामराज आर. का शव भी बरामद कर लिया गया। इस हादसे में कुल 13 लोगों की मौत हुई है। मृतकों में नीतू सोनी (43) निवासी कोतवाली, जबलपुर, सौभाग्यम अलागन (42) निवासी अन्नानगर, वेस्ट तारापुरम, तमिलनाडु, मधुर मैसी (62) निवासी खाजन बस्ती, नई दिल्ली, काकुलाझी (38) पत्नी कामराज निवासी वेस्ट लैंड खमरिया, जबलपुर, रेशमा सैयद (66) निवासी सिविल लाइन, भसीन आर्केड, जैक्सन होटल के पास, शमीम नकवी (68), निवासी डेरखी, भोपाल, मरीना मैसी (39) पत्नी प्रदीप मैसी निवासी दिल्ली, त्रिशान (4 वर्ष) पुत्र प्रदीप मैसी निवासी दिल्ली और ज्योति सेन, निवासी फूटाताल, घमापुर के आगे जबलपुर, श्रीतमिल (5) पुत्र कामराज निवासी जबलपुर और विराज (5) पुत्र कृष्ण सोनी, मयूरम (9 वर्ष) पुत्र परिमल निवासी त्रिची-तमिलनाडु और कामराज आर. पुत्र श्रीरामालिंगम निवासी जबलपुर शामिल हैं। बरगी सिटी सीएसपी अंजुल अयंक मिश्रा ने बताया कि बरगी क्रूज हादसे में जान गंवाने वाले तमिलनाडु के पर्यटकों के शव उनके गृह राज्य भेजे जा रहे हैं। जबलपुर के डुमना एयरपोर्ट से कार्गो विमान के जरिए शवों को त्रिची रवाना किया गया है। मृतकों के परिजन भी साथ में रवाना हुए हैं। प्रशासन की ओर से अन्य शवों को भी चरणबद्ध तरीके से उनके गृह राज्यों तक पहुंचाने की तैयारी की जा रही है।

परिजनों में भारी आक्रोश, बोले - यह हादसा नहीं मर्डर है

हादसे के बाद लोगों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। हादसे में अपनों को खोने वाले परिजनो ने मप्र टूरिज्म विभाग को कटघरे में खड़ा किया है। परिजनों का कहना है कि यह हादसा नहीं, बल्कि मर्डर है। हमें मुआवजा नहीं, जस्टिस चाहिए। इसके लिए सारा का सारा एमपी टूरिज्म डिपार्टमेंट रिस्पॉन्सबल है। अभी तक कितने ऑफिसर अरेस्ट किए गए, कितने को सस्पेंड किया गया, बोट ऑपरेटर कहां है? उसे अरेस्ट क्यों नहीं किया गया? उन्होंने शासन-प्रशासन से मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। तमिलनाडु के एक परिवार के सात लोगों की मौत, केवल दो 2 बच्चे बचेबरगी डैम क्रूज हादसे में तमिलनाडु के एक ही परिवार 7 सदस्य डूबे थे, जिनमें से केवल 10 साल का पूवीथरन और उसकी 12 साल की कजन ही सुरक्षित बच पाए हैं, जबकि पांच लोगों की मौत हो चुकी है। कामराज(मूल निवासी त्रिची, तमिलनाडु) जबलपुर की आयुध निर्माणी में मशीनिस्ट के पद पर थे। वे यहां पत्नी और बच्चों के साथ रहते थे। तमिलनाडु से उनके सास-ससुर, छोटे भाई, साली और अन्य परिजन आए हुए थे। इसलिए उन्होंने छुट्टी ले ली थी। गुरुवार 30 अप्रैल को सभी लोग घूमने निकले। दोपहर में वे भेड़ाघाट गए। वहां रोप-वे का आनंद लेने के बाद करीब 3:30 बजे बरगी डैम रिजॉर्ट पहुंचे।

सीएम ने नव चयनित कनिष्ठ विश्लेषकों (औषधि) व दंत स्वास्थ्य विज्ञानियों को नियुक्ति-पत्र वितरित किये

चयन की प्रक्रिया में भेदभाव और भ्रष्टाचार करके उप्र को बना दिया गया था बीमारू : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ। किसी नौजवान के सपने का चकनाचूर होना यह केवल उस युवा के साथ धोखा नहीं है बल्कि आने वाली पीढ़ी के भविष्य के साथ भी धोखा होता है और विकास को बाधित करता है। उत्तर प्रदेश जैसा राज्य वैसे ही बीमार नहीं हुआ इसको चयन की प्रक्रिया में भेदभाव करके बेईमानी और भ्रष्टाचार ने इस राज्य को बीमारू और अराजक प्रदेश बना दिया था।

महीनों तक कर्फ्यू वाले प्रदेश के रूप में उत्तर प्रदेश में कोई भी व्यक्ति अपने आप को सुरक्षित नहीं महसूस करता था और चयन की प्रक्रिया में इतने भेदभाव होते थे कि न्यायालय को रोकना पड़ता है और हालात ऐसे थे कि अभी हमारे उपमुख्यमंत्री कह रहे थे की परीक्षा कोई और देता था और नियुक्ति पत्र कोई और प्राप्त करता था। यह बातें रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजधानी के लोकभवन सभागार में आयोजित नव चयनित कनिष्ठ विश्लेषकों (औषधि) व दंत स्वास्थ्य विज्ञानियों को नियुक्ति-पत्र वितरण कार्यक्रम में कहीं। उन्होंने इस अवसर पर उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के लिए नव चयनित 357 कनिष्ठ विश्लेषकों (औषधि) तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के नव चयनित 252 दंत स्वास्थ्य विज्ञानियों को नियुक्ति पत्र दिये।

गोरखपुर सांसद के कार्यकाल की एक घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एक बार कहीं जा रहा था 4-5 बजे का समय था, आगे हाईवे जाम था मैंने पूछा क्यों जाम है तो मुझे पुलिस के अधिकारी आए और बताया कि एक नौजवान ने सुसाइड कर लिया है। वह गांव जहां सुसाइड हुआ था वह मेरे संसदीय क्षेत्र का हिस्सा था तो मैं अपनी गाड़ी से उतरा मैंने कहा मैं जाकर लोगों से मिलता हूं। अधिकारियों ने मुझसे कहा कि लोगों में बड़ा आक्रोश है, आप मत जाइए, मैंने कहा भाई आक्रोश आज है तो मुझे आने वाले समय में वोट मांगने तो जाना ही है तब भी तो ये आक्रोश होगा। मैंने कहा मैं जाऊंगा, मुझे लोगों ने देखा वह शांत हुए। मैं बहुत भौचक्का देख करके मैं उस परिवार से मिला जिस परिवार के नौजवान ने आत्महत्या की थी। मैंने पूछा यह घटना कैसे घटित हुई। परिजनों ने कहा उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती में मेरिट में इसका नाम आया था, लेकिन इसको नियुक्ति पत्र नहीं दी गई और उसी से डिप्रेशन में आकर सुसाइड कर ली। उन्होंने कहा कि आता है। आज इस दिशा में किए गए प्रयासों का परिणाम है कि हमने अब तक 9 लाख से अधिक नौजवानों को सरकारी नौकरी दी है। उप्र के अंदर और देश के अंदर किसी भी राज्य में सबसे अधिक नियुक्ति की प्रक्रिया को सकुशल संपन्न व पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने का यह रिकॉर्ड है। अकेले अधीनस्थ चयन आयोग इस वर्ष 32000 नियुक्ति की प्रक्रिया को संपन्न करेगा और शिक्षा चयन आयोग भी हजारों शिक्षकों की भर्ती की प्रक्रिया पूरी करेगा। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग लगभग 15000 भर्ती करनी है। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड वर्तमान में सब इंस्पेक्टर और होमगार्ड की भर्ती की परीक्षा संपन्न हो चुकी है, अगर इन दोनों को मिलाकर देखेंगे तो लगभग 45000 हैं और लगभग इतनी ही और भर्ती की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है एक वर्ष के अंदर यानी 26-27 के अंदर यूपी के अंदर डेढ़ लाख भर्तियां होंगी।

भर्ती की प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि हमने यूपी में भर्ती की प्रक्रिया में किसी भी प्रकार का सेंध ना लगे, इसके लिए सख्त कानून भी बनाया है। भर्ती की प्रक्रिया किसी भी प्रकार की धांधली करते हुए पाया जाता है तो उसको आजीवन कारावास की सजा और उसकी पूरी संपत्ति को जब्त करने का कानून भी हमारे पास है हम उसका इस्तेमाल भी करते हैं और इसके परिणाम हैं। कार्यक्रम को उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, स्वास्थ्य राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, आयुष विभाग के मंत्री दया शंकर मिश्र दयाल, प्रमख सचिव खाद्य एवं औषधि प्रशासन रोशन जैकब सहित सभी प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग और उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा चयन आयोग की भर्ती की प्रक्रिया के बारे में और उस समय की न्यायालय की टिप्पणी के बारे में हर एक नौजवान उस समय त्रस्त था। क्योंकि 9 साल हो गए थे और उस 9 साल में काफी परिवर्तन हुआ है। आप लोग में से काफी लोग उस समय नाबालिक रहे होंगे। वह नहीं जानते हैं उस समय के बारे में यानी जो व्यक्ति एलिजिबल नहीं था वह चेयरमैन हो गया था और जिसकी स्वयं की डिग्री फर्जी थी वह आयोग का चेयरमैन बनकर सिलेक्शन कर रहा था।

समाजवादी पार्टी सरकार में इस प्रकार की अराजकता होती थी पैसे का लेनदेन होता था और भर्ती नहीं हो पाती थी वर्ष 2017 के बाद नियुक्तियों और विकास कार्यों की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कार्य करने की इच्छा शक्ति और सरकार की स्पष्ट नीति और साफ नियति होनी चाहिए तो परिणाम भी

दिव्यांगजनों व छात्राओं को साइकिल वितरण
शिक्षा और आत्मनिर्भरता को मिला बढ़ावा

देवरिया। जनपद के बघौचघाट क्षेत्र में रविवार को श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर के दीपट्टी परिसर में दिव्यांगजनों और छात्राओं को साइकिलें वितरित की गईं। कार्यक्रम में प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही और जिलाधिकारी दिव्या मित्तल मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने सात दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिलें प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। वहीं जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने 28 छात्राओं को साइकिलें वितरित कीं, जिससे उनकी शिक्षा को सुगम बनाने का संदेश दिया गया।

साइकिलें पाकर छात्राओं के चेहरे खिल उठे, जबकि दिव्यांगजनों ने इसे उनके जीवन को आसान बनाने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया। यह कार्यक्रम मंदिर के अध्यक्ष सुरेंद्र लाल श्रीवास्तव के सुपुत्र आदित्य श्रीवास्तव के विवाह के शुभ अवसर पर आयोजित प्रीतिभोज के दौरान हुआ। सुरेंद्र श्रीवास्तव ने समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए सात ट्राईसाइकिलें और 28 साइकिलों की व्यवस्था कर एक सराहनीय पहल की। कार्यक्रम से पूर्व जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने मंदिर में विधिवत पूजन-अर्चन भी किया।

आयोजन की शुरुआत में अतिथियों का स्वागत बुके और अंगवस्त्र भेंट कर किया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान उपेंद्र लाल श्रीवास्तव, यति जी महाराज, जोखन शास्त्री, दीपक मिश्र, सतेंद्र लाल श्रीवास्तव, देवेंद्र लाल श्रीवास्तव, अशोक पांडेय, धनेश श्रीवास्तव, विनय श्रीवास्तव, विवेक राय, प्रभुनाथ तिवारी और नीरज श्रीवास्तव सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पत्रकार गणेश मिश्रा ने किया।

आकाशीय बिजली गिरने से दो लड़कियों की मौत

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में एक गांव में पेड़ के नीचे आम एकत्र करते समय आकाशीय बिजली गिरने से दो लड़कियों की मौत हो गई, जबकि एक लड़का घायल हो गया।

पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। घटना शनिवार को बभनी थाना क्षेत्र के चौना गांव में हुई। थाना प्रभारी दिन्नू प्रसाद यादव ने बताया कि शनिवार शाम आई आंधी के दौरान पेड़ से आम गिर गए थे, जिन्हें एकत्र करने अर्चना (नौ) और आस्था (आठ) वहां गई थीं। उन्होंने कहा कि इस दौरान उन पर बिजली गिर गई, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

अधिकारी ने बताया कि हर्ष (12) पेड़ से कुछ दूरी पर खड़ा था और इस हादसे में घायल हो गया। उसका इलाज बभनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, दोनों बच्चियों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए हैं।

गंगा नदी में नहाते वक्त डूबने से चार लोगों की मौत

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में रविवार सुबह मुंडन कार्यक्रम के दौरान गंगा नदी में स्नान करते समय एक नाबालिग समेत चार लोगों की डूबने से मौत हो गयी। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने यहां बताया कि फेफना थाना क्षेत्र के कल्याणीपुर गांव के निवासी वशिष्ठ चौहान के परिवार के लोग और कुछ रिश्तेदार मुंडन कार्यक्रम के लिए सुबह गंगा नदी के शिवरामपुर घाट पर पहुंचे थे।

उन्होंने बताया कि धार्मिक अनुष्ठान के बाद साढ़े सात बजे करीब पांच लोग गंगा नदी में स्नान कर रहे थे। सिंह ने बताया कि इस दौरान एक नाबालिग लड़की मोबाइल से सेल्फी लेते समय पैर फिसलने से नदी में गिर गयी, जिसे बचाने के लिए पांच अन्य लोग आगे बढ़ गये लेकिन वे भी डूब गये हालांकि ग्रामीणों ने उनमें से दो लोगों को बचा लिया। उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह सहित प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि स्थानीय मछुआरों और दमकल विभाग की टीम की मदद से रविवार दोपहर नदी से हर्षिता चौहान (19), अरुण चौहान (19), नंदिता चौहान (14) और अर्जुन चौहान (20) के शव बरामद कर लिये गये। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया।

खनन से बने पोखर में डूबकर बच्चे की मौत

गोंडा। कोतवाली देहात क्षेत्र में खनन के तहत मिट्टी खोदे जाने से बने एक गड्ढे में भरे पानी में डूबने से पांच वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने रविवार को बताया कि शनिवार शाम कोतवाली देहात क्षेत्र के चिश्तीपुर निवासी राजेश प्रजापति के बच्चे अमन (पांच) और मोनू (10) रामनगर तिराहे से पथरी बाजार जाने वाली सड़क के किनारे खेलते वक्त अचानक पास में बने गड्ढे में फिसल जाने से उसमें भरे पानी में डूब गये। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे लोगों ने मोनू को तो किसी तरह से बाहर निकाल लिया लेकिन अमन की डूबने मौत हो गयी। जायसवाल ने बताया कि सूचना मिलने पर देहात कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को शव का पोस्टमार्टम कराने के लिए समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे तैयार नहीं हुए और इसके बाद शनिवार रात में ही अमन का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

नॉर्थ टेक सिम्पोजियम का 4 मई को रक्षा मंत्री करेंगे उद्घाटन

प्रयागराज। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 4 मई को प्रयागराज के कैंट इलाके में उत्तर प्रौद्योगिकी संगोष्ठी (नॉर्थ टेक सिम्पोजियम) 2026 का उद्घाटन करेंगे। यह संगोष्ठी भारतीय सेना की उत्तरी कमान और मध्य कमान तथा सोसायटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स (एसआईडीएम) ने संयुक्त रूप से आयोजित कर रहा है। यह संगोष्ठी 6 मई तक चलेगी।

वक्त जानकारी यहां रक्षा मंत्रालय के पीआरओ ने देते हुए बताया कि यह संगोष्ठी सम्पूर्ण भारतीय सेना में परिचालन संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए अत्याधुनिक स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन और एकीकरण के लिए एक जीवंत मंच के रूप में कार्य करेगी। इस पहल की भावना को संगोष्ठी के लिए चुने गए विषय 'रक्षा त्रिवेणी संगम-जहां प्रौद्योगिकी, उद्योग और सैनिक कौशल का संगम होता है' से भली भांति व्यक्त किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी में देश भर के एमएसएमई, निजी रक्षा प्रौद्योगिकी फर्मों, स्टार्टअप्स और सैन्य कर्मियों सहित कई प्रतिभागी शामिल होंगे। 284 कम्पनियां अपने नवीनतम नवाचारों और प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने के लिए स्टॉल लगा रही हैं। इस आयोजन का उद्देश्य फील्ड तैनाती, रख-रखाव प्रक्रियाओं के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकियों की पहचान करना और खरीद प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना है। ताकि भारतीय सेना के लिए एक स्थायी, आत्मनिर्भर रक्षा प्रणाली को बढ़ावा दिया जा सके। भारतीय सेना अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों की परिचालन प्रासंगिकता और बदलती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए निरंतर नवाचार की आवश्यकता पर जोर देती रही है।

उन्होंने बताया कि नॉर्थ टेक सिम्पोजियम 2026 से रक्षा बलों, वैज्ञानिकों, उद्योग जगत के नेताओं और शैक्षणिक समुदाय के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करने की उम्मीद है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा और तकनीकी उत्कृष्टता को मजबूत करने के उद्देश्य से सहयोग को बढ़ावा देगा।

खोदाई करते समय मिट्टी में दबकर मां-बेटी समेत तीन लोगों की मौत

कौशांबी। जिले के मंझनपुर क्षेत्र में रविवार सुबह घर की पुताई के लिए तालाब में मिट्टी खोदने गईं मां-बेटी समेत तीन लोगों की मिट्टी खिसकने से मलबे में दब कर मौत हो गयी तथा दो अन्य महिलाएं घायल हो गयीं।

पुलिस क्षेत्राधिकारी शिवांक सिंह ने बताया कि मंझनपुर थाना क्षेत्र के थांबा गांव निवासी गीता देवी (35) उसकी बेटी अंकिता (छह) उत्तरा देवी (45), जितिया देवी तथा फुलिया आज सुबह पुताई करने के लिये गांव के बाहर एक तालाब से मिट्टी खोदने गई थीं। उन्होंने बताया कि मिट्टी खोदते समय अचानक ऊपर से मिट्टी खिसकने से एक बड़ा ढेर उनके ऊपर गिर गया जिसमें वे सभी दब गयीं। उन्होंने बताया कि चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की सहायता से सभी को मिट्टी के ढेर से बाहर निकाला लेकिन तब तक गीता देवी (35), उसकी बेटी अंकिता (छह) और उत्तरा देवी (45) की मौत हो चुकी थी। सिंह ने बताया कि हादसे में घायल जितिया देवी व फुलिया को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शव पोस्टमार्टम के लिये भेजे गये हैं।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के विरोध में प्रदर्शन करने वाले कांग्रेस जिलाध्यक्ष समेत 14 पर मुकदमा दर्ज

औरैया। जनपद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के विरोध में सार्वजनिक प्रदर्शन और शीर्ष नेताओं के प्रतीकात्मक पुतले जलाने के मामले में कोतवाली पुलिस ने शनिवार की देररात को कांग्रेस जिलाध्यक्ष सरिता दोहरे, योगेश यादव सहित 14 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

कोतवाल राजकुमार सिंह ने रविवार को बताया कि यह मामला सदर कोतवाली क्षेत्र के बिचौली गांव का है, जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के खिलाफ आक्रोश जताते दोनों नेताओं के प्रतीकात्मक पुतले भी फूंके। यह प्रदर्शन बिना अनुमति के किया गया और इससे कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका थी। इस पूरे प्रकरण में सदर कोतवाली में तैनात उप निरीक्षक शकील की ओर से तहरीर दी गई, जिसके आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया।

कोतवाल ने बताया कि नामजद आरोपितों में कांग्रेस जिलाध्यक्ष सरिता दोहरे और योगेश यादव शामिल हैं, जबकि 10 से 12 अन्य अज्ञात महिला और पुरुष कार्यकर्ताओं को भी आरोपित बनाया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बेटे की शादी में हर्ष फायरिंग करने वाले पिता और चाचा गिरफ्तार

शाहजहांपुर। थाना खुदागंज क्षेत्र में वैवाहिक समारोह में हर्ष फायरिंग करने वाले दूल्हे के पिता और उसके छोटे भाई यानी दूल्हे के चाचा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। हर्ष फायरिंग का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की है।

पुलिस के अनुसार, खुदागंज थाना क्षेत्र के गांव बख़ौरा निवासी हरीश के पुत्र उदय प्रताप सिंह की शादी बीते 27 अप्रैल को थाना क्षेत्र के गांव जलालपुर निवासी एक युवती के साथ हुई थी। दूसरे दिन दुल्हन को विदा करकर हरीश अपने घर पर आये तो गाड़ी से दुल्हन को उतारने के दौरान हरीश व उनके भाई सतेन्द्र ने खुशी जाहिर करते हुए 315 बोर राइफल से ताबड़तोड़ कई राउण्ड फायरिंग की। इस दौरान हर्ष फायरिंग का किसी ने वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रविवार को हरीश और उसके भाई सतेंद्र को गिरफ्तार कर लिया। सतेंद्र और हरीश दोनों भाई है और मूल रूप से जनपद बदायूं के रहने वाले है। हरीश कुछ समय से यह परिवार सहित अपनी सुसराल बख़ौरा गांव में आकर रहने लगे।

हरीश के नाम रायफल का लाइसेंस है और उसी रायफल से उसने फायरिंग की थी। जबकि सतेन्द्र ने शादी मे आये अपने रिस्तेदार सुधीश कुमार सिंह के असलहा से फायर किए थे। क्षेत्राधिकारी तिलहर ज्योति यादव ने रविवार को बताया कि हरीश, सतेंद्र और सुधीश के विरुद्ध बीएनएस की धारा 125 तथा आर्म्स एक्ट की धारा 27 एवं 30 के अंतर्गत प्राथिमिकी दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

फाइनेंस ट्रैक्टर घोटाला उजागर, सात ट्रैक्टर बरामद ,लाखों की धोखाधड़ी का मामला दर्ज

बिजनौर। जनपद में फाइनेंस कंपनियों के माध्यम से ट्रैक्टर खरीद-बिक्री में बड़े घोटाले का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, एक संगठित गिरोह द्वारा विभिन्न वित्तीय कंपनियों से फाइनेंस पर ट्रैक्टर खरीदकर उनके नंबर प्लेट, चेसिस नंबर व अन्य अभिलेखों में कूटरचना कर बिना भुगतान किए ही आगे बेच दिया जाता था।

इस प्रक्रिया में दो-तीन बार तक ट्रैक्टरों की खरीद-फरोख्त की गई, जिससे फाइनेंस कंपनियों को भारी नुकसान हुआ। मामले में महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंस कंपनी और एयू स्मॉल फाइनेंस कंपनी ने 27 अप्रैल 2026 को अपने-अपने ट्रैक्टर गायब होने की शिकायत दर्ज कराई। वहीं, चोला मंडलम फाइनेंस कंपनी द्वारा भी एक ट्रैक्टर के गायब होने के संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। सभी मामलों में थाना कोतवाली देहात, बिजनौर में भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है। पुलिस की विवेचना के दौरान करीब 53 लाख रुपये मूल्य के 7 ट्रैक्टर बरामद किए गए हैं। बरामद ट्रैक्टरों में स्वराज, महिंद्रा, सोनालिका और न्यू हॉलैंड कंपनियों के मॉडल शामिल हैं। सभी ट्रैक्टरों को अलग-अलग स्थानों से कब्जे में लिया गया।

पुलिस के अनुसार, इस गिरोह के सदस्य ट्रैक्टरों को फर्जी कागजात तैयार कर अन्य जिलों में बेच देते थे, जिससे फाइनेंस कंपनियों को यह पता ही नहीं चल पाता था कि ट्रैक्टर किसके पास हैं और लोन डिफॉल्ट होने के बाद भी रिकवरी संभव नहीं हो पाती थी। इस मामले में तीन आरोपियों के नाम सामने आए हैं, जिनमें जावेद (निवासी ग्राम गांगपुर, थाना कोतवाली देहात), संजीव कुमार (निवासी थाना किरतपुर क्षेत्र) और भूपेंद्र सिंह (निवासी मोहम्मदपुर देवमल, थाना मंडावर) शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार, ये सभी आरोपी फिलहाल फरार हैं और उनकी गिरफ्तारी के लिए दो पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। पुलिस क्षेत्राधिकारी संग्राम सिंह ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ अन्य जनपदों में भी इसी प्रकार की धोखाधड़ी के मामले सामने आ सकते हैं, जिनकी जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षामित्रों को पहचान और संबल दे रही योगी सरकार 5 मई को गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी करेंगे सम्मान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने शिक्षामित्रों के मानदेय में वृद्धि के बाद अब उनके सम्मान को भी प्राथमिकता देते हुए व्यापक तैयारी शुरू कर दी है। इस पहल को प्रदेशव्यापी स्वरूप देते हुए आगामी 5 मई को गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राज्यस्तरीय भव्य कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे।18,000 प्रतिमाह मानदेय के साथ लगभग 1.43 लाख शिक्षामित्रों को इस प्रक्रिया से जोड़ा जाएगा, जिसके माध्यम से पूरे प्रदेश में यह स्पष्ट संदेश जाएगा कि शिक्षा व्यवस्था की नींव को मजबूत करने वाले शिक्षामित्रों को अब उचित पहचान और संबल मिल रहा है।

शिक्षामित्रों को अप्रैल माह से ही बढ़े हुए मानदेय का लाभ मिलना शुरू हो चुका है और अब 5 मई को गोरखपुर के बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह से मुख्यमंत्री इसके औपचारिक शुभारंभ के साथ शिक्षामित्रों से संवाद भी करेंगे। सुबह 11 बजे होने वाले इस कार्यक्रम के समानांतर सभी जनपदों में भी आयोजन कर इसे व्यापक रूप दिया जाएगा।

परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत लगभग 1.43 लाख शिक्षामित्रों के लिए लिया गया यह निर्णय अब पूरी तरह लागू हो चुका है। 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी इस व्यवस्था के अंतर्गत बेसिक शिक्षा के 13,597 और समग्र शिक्षा के 1,29,332 शिक्षामित्रों को 18,000 प्रतिमाह की दर से भुगतान किया जा रहा है, जिससे उनका आर्थिक सशक्तीकरण हुआ है।योगी सरकार शिक्षा क्षेत्र में सुधार और बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। मानदेय में

प्रदेशभर के सभी जनपदों में भी होंगे समानांतर आयोजन, करीब 1.43 लाख शिक्षामित्र होंगे लाभान्वित

वृद्धि और यह पहल शिक्षामित्रों के मनोबल को बढ़ाने के साथ-साथ विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता को भी नई दिशा देगी। गोरखपुर में होने वाला यह आयोजन शिक्षा सुधार के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दूरदर्शन और मुख्यमंत्री के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर किया जाएगा, जिससे प्रदेशभर के शिक्षामित्र इस अवसर के साक्षी बन सकें। साथ ही, सभी जनपदों में भी समानांतर रूप से आयोजन किए जाएंगे, जहां स्थानीय स्तर पर जन-प्रतिनिधियों, अधिकारियों, शिक्षकों और शिक्षामित्रों की भागीदारी उल्लेखनीय होगी।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव पुलिस जांच में जुटी

बिजनौर। शिवाला कलां थाना क्षेत्र के गांव सरकथल में रविवार सुबह एक युवक का शव पेड़ से लटका हुआ मिला। युवक की पहचान सरकथल निवासी 20 वर्षीय अजय सैनी के रूप में हुई है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्राम प्रधान की सूचना पर शिवाला कलां थाना प्रभारी लखपत सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पेड़ से उतारा और आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक अजय सैनी अपनी मां और छोटे भाई के साथ गांव में ही रहता था। वह कक्षा आठ तक पढ़ा था। गांव वालों के अनुसार, वह नशा करने का आदी था। हालांकि, उसने आत्महत्या क्यों की, इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस मामले में अग्रिम कार्रवाई कर रही है।

मुंबई और लखनऊ के बीच मैच में हार्दिक और सूर्यकुमार पर होगी निगाह

मुंबई। मुंबई इंडियंस को यदि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए अगर मगर की कठिन डगर की उम्मीदें जीवंत रखनी हैं तो सबसे निचले पायदान पर काबिज लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ सोमवार को यहां होने वाले मुकाबले में उसके कप्तान हार्दिक पंड्या और प्रमुख बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

पंड्या (146 रन और चार विकेट) और सूर्यकुमार (186) का अब तक का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है, जिससे मुंबई को काफी नुकसान हुआ है। विशेषकर तब जबकि पूर्व कप्तान रोहित शर्मा हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण नहीं खेल पा रहे हैं। वह हालांकि अब वापसी की राह पर हैं। पांच बार की आईपीएल विजेता मुंबई इंडियंस नौ मैचों में सिर्फ दो जीत के साथ अंक तालिका में नौवें स्थान पर है। उसकी आईपीएल प्लेऑफ में जगह बनाने की उम्मीदें लगभग खत्म हो चुकी हैं। मुंबई को अगर मगर से क्वालीफाई करने की उम्मीद बनाए रखने के लिए अपने बाकी बचे सभी मैच जीतने होंगे और साथ ही अन्य टीम के परिणाम भी अपने अनुकूल रहने के लिए प्रार्थना करनी होगी। उसके प्रमुख खिलाड़ी अभी तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। मुंबई के खराब प्रदर्शन से हार्दिक की कप्तानी भी सवालों के घेरे में आ गई है। रणनीति के मामले में वह पूरी तरह नाकाम रहे हैं।

मुंबई के बल्लेबाज एकजुट होकर प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं जबकि हार्दिक का बल्ले और गेंद दोनों से साधारण प्रदर्शन रहा है। गेंदबाजी में हार्दिक का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा है, लेकिन उनकी बल्लेबाजी में काफी सुधार की जरूरत है। सूर्यकुमार अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में तब्दील करने में नाकाम रहे हैं, जो वास्तव में चिंता का विषय है क्योंकि अब वह पहले की तरह गेंदबाजों पर हावी नहीं हो पा रहे हैं।

भारत की टी20 टीम के कप्तान ने 2025 में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था। उन्होंने 2026 की अच्छी शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद उनका बल्ला नहीं चल पाया। वह न तो पूरी तरह से फॉर्म से बाहर नजर आ रहे हैं और ना ही वह क्रीज पर लंबा समय बिता पाए हैं। मुंबई इंडियंस और एलएसजी का इस सत्र में प्रदर्शन एक जैसा रहा है। यह दोनों ही टीमें बल्लेबाजों की सामूहिक विफलता से जूझ रही हैं, जिसने अंतिम चार में पहुंचने की उनकी संभावनाओं को काफी हद तक धूमिल कर दिया है।

एलएसजी के कप्तान ऋषभ पंत भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। उनकी टीम लगातार पांच मैच हारकर अंक तालिका में सबसे नीचे खिसक गई है। एलएसजी ने पहले मैच में हार के साथ शुरुआत करने के बाद लगातार दो जीत से वापसी की। हालांकि जब उनकी टीम को अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए था तब वह ऐसा नहीं कर पाई। उसके गेंदबाजों का प्रदर्शन शानदार रहा है लेकिन बल्लेबाजों की कमजोरी उसकी राह में रोड़ा बन रही है।

एलएसजी के पिछले मैच में मोहसिन खान ने 23 रन देकर पांच विकेट लिए थे लेकिन उनका यह शानदार प्रयास टीम को दो अंक नहीं दिला पाया क्योंकि सुपर ओवर में खराब फॉर्म में चल रहे निकोलस पूरन को भेजने का फैसला गलत साबित हुआ। कप्तान पंत खुद ऐसे मोड़ पर खड़े हैं जहां सीमित ओवरों के उनके खेल पर सवाल उठ रहे हैं।

भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज को भी अपनी टीम के लिए स्थिति को पलटने की चुनौती का सामना करना पड़ेगा क्योंकि एलएसजी के लिए यह सप्ताह काफी व्यस्त है और उसे सात दिन के अंदर तीन मैच खेलने हैं।

इस प्रकार हैं टीम

मुंबई इंडियंस: हार्दिक पंड्या (कप्तान), रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), क्विंटन डीकॉक (विकेटकीपर), दानिश मालेवार, रॉबिन मिंज , रोहित शर्मा, शेरफेन रदरफोर्ड, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, विल जैक्स, मयंक रावत, नमन धीर, शार्दुल ठाकुर, अश्विनी कुमार, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमरी, दीपक चाहर, एएम गजनफर, कृष भगत, केशव महाराज, मयंक मारकंडे, मोहम्मद इजहार, रघु शर्मा।

लखनऊ सुपर जाइंट्स: ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), अब्दुल समद, अक्षत रघुवंशी, आयुष बडोनी, मुकुल चौधरी, हिम्मत सिंह, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), एडेन मार्क्रम, निकोलस पूरन , अर्शिन कुलकर्णी, जॉर्ज लिंडे, मिचेल मार्श, शाहबाज अहमद, आकाश सिंह, अवेश खान, मोहम्मद शमी, मोहसिन खान, एनरिक नोर्किया, प्रिंस यादव, दिग्वेश राठी, मणिमारन सिद्धार्थ, अर्जुन तेंदुलकर, नमन तिवारी, मयंक यादव।

मैच शाम 7:30 बजे शुरू होगा।

मित्तल परिवार ने राजस्थान रॉयल्स में 75% हिस्सेदारी खरीदी

नई दिल्ली। उद्योगपति लक्ष्मी एन मित्तल और उनके बेटे आदित्य मित्तल ने अदार पूनावाला के साथ मिलकर 1.65 अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग 15,600 करोड़ रुपये) की बोली लगाकर राजस्थान रॉयल्स में सबसे अधिक हिस्सेदारी हासिल कर ली है। उन्होंने कल सोमानी-रॉब वाल्टन-शीला फोर्ड हैम्प के समूह के दौड़ से हटने के बाद यह सौदा किया। इस सौदे में दी गई राशि (1.65 बिलियन अमेरिकी डॉलर) राजस्थान रॉयल्स की पुरुष फ्रेंचाइजी पार्ल रॉयल्स और बारबाडोस रॉयल्स के उद्यम मूल्य को दर्शाती है।

यह सौदा बीसीसीआई, सीसीआई, आईपीएल संचालन परिषद और अन्य लागू नियामक प्राधिकरणों के अनुमोदन सहित अन्य शर्तों के अधीन है। यह सौदा 2026 की तीसरी तिमाही में पूरा होने की उम्मीद है। इससे पहले सोमानी के नेतृत्व वाले अमेरिका स्थित समूह ने 1.63 बिलियन अमेरिकी डॉलर की पेशकश की थी, लेकिन सूत्रों के अनुसार कई मुद्दों के कारण यह उचित जांच प्रक्रिया में खरा नहीं उतर पाया। मित्तल परिवार ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''लक्ष्मी एन मित्तल और आदित्य मित्तल ने आज घोषणा की है कि अदार पूनावाला के साथ मिलकर मनोज बदाले और उनके समूह से राजस्थान रॉयल्स का अधिग्रहण करने के लिए एक निश्चित समझौते पर सहमति बन गई है।'' प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मित्तल परिवार के पास राजस्थान रॉयल्स का लगभग 75 प्रतिशत जबकि पूनावाला के पास लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा होगा। शेष लगभग सात प्रतिशत हिस्सेदारी मनोज बदाले सहित मौजूदा निवेशकों के पास रहेगी।

राजस्थान रॉयल्स के बोर्ड में अब लक्ष्मी एन मित्तल, आदित्य मित्तल, वनिषा मित्तल भाटिया, अदार पूनावाला और बदाले शामिल होंगे। राजस्थान रॉयल्स आईपीएल टीम के अलावा दक्षिण अफ्रीका में पार्ल रॉयल्स और वेस्टइंडीज में बारबाडोस रॉयल्स का भी मालिक है। उत्तरी राजस्थान के सादुलपुर में जन्में लक्ष्मी एन मित्तल ने कहा, ''मुझे क्रिकेट से प्यार है और मेरा परिवार राजस्थान से है, इसलिए आईपीएल में मैं किसी अन्य टीम का हिस्सा बनने के बजाय राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा बनना पसंद करूंगा।''

विनेश ने पक्षपात की आशंका जताई, कहा कि गोंडा में किसी भी घटना के लिए सरकार जिम्मेदार होगी

नई दिल्ली। सीनियर महिला पहलवान विनेश फोगाट ने रविवार को चेतावनी दी कि गोंडा में आगामी राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट के दौरान उनके या उनकी टीम के सदस्यों के साथ कुछ भी अप्रिय घटना होने पर भारत सरकार जिम्मेदार होगी। इसके साथ ही उन्होंने प्रतियोगिता में ''पक्षपातपूर्ण फैसलों'' की आशंका भी जताई।

विनेश ने लगभग 18 महीनों के बाद वापसी करने से पहले एक वीडियो संदेश में आरोप लगाया कि बृज भूषण शरण सिंह से जुड़े स्थल पर होने वाली प्रतियोगिता के परिणामों पर भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख के करीबी व्यक्ति प्रभाव डाल सकते हैं। विनेश ने कहा, ''प्रतियोगिता के दौरान अगर मेरे, मेरी टीम या समर्थकों के साथ कोई अप्रिय घटना घटती है तो इसके लिए भारत सरकार जिम्मेदार होगी।'' उन्होंने प्रतियोगिता के दौरान पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मीडिया और खेल समुदाय से आयोजन स्थल पर उपस्थित रहने का आग्रह किया। विनेश ने कहा, ''यह टूर्नामेंट ऐसी जगह आयोजित किया जा रहा है जहां उनका (बृज का) काफी प्रभाव है। किसी मुकाबले में कौन रेफरी होगा, कितने अंक दिए जाएंगे, मैट चेयरमैन कौन होगा, सब कुछ उनके और उनके लोगों के नियंत्रण में है।''

पिछले कुछ महीनो से अभ्यास कर रही इस 31 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि वह ''ईमानदारी से'' कुश्ती में वापसी करना चाहती हैं और देश के लिए फिर से पदक जीतना चाहती हैं, लेकिन उन्होंने निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को लेकर संदेह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ''मुझे किसी तरह का विशेषाधिकार या विशेष व्यवहार नहीं चाहिए। मैं बस इतना चाहती हूं कि परिणाम प्रदर्शन के अनुकूल हों।'' गौरतलब है कि विनेश अब राजनीतिज्ञ भी हैं, जिन्होंने अक्टूबर 2024 में कांग्रेस के टिकट पर जुलाना निर्वाचन क्षेत्र से हरियाणा राज्य विधानसभा चुनाव जीता था।

विनेश ने एक ऐसे माहौल में प्रतिस्पर्धा करने के मानसिक दबाव पर भी चिंता व्यक्त की जिसे उन्होंने शत्रुतापूर्ण करार दिया, क्योंकि वह सिंह के खिलाफ चल रहे यौन उत्पीड़न मामले में एक शिकायतकर्ता है। विनेश ने पीड़ितों की पहचान और गरिमा को लेकर उच्चतम न्यायालय के दिशानिर्देशों का हवाला देते हुए कहा कि परिस्थितियों के कारण उन्हें सार्वजनिक रूप से बोलने के लिए विवश होना पड़ा। उन्होंने कहा, ''मैं उन छह महिला पहलवानों में से एक हूं जिन्होंने शिकायत दर्ज कराई है। मामला अभी अदालत में है और गवाहों से पूछताछ चल रही है। उससे जुड़े किसी स्थान पर प्रतिस्पर्धा करना, जहां अधिकतर लोग उससे संबंधित हो सकते हैं, मुझ पर अत्याधिक मानसिक दबाव बनाता है।'' विनेश ने कहा, ''मुझे संदेह है कि मैं उस माहौल में अपना शत प्रतिशत दे पाऊंगी।''

उन्होंने अधिकारियों पर निष्क्रियता का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार और खेल मंत्रालय ''तमाशबीन की तरह देख रहे थे'' और उन्होंने सिंह को ''पूरी छूट'' दे दी थी। विनेश गोंडा में महिलाओं के 57 किलोग्राम भार वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी। इससे पहले वह 50 किलोग्राम और 53 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा कर चुकी हैं। विनेश ने 2024 में पेरिस ओलंपिक खेलों में अधिक वजन के कारण फाइनल से अयोग्य घोषित होने के बाद से किसी प्रतियोगिता में भाग नहीं लिया है। उससे पहले सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर प्रमुख पहलवानों और डब्ल्यूएफआई के बीच लंबे समय तक गतिरोध बना रहा था।

शिमकेंट में उपविजेता रहे मानस धामने

नई दिल्ली। भारत के युवा खिलाड़ी मानस धामने अपने पहले एटीपी चैलेंजर एकल फाइनल में खिताब जीतने से चूक गए और उन्हें रविवार को कजाकिस्तान के शिमकेंट में खेले गए एक कड़े मुकाबले में बेल्जियम के बुवैसर गदामौरी से हार का सामना करना पड़ा। इस 18 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने दो घंटे से अधिक समय तक चले मुकाबले में 6-7(8), 4-6 से हारने से पहले अपनी प्रतिद्वंद्वी के सामने कड़ी चुनौती पेश की। धामने ने पहले सेट में अपने अधिक अनुभवी प्रतिद्वंद्वी को टाई-ब्रेक तक खींच लिया और यहां तक कि सेट प्वाइंट भी हासिल किया लेकिन गदामौरी 10-8 से जीत दर्ज करने में सफल रहे। भारतीय खिलाड़ी दूसरे सेट में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाया और बेल्जियम के खिलाड़ी ने निर्णायक बढ़त हासिल करके खिताब अपने नाम कर दिया। फाइनल में हार के बावजूद धामने का प्रदर्शन अच्छा रहा और वह पहली बार शीर्ष 400 में जगह बनाने के लिए तैयार हैं।

मनसुख मांडविया ने मदिकेरी में उभरते हॉकी खिलाड़ियों से की मुलाकात, बताया- 'भविष्य के ओलंपियन'

मदिकेरी। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने कर्नाटक के मदिकेरी स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) प्रशिक्षण केंद्र का दौरा कर युवा हॉकी खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों से प्रतिभाओं को पहचानने और निखारने पर जोर देते हुए भारत को खेल महाशक्ति बनाने की दिशा में इसे अहम बताया।

मांडविया ने विशेष रूप से कोडवा समुदाय की महिला हॉकी खिलाड़ियों से बातचीत की और उनकी प्रतिभा की सराहना की। उन्होंने कहा कि कोडगु जिला भारतीय हॉकी की मजबूत नींव रखने वाले क्षेत्रों में से एक रहा है। इस समुदाय से कई खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और ओलंपिक में भी हिस्सा ले चुके हैं। खेल मंत्री ने कहा कि देश में खेलों के लिए व्यापक और मजबूत ढांचा तैयार किया जा रहा है, जिसमें जमीनी स्तर से प्रतिभाओं को आगे लाना प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत के पास प्रतिभा की कोई कमी नहीं है और सही दिशा में प्रयासों से देश वैश्विक स्तर पर खेलों में मजबूत पहचान बना सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार खेल इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए हर संभव कदम उठा रही है। बड़े खेल आयोजनों की मेजबानी भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

मांडविया ने उम्मीद जताई कि वर्ष 2030 में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें शानदार प्रदर्शन करेंगी। मदिकेरी स्थित साई प्रशिक्षण केंद्र आधुनिक सुविधाओं से लैस है और यहां युवा खिलाड़ियों को उच्च स्तर का प्रशिक्षण दिया जाता है। यह केंद्र देश के विभिन्न राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों के लिए प्रतिभाएं तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

मांडविया ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ये युवा खिलाड़ी भविष्य में भारत का नाम रोशन कर सकते हैं और अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की क्षमता रखते हैं।

कबाड़ वाहन नियम के कारण 2025-26 में वाहन उद्योग को 25,000 करोड़ रुपये के नुकसान की आशंका

नई दिल्ली। भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग को वित्त वर्ष 2025-26 के शुद्ध लाभ में लगभग 25,000 करोड़ रुपये के नुकसान की आशंका है, क्योंकि पर्यावरण संरक्षण नियमावली 2025 के तहत वाहन विनिर्माताओं को अतीत में बेचे गए वाहनों के लिए पर्यावरण मुआवजे हेतु बजटीय प्रावधान करना होगा।

उद्योग के अधिकारियों के अनुसार पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जनवरी 2025 में अधिसूचित पर्यावरण संरक्षण नियमावली ,2025 में एक साधारण दिखने वाले उपबंध ने वाहन विनिर्माताओं को उस समय डरा दिया, जब उनके ऑडिटरों ने इसके परिणामों की गंभीरता की ओर इशारा किया। जनवरी 2025 की अधिसूचना का नियम 4 (6) कहता है, ''यदि विनिर्माता अपना परिचालन बंद कर देता है, तो विनिर्माता को परिचालन बंद होने तक बाजार में पहले से उपलब्ध कराए गए वाहनों के संबंध में अपनी ईपीआर का पालन करना होगा। एक उद्योग कार्यकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि यह नियम लेखा मानक 'इंड एएस AS 37- प्रावधान, आकस्मिक देनदारियां और आकस्मिक संपत्ति' को सक्रिय करता है, जिसका अर्थ है कि वाहन विनिर्माताओं को पिछले 20 वर्षों में बेचे गए निजी वाहनों और 15 वर्षों में बेचे गए वाणिज्यिक वाहनों के लिए ईपीआर प्रमाणपत्रों की लागत हेतु पर्याप्त वित्तीय प्रावधान करने होंगे।

एक अन्य उद्योग अधिकारी ने कहा कि इस नियम के कारण ऑटो कंपनियों को अतीत में बेचे गए वाहनों के लिए ईपीआर के प्रावधान करने होंगे, भले ही उनका बाजार से बाहर निकलने का कोई इरादा न हो, जिससे धनराशि फंस जाएगी और मुनाफा प्रभावित होगा।

शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में चार का बाजार पूंजीकरण 2.20 लाख करोड़ रुपये बढ़ा

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्रों के बावजूद शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में चार के संयुक्त बाजार मूल्यांकन में 2.20 लाख करोड़ रुपये का उछाल आया। इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक लाभ में रही। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 249.29 अंक या 0.32 प्रतिशत चढ़ा।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के शोध विभाग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजीत मिश्रा ने कहा, "मिश्रित वैश्विक और घरेलू संकेतों के बीच उतार-चढ़ाव भरे और सीमित दायरे वाले कारोबारी माहौल को दर्शाते हुए बाजारों ने सप्ताह का अंत मामूली बढ़त के साथ किया।" इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएम) और बजाज फाइनेंस लाभ में रहे। दूसरी ओर एचडीएफसी बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय जीवन बीमा निगम के मूल्यांकन में कुल मिलाकर 1.24 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 1,39,655.8 करोड़ रुपये बढ़कर 19,36,303.30 करोड़ रुपये हो गया। भारती एयरटेल का मूल्यांकन 43,503.51 करोड़ रुपये बढ़कर 11,49,222.13 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। दूसरी ओर, आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 45,364.62 करोड़ रुपये घटकर 9,04,980.78 करोड़ रुपये रह गया।

भारतीय स्टेट बैंक का मूल्यांकन 30,922.57 करोड़ रुपये गिरकर 9,85,829.96 करोड़ रुपये पर आ गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी का स्थान रहा।

सीगल इंडिया के संयुक्त उद्यम सीआईएल-सैम को जयपुर मेट्रो से 918 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला

नई दिल्ली। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की कंपनी सीगल इंडिया लिमिटेड ने रविवार को कहा कि उसके संयुक्त उद्यम सीआईएल-सैम इंडिया को जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड से डिजाइन और निर्माण कार्यों के लिए 918.04 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। सीगल इंडिया ने एक बयान में कहा कि सीआईएल-सैम इंडिया को दिए गए इस अनुबंध में जयपुर मेट्रो के फेज-2 विस्तार के तहत 10.8 किलोमीटर के हिस्से में एक ऊंचे वायडक्ट और दस ऊंचे मेट्रो स्टेशनों का डिजाइन और निर्माण शामिल है।

सीआईएल-सैम में सीगल इंडिया की 74 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि शेष 26 प्रतिशत हिस्सेदारी सैम इंडिया बिल्टवेल प्राइवेट लिमिटेड के पास है। बयान में कहा गया कि परियोजना की कुल बोली लागत 918.04 करोड़ रुपये (18 प्रतिशत जीएसटी सहित) है, जिसे 34 महीनों की समय सीमा में पूरा किया जाना है। सीगल इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक रमनीक सहगल ने बयान में कहा, "जयपुर मेट्रो फेज-2 के इस पैकेज को हासिल करना सीगल के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, क्योंकि हम सड़कों और राजमार्गों से आगे बढ़कर शहरी गतिशीलता परियोजनाओं में अपने बुनियादी ढांचा पोर्टफोलियो का विविधीकरण कर रहे हैं।"

बीते सप्ताह सरसों तेल-तिलहन, सोयाबीन तिलहन, पाम-पामोलीन और बिनौला तेल में सुधार

नई दिल्ली। बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन मंडियों में सस्ता होने के कारण मांग बढ़ने से सरसों तेल-तिलहन, डीओसी की स्थानीय मांग बढ़ने से सोयाबीन तिलहन, गर्मियों में औद्योगिक मांग बढ़ने के कारण कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा उपलब्धता घटने और मांग होने से बिनौला तेल के दाम में सुधार आया। दूसरी ओर ऊंचे भाव पर मांग प्रभावित रहने से मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में गिरावट आई जबकि आयातकों द्वारा लागत से नीचे दाम पर बिकवाली के बीच सोयाबीन तेल कीमतें स्थिर रहीं।

बाजार सूत्रों ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह में सरसों तेल की आवक कम बनी रही जबकि सोयाबीन तेल से सरसों तेल क दाम उत्तर भारत (हरियाणा और दिल्ली) में 12-14 रुपये किलो सस्ता है जबकि देश में अन्य स्थानों पर यह 7-8 रुपये किलो सस्ता है। इस कारण कम आयवर्ग में भी सरसों तेल की मांग बढ़ रही है। इन वजहों से बीते सप्ताह सरसों तेल-तिलहन के दाम में सुधार आया। उन्होंने कहा कि सरसों तेल के रिफाइंड भी बनाये जा रहे हैं और खपत की ये रफ्तार आगे जाकर दिक्कत पैदा कर सकता है। सरकार को इस वक्त सरसों का स्टॉक बनाने की ओर विशेष ध्यान देना होगा जो आड़े वक्त फायदेमंद साबित हो सकता है। इसके अलावा बाजार में सटोरिये भी हावी दिख रहे हैं जो सरसों का स्टॉक बनाने की जुगत कर रहे हैं ताकि दाम बढ़ने पर वे मौके का फायदा ले सकें।

उन्होंने कहा कि ऐसे कुछ समीक्षकों द्वारा सरसों की आवक के बारे में पेश किया जाने वाला अनुमान, उनके अपने फायदे और किसानों का मनोबल तोड़कर उनकी ऊपज सस्ते में हड़पने की कोशिशों से प्रेरित मालूम पड़ता है। इसके प्रति सजगता बरतने की जरुरत है। उन्होंने कहा कि देश में सोयाबीन के तेल-रहित खल (डी-आयल्ड केक या डीओसी) की मांग बढ़ रही है जिस वजह से बीते सप्ताह सोयाबीन तिलहन के दाम में सुधार दिखा। जबकि आयातकों द्वारा लागत से नीचे दाम पर बिकवाली करने की वजह से समीक्षाधीन सप्ताहांत में सोयाबीन तेल के दाम अपने पूर्व सप्ताहांत के स्तर पर ही स्थिर बने रहे।

समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 375-375 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 6,525-6,575 रुपये और 6,175-6,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दूसरी ओर मांग की कमी और आयातित सोयाबीन डीगम तेल की लागत से कम दाम पर बिकवाली होने के बीच, दिल्ली में सोयाबीन तेल 16,000 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 15,850 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 12,550 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर रुख के साथ बंद हुए।

दूसरी ओर, मूंगफली तिलहन का दाम 100 रुपये की गिरावट के साथ 6,650-7,125 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 250 रुपये की गिरावट के साथ 15,750 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 30 रुपये की गिरावट के साथ 2,500-2,800 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 225 रुपये के सुधार के साथ 13,650 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 100 रुपये बढ़कर 15,450 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 150 रुपये की मजबूती के साथ 14,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सुधार के आम रुख के अनुरूप, बिनौला तेल का दाम 150 रुपये के सुधार के साथ 15,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

कोयला गैसीकरण परियोजनाओं के लिए 37,500 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना को जल्द मिल सकती है मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल जल्द ही कोयला गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए 37,500 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दे सकता है। सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए कहा कि इससे स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने और आयात पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि कोयला मंत्रालय ने कोयला गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने की योजना पर पहले ही एक कैबिनेट नोट तैयार कर लिया है, जिसका वित्तीय परिव्यय 37,500 करोड़ रुपये है।

प्रस्तावित योजना का मकसद देश भर में सतह कोयला और लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं में तेजी लाना है। इसका लक्ष्य एलएनजी, यूरिया, अमोनियम नाइट्रेट, अमोनिया, डीआरआई के जरिये से कोकिंग कोल, मेथनॉल और डीएमई जैसी महत्वपूर्ण वस्तुओं पर आयात निर्भरता कम करके आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। साथ ही, यह ईंधन और रसायनों के उत्पादन के लिए घरेलू कोयला और लिग्नाइट संसाधनों के उपयोग को बढ़ाएगा और 2030 तक 10 करोड़ टन कोयला गैसीकरण क्षमता के राष्ट्रीय लक्ष्य का समर्थन करेगा। उन्होंने कहा कि यह बिना किसी श्रेणी वाली एक एकीकृत योजना है, और एक एकल परियोजना के लिए अधिकतम वित्तीय सहायता 3,000 करोड़ रुपये है।

सूत्रों ने बताया कि गैसीकरण परियोजनाओं के लिए पिछली वित्तीय प्रोत्साहन योजना में सरकार ने तीन श्रेणियों के तहत वित्तीय सहायता दी थी, जिसमें निजी क्षेत्र के लिए प्रति परियोजना अधिकतम 1,000 करोड़ रुपये और पीएसयू के लिए प्रति परियोजना 1,350 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन शामिल था।

मेरे लिए भावनात्मक सफर रहा है इंस्पेक्टर अविनाश: उर्वशी रौतेला

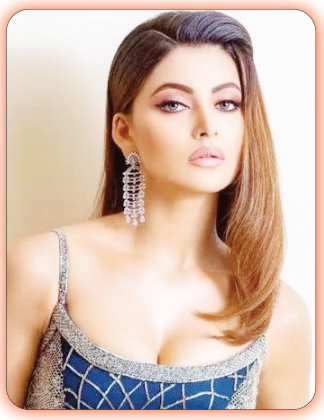

मुंबई। मेकर्स क्राइम और सस्पेंस से भरपूर वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश के दूसरे सीजन के साथ पुनः दर्शकों के बीच लौटने की तैयारी कर रहे हैं। सीरीज में एक बार फिर उर्वशी रौतेला एक अहम और दमदार किरदार निभाती नजर आएंगी, जिसे वह अपने करियर के सबसे खास और परिवर्तनकारी किरदारों में से एक मानती हैं। इस बार कहानी पहले से कहीं ज्यादा रोमांच और गहराई से भरी होगी। अपने किरदार और सीरीज के बारे में बात करते हुए उर्वशी रौतेला ने कहा, मेरे लिए इंस्पेक्टर अविनाश सिर्फ एक सीरीज नहीं, बल्कि एक भावनात्मक सफर रहा है। मेरा किरदार असली जिंदगी से प्रेरित है, इसलिए इसे मैंने जिम्मेदारी के साथ निभाने की कोशिश की है। निर्देशक नीरज पाठक की लिखी स्क्रिप्ट ने मुझपर काफी प्रभाव डाला है। जैसे ही मैंने कहानी पढ़ी, मुझे महसूस हुआ कि यह किरदार सिर्फ अभिनय करने का मौका नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने आगे कहा, सीरीज का दूसरा सीजन अपराध और पुलिस की दुनिया को गहराई से दिखाएगा। हालांकि, इस बार कहानी सिर्फ अपराध और जांच तक सीमित नहीं रहेगी। इसमें उन परिवारों की जिंदगी को भी दिखाया जाएगा, जो पुलिस अधिकारियों के साथ हर मुश्किल दौर में खड़े रहते हैं। मेरा किरदार इसी भावनात्मक पक्ष को सामने लाएगा। सीरीज यह दिखाने की कोशिश करेगी कि एक पुलिस अधिकारी की नौकरी सिर्फ उसी इंसान को नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार को प्रभावित करती है। उनके परिवारों को भी डर, तनाव और त्याग के साथ जीना पड़ता है, जिसकी झलक अक्सर पर्दे पर नहीं दिखाई जाती।

सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं दीपिका सिंह

दीपिका सिंह ने शादी की सालगिरह पर पति के लिए 'धैर्य और शांति' की कामना की

मुंबई। लोकप्रिय टेलीविजन अभिनेत्री दीपिका सिंह ने पति रोहित राज गोयल के साथ शादी की सालगिरह मनाई। दीपिका सिंह ने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने पार्टनर के साथ कुछ अनदेखे पल साझा करते हुए नेटिजन्स को अपनी तस्वीरें दिखाईं। प्रार्थना करने से लेकर यात्रा और बस में एक साथ पैर थपथपाने तक इस पोस्ट ने उनके सुखमय पारिवारिक जीवन की झलक दी। दीपिका ने फोटो शेयरिंग ऐप पर लिखा, "हमारी सालगिरह मुबारक हो एक तरफ दुनिया की सारी खुशियां, और दूसरी तरफ पत्नी के सामने चुप रहने की खुशी।" उन्होंने अपने पति को इस विशेष दिन पर 'धैर्य और शांति' की शुभकामनाएं देते हुए कहा, "इस वैवाहिक वर्षगांठ पर, ईश्वर आपको

धैर्य और शांति का नया आशीर्वाद प्रदान करें।" यह जानकर आपको शायद दिलचस्प लगे कि रोहित लोकप्रिय टेलीविजन शो 'दीया और बाती हम' के निर्देशक थे, जिसने दीपिका को घर-घर में मशहूर कर दिया। उनके किरदार संध्या को दर्शकों से बहुत प्यार मिला। उन्होंने 2 मई 2014 को रोहित से शादी की। मई 2017 में दंपति ने अपने पहले बच्चे, एक बेटे का स्वागत किया। फिलहाल, दीपिका एक और लोकप्रिय शो 'मंगल लक्ष्मी' में व्यस्त हैं। हाल ही में, उन्हें संजय लीला भंसाली की फिल्म 'देवदास' में ऐश्वर्या राय बच्चन और माधुरी दीक्षित पर फिल्माए गए 'डोला रे डोला' गाने पर आंखों पर पट्टी बांधकर नृत्य करते हुए देखा गया था। दीपिका ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर शूट की एक झलक साझा की। आंखों पर पट्टी बांधकर डांस करते हुए अपनी कुछ तस्वीरें और वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, "आज के एपिसोड से डोला रे डोला ब्लाइंडफोल्डेड टास्क की कोरियोग्राफी।" इस वीडियो में उन्हें एक जीवंत और भारी कढ़ाई वाला पारंपरिक लहंगा पहने देखा गया, जिसके साथ उन्होंने बारीक डिजाइन वाली चोली और दुपट्टा पहना था। जिन लोगों को इसके बारे में जानकारी नहीं है, उन्हें बता दें कि अभिनय के साथ-साथ दीपिका पिछले कुछ वर्षों से ओडिसी नृत्य भी बड़े चाव से सीख रही हैं।

एल्बम यादों और अनुभवों का अनूठा कलेक्शन: श्रेया घोषाल

मुंबई। बॉलीवुड की प्रतिष्ठित गायिका श्रेया घोषाल ने अपने बेहद खास ऑल हार्ट्स टूर को एक लाइव एल्बम के रूप में अपने प्रशंसकों के लिए पेश किया है, जो उनके वैश्विक संगीत सफर की एक यादगार कड़ी है। यह एल्बम उन यादों, भावनाओं और अनुभवों का एक अनूठा कलेक्शन है, जिन्हें उन्होंने अपने वर्ल्ड टूर के दौरान विभिन्न शहरों और मंचों पर महसूस किया। यह लाइव एल्बम अब सोनी म्यूजिक इंडिया के तहत जारी किया गया है। श्रेया घोषाल ने बताया कि यह सफर उनके जीवन के सबसे खास और यादगार अनुभवों में से एक रहा है। श्रेया घोषाल ने इस एल्बम के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा, यह सफर एक साल से भी ज्यादा समय तक चला और इस दौरान मैंने दुनिया के कई बड़े शहरों में परफॉर्म किया। हर शहर, हर मंच और हर दर्शक मेरे दिल के करीब बनता चला गया। कहीं कार्यक्रम का माहौल इतना ऊर्जावान था कि वह यादगार बन गया, कहीं दर्शकों का अपार प्यार दिल छू लेने वाला था, और कहीं गानों की लिस्ट इतनी खास थी कि वह पल हमेशा के लिए स्मृति में बस गया। यही वजह थी कि मैं और मेरी टीम ने सोचा कि इन सभी खास पलों को सिर्फ यादों तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि इन्हें एक एल्बम के रूप में हमेशा के लिए सुरक्षित कर लेना चाहिए ताकि मेरे प्रशंसक भी इसका हिस्सा बन सकें। उन्होंने आगे कहा, इस एल्बम के लिए गानों का चुनाव करना आसान नहीं था। अलग-अलग शहरों में हुए कार्यक्रमों की रिकॉर्डिंग में कई खूबसूरत पल थे। ऐसे में यह तय करना काफी मुश्किल था कि किन परफॉर्मेंस को चुना जाए, जो उस पल की सही भावना को कैप्चर कर सकें। मेरी कोशिश यही रही कि हर जगह से सबसे बेहतरीन रिकॉर्डिंग को लिया जाए ताकि उस मंच की भावना और ऊर्जा लोगों तक पहुंच सके और वे उस अनुभव को महसूस कर सकें।

नेपाल में तय सीमा पर रासायनिक खाद उपलब्ध नहीं कराई तो लाइसेंस होगा रद्द

काठमांडू। नेपाल के कृषि मंत्रालय ने किसानों को रासायनिक उर्वरक की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नई और कड़ी व्यवस्था के साथ नई कार्यविधि लागू की है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि समय पर खाद की सप्लाई नहीं कर पाने और कालाबाजारी करने वालों का लाइसेंस रद्द किया जायेगा। नेपाल की कृषि मंत्री गीता चौधरी ने 'अनुदानयुक्त उर्वरक वितरण व्यवस्थापन कार्यविधि' के दूसरे संशोधन को मंजूरी दी। इस कार्यविधि के लागू होने के बाद अब किसानों को रासायनिक उर्वरक आसानी से उपलब्ध कराने तथा उर्वरक आपूर्ति और वितरण प्रणाली को व्यवस्थित, पारदर्शी और अधिक प्रभावकारी बनाने का दावा किया गया है। मंत्रालय का मानना है कि इस कार्यविधि को पूरी तरह लागू करने से कृषि उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि होगी, देश की खाद्य सुरक्षा मजबूत होगी और समग्र आर्थिक समृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। संविधान में व्यवस्था किए गए 'खाद्य सम्बन्धी अधिकार' को लागू करने में सहयोग देने के उद्देश्य से लाई गई इस विस्तृत कार्यविधि से उर्वरक कोटा निर्धारण

से लेकर किसानों के खेत तक पहुंचने वाली पूरी प्रक्रिया कानून के दायरे में होगी। अब सरकार लागत साझेदारी के आधार पर किसानों को अनुदान में उर्वरक उपलब्ध कराएगी। बजट की सुनिश्चितता अर्थ मंत्रालय करेगा, जबकि कृषि मंत्रालय मांग और खपत की स्थिति को देखते हुए वार्षिक कोटा तय करेगा। उर्वरक वितरण प्रणाली को वैज्ञानिक बनाने के लिए मंत्रालय ने कोटा निर्धारण के लिए स्पष्ट और गणितीय आधार तय किया है। इसके अनुसार कुल अनुदानयुक्त उर्वरक में खेती योग्य भूमि को 20 प्रतिशत, फसल सघनता को 10 प्रतिशत, सिंचाई उपलब्धता को 20 प्रतिशत, पिछले पांच वर्षों की उर्वरक उपयोग स्थिति को 20 प्रतिशत, मांग की मात्रा को 20 प्रतिशत और व्यावसायिक फसलों के क्षेत्रफल को 10 प्रतिशत भार देकर स्थानीय तह तक कोटा वितरण किया जाएगा। संभावित कमी से बचने के लिए कुल वार्षिक उर्वरक मात्रा का 10 प्रतिशत हिस्सा वितरक कंपनियों को अनिवार्य रूप से 'बफर स्टॉक' के रूप में रखना होगा। यह उर्वरक खाद्य सुरक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण धान, मक्का और गेहूं जैसी प्रमुख फसलों तथा बीज उत्पादन के लिए आपातकालीन स्थिति में उपयोग किया जाएगा। उर्वरक की कालाबाजारी रोकने के लिए सरकार ने आयात बिंदु पर ही उर्वरक की कीमत तय कर दी है। अनुदान वाली उर्वरक की आयात कीमत यूरिया के लिए 14 रुपये प्रति किलो, डीएपी के लिए 43 रुपये प्रति किलो और पोटाश के लिए 31 रुपये प्रति किलो निर्धारित की गई है। अंतिम उपभोक्ता मूल्य तय करते समय इस कीमत में केवल स्थानीय समिति तय परिवहन दर और विक्रेता के संचालन तथा प्रबंधन खर्च के रूप में अधिकतम 1 रुपया प्रति किलो ही जोड़ सकेंगी। पारदर्शिता बनाए रखने के लिए कार्यविधि में स्पष्ट किया गया है कि स्थानीय तह को बिक्री मूल्य की सूची अपने कार्यालय और विक्रेता के बिक्री केंद्र पर सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करनी होगी। उर्वरक वितरण की जिम्मेदारी मुख्य रूप से स्थानीय कृषि सहकारी संस्थाओं को प्राथमिकता के आधार पर दी जाएगी। सहकारी संस्था न होने पर ही अन्य फर्म या कंपनियों को विक्रेता नियुक्त किया जाएगा। विक्रेता नियुक्ति के लिए पंजीकरण प्रमाणपत्र, लेखा परीक्षण प्रतिवेदन, पैन नंबर, गोदामघर तथा नापतौल मशीन की व्यवस्था अनिवार्य की गई है।कृषि मंत्री चौधरी ने स्पष्ट किया है कि तय मानक के आधार पर किसानों को तय समय के भीतर खाद की उपलब्धता नहीं कराने पर वितरक का लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोई भी वितरक खाद की कालाबाजारी में संलिप्त पाया जाता है, तो उनका भी लाइसेंस रद्द किया जाएगा।

नेपाल: हवाई ईंधन में भारी बढ़ोत्तरी से घरेलू उड़ान बंद होने के कगार पर

काठमांडू। नेपाल की आन्तरिक उड़ान संचालन कर रही निजी विमान सेवा कंपनियों ने कहा है कि हवाई ईंधन की कीमत में अत्यधिक वृद्धि होने के कारण उनकी सेवाएँ बंद होने की स्थिति में पहुँच गई हैं। विमान सेवा संचालक संघ ने संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मंत्री गणेश पौडेल को पत्र लिखकर विमान सेवा कंपनियों के लिए राहत और विशेष सहूलियत की मांग की है। संघ द्वारा भेजे गए पत्र में कहा गया है कि कोरोना महामारी, 8-9 सितंबर को हुए जेन-जी आंदोलन तथा वर्तमान में पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण हवाई ईंधन की कीमतों में भारी वृद्धि हुई है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि ईंधन मूल्य बढ़ने के साथ सदस्य विमान सेवा कंपनियों का उड़ान खर्च भी अत्यधिक बढ़ गया है और नेपाल आने वाले पर्यटकों की संख्या में भी गिरावट आई आई है। इन परिस्थितियों के कारण कंपनियां प्रतिदिन गंभीर आर्थिक संकट झेल रही हैं और सेवा संचालन बंद करने की नौबत आ गई है। कंपनियों के अनुसार, संचालन खर्च में ईंधन का हिस्सा अब 55 से 60 प्रतिशत तक पहुँच गया है, जबकि व्यापार में भारी गिरावट आई है। विमान सेवा कंपनियों ने सिविल एविएशन ऑथोरिटी द्वारा लिए जाने वाले विभिन्न शुल्कों- जैसे लैंडिंग, पार्किंग, नेविगेशन, हाउजिंग और किराया शुल्क में वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए 50 प्रतिशत तक छूट देने की मांग की है। इसके अलावा, कंपनियों ने विमानस्थल सेवा शुल्क नियमावली में संशोधन कर शुल्क दर घटाने की भी मांग की है।

बलोचिस्तान में पाकिस्तानी सेना के वाहनों पर हमला, सैन्य अधिकारी और जवानों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत के ग्वादर और पंजगुर जिलों में 02 मई को हुए दो अलग-अलग बम धमाकों में पाकिस्तान की सेना के वाहनों को निशाना बनाया गया। सबसे पहले ग्वादर के पसनी इलाके के शादिकुर में अज्ञात लोगों ने पाकिस्तानी सेना के एक वाहन पर बम से हमला किया। तेज विस्फोट में वाहन नष्ट हो गया और इस दौरान सैन्य जवान मारे गए।

इसके कुछ देर बाद पंजगुर के चिदगी इलाके में इसी तरह के एक अन्य हमले में कई सैन्य अधिकारियों की मौत हो गई। सरकारी अधिकारियों ने अभी तक कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी है। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। इस मीडिया प्लेटफार्म की एक अन्य रिपोर्ट में बताया गया है कि खुजदार जिले से अगवा किए गए एक व्यक्ति की सरकारी एजेंसियों ने रिहाई कर दी है और एक व्यक्ति को उठा लिया गया है। इस दौरान सरकारी एजेंसियों द्वारा लोगों को अगवा किए जाने के खिलाफ क्वेटा प्रेस क्लब के सामने जारी धरना रविवार को 6153वें दिन में प्रवेश कर गया। उल्लेखनीय है कि बलोचिस्तान में बलोच राष्ट्रवादियों और पाकिस्तान की संघीय सरकार के बीच संघर्ष का सिलसिला दशकों पुराना है। संघर्ष की पृष्ठभूमि 15 अगस्त 1947 को शुरू होती है। कलात (बलोचिस्तान) ने खुद को अलग करने की घोषणा की थी लेकिन मार्च 1948 में पाकिस्तान ने इसे अपने कब्जे में ले लिया। तब से अब तक पांच अलग-अलग विद्रोह हो चुके हैं। वर्तमान सशस्त्र संघर्ष 2000 के दशक की शुरुआत से सबसे तीव्र रहा है। बलोचिस्तान प्राकृतिक गैस, तेल, सोने और तांबे जैसे संसाधनों से समृद्ध है। बलोच राष्ट्रवादियों का आरोप है कि पाकिस्तान की सरकार इन संसाधनों का दोहन करती है।

नोबेल पुरस्कार विजेता ईरानी मानवाधिकार कार्यकर्ता की जेल में बिगड़ी तबीयत

बेरूत। जेल में बंद ईरानी मानवाधिकार कार्यकर्ता एवं वकील नरगिस मोहम्मदी की तबीयत बिगड़ने के कारण उन्हें "स्वास्थ्य संबंधी गंभीर जोखिम" है, लेकिन ईरान सरकार उन्हें उपचार के लिए तेहरान भेजने को राजी नहीं है। मोहम्मदी के परिवार ने यह दावा किया। मोहम्मदी के परिवार ने बताया कि वह मोहम्मदी का इलाज उनके निजी चिकित्सक से कराना चाहता है जो तेहरान में है लेकिन ईरान के खुफिया मंत्रालय ने उन्हें वहां स्थानांतरित करने का विरोध किया है।

नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मोहम्मदी (करीब 50 वर्ष) को शुक्रवार को दिल का दौरा पड़ने और बेहोश होने के बाद ईरान के उत्तर-पश्चिम में जंजान के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनके परिवार ने बताया कि पिछले साल दिसंबर में गिरफ्तारी के दौरान हुई पिटाई के बाद से उनकी सेहत

बिगड़ती जा रही थी। उनकी संस्था ने बताया कि जंजान में चिकित्सकों ने किसी भी तरह का इलाज करने से पहले उनके रिकॉर्ड मांगे हैं और उन्हें तेहरान स्थानांतरित करने की सिफारिश की है। पेरिस में रह रहे उनके पति ताघी रहमानी ने कहा कि खुफिया मंत्रालय मोहम्मदी को 'एंजियोग्राफी' के लिए तेहरान नहीं भेज रहा। उन्होंने यह बात एक 'वॉइस मैसेज' में कही, जिसे संस्था ने 'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) के साथ साझा किया था।नॉर्वे की नोबेल समिति ने एक बयान में ईरानी अधिकारियों से कहा कि मोहम्मदी का जीवन अब उनके हाथों में है और उसने उनसे मोहम्मदी को तुरंत उनकी चिकित्सा टीम के पास भेजने का आग्रह किया। उनके पति ने 'स्काई न्यूज' से कहा, "उनमें जेल की सजा काटने की मानसिक क्षमता तो है, लेकिन उनका शरीर इसके लिए तैयार नहीं है। खुफिया मंत्रालय को उनकी मौत से भी कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में अमेरिका के अभियोग के बाद मेक्सिको के गवर्नर, मेयर ने पद छोड़ा

मेक्सिको सिटी। अमेरिका द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी का आरोप लगाए जाने के बाद मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लौडिया शिनबाम की पार्टी के दो सदस्यों ने अपने पद से अस्थायी रूप से हटने की घोषणा की है। उत्तर पश्चिमी सिनालोआ राज्य से शिनबाम की पार्टी के इन सदस्यों ने बताया कि अमेरिका ने उन पर और आठ अन्य नेताओं एवं सुरक्षा अधिकारियों पर मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप लगाए हैं। शुक्रवार मध्यरात्रि को जारी एक वीडियो संदेश में अभियोग में नामित गवर्नर रुबेन रोचा मोया ने उन आरोपों का खंडन किया कि उन्होंने मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह 'सिनालोआ कार्टल' को संरक्षण दिया और लाखों डॉलर की रिश्वत के बदले में उसे अमेरिका में मादक पदार्थों की तस्करी में मदद की। पूर्व राष्ट्रपति एंड्रेस मैनुअल लोपेज ओब्राडोर के लंबे समय से सहयोगी रहे 76 वर्षीय रोचा ने कहा, "मेरा ईमान साफ है। मैं अपने लोगों और अपने परिवार से आंख मिलाकर कह सकता हूं कि मैंने कभी आपको धोखा नहीं दिया और न ही कभी दूंगा।" उन्होंने कहा कि वह छह साल से इस पद पर हैं, लेकिन अब वह अस्थायी रूप से इस पद से हट रहे हैं और अवकाश पर जा रहे हैं ताकि वह अपने ऊपर लगे "झूठे और दुर्भावनापूर्ण" आरोपों से अपना बचाव कर सकें और मेक्सिको की सरकार की जांच में सहयोग कर सकें। सिनालोआ राज्य की राजधानी कुलियाकान के मेयर जुआन डी डियोस गामेज मेंडिविल का नाम भी अभियोग में शामिल है। उन्होंने भी आरोपों से इनकार किया और पद से हटने का ऐलान किया। शनिवार को एक विशेष मतदान में राज्य की स्थानीय कांग्रेस ने रोचा की सहयोगी येराल्डिन बोनिला वाल्वरडे को अंतरिम गवर्नर नियुक्त किया।

जर्मनी में अमेरिकी सैनिकों की संख्या में 5,000 से कहीं अधिक की कटौती करेंगे: ट्रंप

वेस्ट पाम बीच। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि जर्मनी में तैनात अमेरिकी सैनिकों की संख्या में 5,000 से भी अधिक की कटौती की जाएगी। इससे पहले, अमेरिका के रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन ने शुक्रवार को घोषणा की थी कि जर्मनी से करीब 5,000 सैनिकों को वापस बुलाया जाएगा, लेकिन शनिवार को जब ट्रंप से इस कदम का कारण पूछा गया तो उन्होंने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया और कहा कि इससे भी बड़ी कटौती की जाएगी। ट्रंप ने फ्लोरिडा में पत्रकारों से कहा, "हम बड़ी संख्या में कटौती करेंगे और हम 5,000 से कहीं अधिक की कटौती कर रहे हैं।" जर्मनी के रक्षा मंत्री ने अमेरिकी सैनिकों की संख्या में कटौती संबंधी अमेरिकी रक्षा मंत्रालय की इस घोषणा को सहजता से लिया। उन्होंने कहा कि सैनिकों की संख्या में कटौती की संभावना पहले से ही थी और उन्होंने यूरोप में अमेरिकी सैनिकों की लंबे समय से चली आ रही तैनाती के पारस्परिक लाभ पर जोर दिया। जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने कहा कि यूरोप ने अमेरिका के नेतृत्व वाले उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के भीतर अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए और अधिक प्रयास करने की जरूरत को समझा है और वह इस दिशा में काम भी कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि यूरोपीय महाद्वीप में सेना की तैनाती से अमेरिका को भी फायदा होता है। जर्मनी नाटो का एक अहम सदस्य है। ट्रंप ईरान

युद्ध में शामिल होने की नाटो सहयोगियों की अनिच्छा पर नाराजगी जाहिर कर चुके हैं और उन्होंने जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज, स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज तथा ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर जैसे नेताओं पर तीखा हमला बोला है। मर्ज ने पिछले हफ्ते ईरान युद्ध की आलोचना करते हुए कहा था कि ईरानी नेतृत्व द्वारा अमेरिका को "अपमानित" किया जा रहा है, और उन्होंने वॉशिंगटन की रणनीति की कमी को भी उजागर किया। जर्मनी से 5,000 सैनिकों को वापस बुलाने का मतलब होगा, यूरोपीय देश में तैनात 36,000 अमेरिकी सैनिकों का लगभग सातवां हिस्सा बुलाना।